वर्ष 31 अंक 237
जबलपुर, बुधवार
दिनांक 18 फरवरी 2026
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार
'इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं'

2 लेगेसी वेस्ट रेमेडिएशन कार्य में तेजी...
5 घंटों कलेक्टर का इंतजार करते रहे...
7 परमाणु डील पर झुका ईरान...
11 भोपाल में महिला कांग्रेस की रसोई...

नेताओं को भाषण से पहले विचार सुधारने की जरूरतः सुप्रीम कोर्ट

देश में भाईचारा बढ़ाएं, वैचारिक सिद्धांतों पर चुनाव लड़ें लेकिन आपसी सम्मान भी जरूरी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान नेताओं और उच्च संवैधानिक पद पर बैठे अधिकारियों को देश में भाईचारा बढ़ाने और संविधान के मूल्यों के हिसाब से व्यवहार करने और बोलने की नसीहत दी। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने कहा- नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाना होगा। नफरत भरे भाषणों को रोकने के लिए पहले सोच को सुधारने की आवश्यकता है। क्योंकि भाषण से पहले विचार आते हैं। चीफ जस्टिस ने कहा- सभी राजनीतिक दलों से हमारी अपील है कि आप संवैधानिक नैतिकता, मूल्यों, आपसी सम्मान और आत्मसम्मान के सिद्धांतों का पालन कीजिए। ये ठीक है कि आप वैचारिक सिद्धांतों के आधार पर चुनाव लड़ते हैं, लेकिन एकदूसरे का सम्मान करना भी जरूरी है। आप लोगों से इस तरह के व्यवहार की अपेक्षा नहीं कर सकते।

असम सीएम के हालिया भाषणों के खिलाफ याचिका

सुप्रीम कोर्ट नौ लोगों की तरफ से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के हालिया भाषणों और भाजपा असम की तरफ से पोस्ट किए गए एक वीडियो के मद्देनजर दायर की गई थी। वीडियो में एक खास समुदाय को टारगेट करने का आरोप लगा था। याचिका में संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के लिए गलत और नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने आज की सुनवाई में याचिका पर आपत्ति जताई। चीफ जस्टिस ने कहा- यह

याचिका एक व्यक्ति के खिलाफ है। खासकर इस समय। इसे वापस लें और एक नई याचिका दायर करें जिसमें सभी राजनीतिक दलों का उल्लेख होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा- हम याचिकाकर्ताओं का सम्मान करते हैं और उनकी ओर से उठाए गए मुद्दे की गंभीरता को समझते हैं। हालांकि, याचिकाकर्ताओं को यह आभास नहीं कराना चाहिए कि वे किसी विशेष पार्टी या व्यक्ति के खिलाफ हैं। वहीं जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि राजनीतिक दलों को देश में भाईचारा खुद ही बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा- मान लीजिए हम दिशानिर्देश जारी कर दें लेकिन उनका पालन कौन करेगा? जस्टिस बागची ने पहले से जारी किए गए दिशानिर्देशों का जिक्र करते हुए कहा- हमने न जानें कितने दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन्हें लागू करने की जिम्मेदारी भी राजनीतिक दलों की ही है।

कांग्रेस ने हिमंत के वीडियो का मुद्दा उठाया था

दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर भी यह वीडियो पोस्ट किया गया। इसमें नजर आ रहा है कि हिमंत सरमा एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था। श्रीनेत के शेयर किए गए वीडियो में असम की भारतीय जनता पार्टी का ङ्ग अकाउंट नजर आ रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा- यही है असली बीजेपीः सामूहिक हत्यारे। यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी। उन्होंने पूछा कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं?

भारत-फ्रांस बनायेंगे अत्याधुनिक हेलिकॉप्टर

दोनों के बीच विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी

मुंबई (वार्ता)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस को भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक बताते हुए मंगलवार को कहा कि इस विश्वास को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में बदलने का निर्णय लिया है जिसके तहत दोनों देशों की साझेदारी में भारत में हेलिकॉप्टर इकाई का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस ने लोगों और कंपनियों को दोहरे कराधान से बचाने के लिए भी समझौता किया है। इसके साथ ही भारत-फ्रांस स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई सेंटर और डिजिटल विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र की शुरूआत करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत-फ्रांस एरोनॉटिक्स क्षेत्र में कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र भी शुरू करेंगे। उन्होंने दुनिया में अनिश्चितता के दौर में भारत-फ्रांस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता के लिए एक ताकत बताया।

भारत और फ्रांस के संबंध बहुत ही विशेष

श्री मोदी ने यहां फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ शिष्टमंडल स्तर और द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में ये घोषणाएं की। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत और फ्रांस के संबंध बहुत ही विशेष हैं। फ्रांस भारत के सबसे पुराने साझेदारों में से एक है और राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मिलकर हमने इस रणनीतिक साझेदारी को अभूतपूर्व गहराई और ऊर्जा दी है। उन्होंने कहा कि इसी विश्वास और साझा विजन के आधार पर दोनों देश अपने संबंधों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

विश्व का एकमात्र हेलिकॉप्टर भारत में बनाएंगे

दोनों देशों की साझेदारी में भारत में हेलिकॉप्टर इकाई के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, हमें गर्व है कि, भारत और फ्रांस के संबंध बहुत ही विशेष मिलकर, माउंट एवरेस्ट की ऊँचाइयों तक उड़ान भरने वाला, विश्व का एकमात्र हेलिकॉप्टर भारत में बनाएंगे और पूरे विश्व को निर्यात करेंगे यानि भारत और फ्रांस के बीच साझेदारी की कोई सीमा नहीं है यह महासागर की गहराई से लेकर उंची चोटी तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि यह वर्ष भारत और यूरोप के संबंधों में एक निर्णायक मोड़ है और इस वर्ष हमने यूरोपीय संघ के साथ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौता किया। उन्होंने कहा कि आपसी निवेश को बढावा देने के लिए आज हम समझौता कर रहे हैं जिससे हमारे लोगों और कंपनियों को दोहरा कर न देना पड़े।

व्यापार तथा आवागमन को नयी ऊर्जा मिलेगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सभी पहलों से निवेश, व्यापार तथा आवागमन को नयी ऊर्जा मिलेगी और यही साझा समृद्धि का रोडमैप है। उन्होंने कहा कि दोनों देश भारत-फ्रांस स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई सेंटर और डिजिटल विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र की शुरूआत करेंगे साथ ही भारत- फ्रांस एरोनॉटिक्स क्षेत्र में कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र भी शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि ये मात्र संस्थान नहीं हैं ये भविष्य का निर्माण करने वाले प्लेटफार्म हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनिश्चतता के इस दौर में भारत-फ्रांस साझेदारी वैश्विक स्थिरता के लिए एक ताकत है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस रद्द

कर्नाटक चुनाव में 40 प्रतिशत कमीशन वाले विज्ञापन का मामला

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस को रद्द कर दिया। यह मामला 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले '40 प्रतिशत कमीशन' वाले कांग्रेस के विज्ञापनों को लेकर भाजपा नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था। करप्शन रेट कार्ड वाले इस विज्ञापन को राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इसके बाद भाजपा नेता केशव प्रसाद ने राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान विज्ञापनों में तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा नेताओं पर सरकारी ठेकों से 40 प्रतिशत कमीशन लेने का झूठा आरोप लगाया। मामले में कर्नाटक की अदालत ने 23 फरवरी 2024 को सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार और राहुल गांधी को समन जारी किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 1 जून 2024 को सिद्धारमैया, शिवकुमार को और 7 जून 2024 को राहुल को जमानत दे दी थी। हालांकि राहुल गांधी ने समन को हाईकोर्ट में भी चुनौती दी थी। हाईकोर्ट के जस्टिस सुनील दत्त यादव की सिंगल बेंच ने आदेश पारित करते हुए कहा कि राहुल गांधी की याचिका मंजूर की जाती है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की कार्यवाही आगे बढ़ाना कानून की प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल होगा।

डिप्टी रेंजर समेत दो को गोली मारी

रायसेन। रायसेन में पूर्व कर्मचारी ने नर्सरी प्रभारी डिप्टी रेंजर सहित दो लोगों को गोली मार दी। डिप्टी रेंजर राकेश शर्मा को पीठ में गोली लगी। महिला कर्मचारी सुमन बाई की पीठ में लगी गोली शरीर के आर-पार हो गई। वहीं, एक अन्य कर्मचारी डालचंद भागते समय गिर गया, गोली उसके ऊपर से निकल गई। फायरिंग करने के बाद आरोपी पूरन उर्फ गुड्डा लोधी मौके से भाग निकला। कुछ देर बाद उसका शव एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद पूरन के आत्महत्या करने की आशंका जताई है। पूरन करीब 5 साल पहले नर्सरी में मजदूरी करता था। ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर उसे हटा दिया गया था।

तारिक रहमान बने बंगलादेश के नये प्रधानमंत्री

ढाका (वार्ता)

बंगलादेश नेशनलिस्ट पाटी के प्रमुख तारिक रहमान ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ 49 अन्य सांसदों को मंत्री बनाया गया है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने श्री रहमान और अन्य मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। श्री रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाग लिया। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भी थे। देश में 36 सालों के बाद कोई पुरुष देश का प्रधानमंत्री बना है। मंत्रिमंडल में 25 कैबिनेट मंत्री तथा 24 राज्य मंत्री शामिल किए गए हैं। कैबिनेट मंत्रियों में मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर, अमीर

खुसरू महमूद चौधरी, सलाहुद्दीन अहमद, इकबाल हसन महमूद, मेजर (सेवानिवृत्त) हाफिज उद्दीन अहमद, अबू जफर मोहम्मद जाहिद हुसैन, डॉ. खलीलुर रहमान, अफरोजा खानम रीता और निताई रॉय चौधरी शामिल हैं। राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने वालों में एम राशिदुज्जमां मिल्लत, अनिंद्य इस्लाम अमित, मोहम्मद शरीफुल आलम, शमा ओबैद इस्लाम, सुल्तान सलाहुद्दीन टुकू, बैरिस्टर कैसर कमाल और फरजाना शरमीन शामिल हैं। इससे पहले ढाका के एयरबेस पर बंगलादेश विदेश मंत्रालय के सचिव डॉ. मोहम्मद नजरुल इस्लाम, बंगलादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा और भारत में बंगलादेश के उच्चायुक्त मोहम्मद रियाज हमीदुल्ला ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ विद्रोह के कारण सरकार के गिरने के बाद मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के सलाहकार के तौर पर देश की बागडोर संभाल रहे थे। श्री रहमान गत दिसम्बर में 17 साल के निर्वासन के बाद स्वदेश लौटे थे। उनकी मां खालिदा जिया कई वर्षों तक देश की प्रधानमंत्री रहीं थीं। उनका 30 दिसम्बर 2025 को निधन हो गया था।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशनल तैयारी और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने की अपील की

तिरुवनंतपुरम (वार्ता)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशनल तैयारी और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है। श्री सिंह की अध्यक्षता में दक्षिणी वायु कमांड (सीएसी) के सालाना कमांडर्स सम्मेलन में ऑपरेशनल क्षमता को मजबूत करने, दक्षिणी प्रायद्वीप में वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की रणनीतिक मौजूदगी को बढ़ाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया गया। सम्मेलन में डिसीजन ऑटोनॉमी के ज़रिए ऑपरेशनल क्षमता थीम के तहत भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की बदलती युद्ध नीति को दिखाया गया, जिसमें जमीनी स्तर पर विकेन्द्रीकृत नेतृत्व और तेज़ी से फैसले लेने पर ज़ोर दिया गया। सम्मेलन में वरिष्ठ कमांडरों ने लड़ाई की तैयारी को मजबूत करने, निगरानी और प्रतिक्रिया प्रणाली को बेहतर बनाने और भारत के समुद्री हितों की सुरक्षा में कमांड की भूमिका को मजबूत करने पर चर्चा की। एयर चीफ मार्शल सिंह ने लगातार ऑपरेशनल तैयारी, मज़बूत सुरक्षा प्रोटोकॉल और यूनिट्स के बीच मिलकर काम करने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने भविष्य के नेतृत्व को तैयार करने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया। सम्मेलन में मुख्य चर्चा दक्षिणी क्षेत्र में ऑपरेशनल तैयारी, वायु रक्षा की तैयारी और आईओरआर में आईएएफ की क्षमताओं को लगातार बढ़ाने पर केंद्रित थी।

वॉट्सएप स्टेटस पर लगा दिया कक्षा 10वीं के अंग्रेजी का पेपर

महिला टीचर सस्पेंड, केंद्र अध्यक्ष को भी हटाया

बुरहानपुर। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर में एक महिला टीचर ने 10वीं बोर्ड परीक्षा का अंग्रेजी पेपर शुरू होते ही प्रश्नपत्र की फोटो खींचकर वॉट्सएप स्टेटस पर लगा दिया। उक्त शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है, साथ ही केंद्र अध्यक्ष को बदल दिया गया है। मामला तुकईथड उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र का है। जानकारी के मुताबिक, प्राथमिक शिक्षिका राजकुमारी सोनी के वॉट्सएप स्टेटस पर सुबह 9.35 बजे अंग्रेजी के प्रश्नपत्र की तस्वीर देखी गई। पेपर लीक होने की सूचना मिलते ही कलेक्टर हर्ष सिंह और जिला पंचायत सीईओ सृजन वर्मा सेंटर पर पहुंचे। टीचर से पूछताछ की। पूछताछ में प्राथमिक शिक्षिका राजकुमारी सोनी ने माना कि उसने सुबह 9.06 बजे एक अनुपस्थित स्टूडेंट की टेबल पर प्रश्नपत्र की फोटो खींची थी। उसने यह फोटो किसी दूसरे व्यक्ति को भेजी थी, ताकि प्रश्नपत्र को सॉल्व करके चीटिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सके। प्रशासन ने साफ किया कि इस सेंटर पर सुबह 8.40 बजे 109 स्टूडेंट्स को एंट्री दी गई थी। प्रश्नपत्र तय समय पर बांटे गए थे। एग्जाम शुरू होने के बाद सुबह 9.06 बजे फोटो स्टेटस पोस्ट किया। वहीं, प्रशासन का दावा है कि प्रश्नपत्र किसी भी तरह से लीक नहीं हुआ है। बुरहानपुर अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान ने लापरवाही और नियमों का उल्लंघन करने के लिए टीचर राजकुमारी सोनी को सस्पेंड कर दिया है। मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। पूछताछ के लिए टीचर को पुलिस की टीम थाने लेकर गई है।

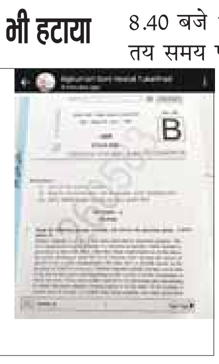

नकल रोकने गाइडलाइन

एमपी बोर्ड परीक्षा 2026 में नकल रोकने के लिए शिक्षकों के लिए सख्त नियम लागू किए गए हैं। ड्यूटी पर तैनात शिक्षकों की भी जांच होगी। उन्हें परीक्षा कक्ष में मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। शिक्षकों की ड्यूटी ऑनलाइन रैंडम तरीके से लगेगी। जिन शिक्षकों के बच्चे परीक्षा दे रहे हैं, उन्हें परीक्षा कार्य से दूर रखा जाएगा।

इमरान खान के साथ बेहतर बर्ताव हो

गावस्कर, कपिल समेत 14 कप्तानों ने की पाकिस्तान सरकार से अपील

नयी दिल्ली (वार्ता)

सुनील गावस्कर और कपिल देव समेत 14 इंटरनेशनल कप्तानों ने पाकिस्तान सरकार से इमरान खान के साथ शारीरिक, मानसिक, पर्यावरण और यहां तक कि सामाजिक तौर पर भी बेहतर बर्ताव की जोरदार अपील की है। क्रिकबज समेत कुछ चुनिंदा मीडिया आउटलेट्स को जारी किया गया यह जॉइंट स्टेटमेंट, पूर्व वर्ल्ड कप विनिंग कप्तान की भलाई के लिए एक ऑफिशियल रिप्रेजेंटेशन है, जो जेल में बंद हैं और उनकी हेल्थ या सेफ्टी के बारे में कोई जानकारी मौजूद नहीं है। 14 साइन करने वालों में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और भारत के पूर्व हेड कोच ग्रेग चैपल भी शामिल हैं। अपनी एक पेज की रिक्वेस्ट में, उन्होंने कहा है, हम पाकिस्तान सरकार से आदर के साथ रिक्वेस्ट करते हैं कि इमरान खान को ये मिलें। उनकी बताई गई हेल्थ प्रॉब्लम को ठीक करने के लिए उनकी पसंद के क्वालिफाइड स्पेशलिस्ट से तुरंत, सही और लगातार मेडिकल मदद। इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के हिसाब से हिरासत में इंसानी और इज्ज़तदार हालात, जिसमें परिवार के करीबी सदस्य रेगुलर तौर पर उनसे मिलते रहें। बिना किसी बेवजह देरी या रुकावट के कानूनी प्रोसेस तक सही और ट्रांसपेरेंट पहुँच। गावस्कर, कपिल और चैपल के अलावा, दूसरे साइन करने वालों में माइकल आथर्टन, एलन

बॉर्डर, माइकल ब्रेयरली , इयान चैपल, बेलिंडा क्लार्क, डेविड गॉवर, किम ह्यूजेस, नासिर हुसैन, सर क्लाइव लॉयड, स्टीव वॉ, और जॉन राइट शामिल हैं। बयान में कहा गया है, उनकी हेल्थ से जुड़ी हालिया रिपोर्ट - खासकर हिरासत में रहने के दौरान उनकी नजर में खतरनाक गिरावट - और पिछले दो सालों में उनके जेल में रहने के हालात। पिछले डेढ़ साल ने हमें बहुत चिंता में डाल दिया है। साथी क्रिकेटरों के तौर पर, जो फेयर प्ले, सम्मान और इज्जत की वैल्यू को समझते हैं, जो हद से ज़्यादा हैं, हमारा मानना है कि इमरान खान जैसे कद के इंसान के साथ वैसी ही इज्जत और बुनियादी इंसानी सोच होनी चाहिए जैसी एक पूर्व नेशनल लीडर और एक ग्लोबल स्पोर्टिंग आइकॉन के साथ होनी चाहिए। उन्होंने इमरान खान के साथ हुए कथित बर्ताव और जेल के हालात पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने बताया है कि कैसे इमरान को उनकी इंस्पायरिंग लीडरशिप और क्रिकेट में योगदान के लिए पूरी दुनिया में पसंद किया जाता है। इमरान खान के खेल में योगदान की पूरी दुनिया में तारीफ़ होती है। कप्तान के तौर पर, उन्होंने पाकिस्तान को उनकी ऐतिहासिक 1992 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत दिलाई - यह जीत स्किल, मजबूती, लीडरशिप और स्पोर्ट्समैनशिप पर बनी थी जिसने सीमाओं के पार पीढ़ियों को प्रेरित किया। हममें से कई लोगों ने उनके खिलाफ मुकाबला किया, उनके साथ मैदान शेयर किया, या उनकी हरफनमौला काबिलियत, करिश्मा और मुकाबले की भावना को अपना आदर्श मानते हुए बड़े हुए। वह खेल के अब तक के सबसे बेहतरीन ऑल-राउंडर और कप्तानों में से एक हैं, जिन्होंने खिलाड़ियों, फैंस और एडमिनिस्ट्रेटर्स से समान रूप से सम्मान पाया है। उन्होंने आगे कहा, क्रिकेट के अलावा, इमरान खान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के तौर पर भी काम किया, और एक मुश्किल दौर में अपने देश को लीड किया। राजनीतिक नजरिए से अलग, उन्हें अपने देश के सबसे ऊंचे पद पर लोकतांत्रिक तरीके से चुने जाने का सम्मान मिला है। पूर्व कप्तानों ने अपील खत्म करते हुए कहा कि पाकिस्तान के अधिकारियों को तहजीब और न्याय के सिद्धांतों को बनाए रखना होगा।

लेगेसी वेस्ट रेमेडिएशन कार्य में तेजी, शहर को मिलेगा स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कचरा प्रसंस्करण केंद्रों का किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा शहर में वर्षों से डंपिंग साइट पर जमा पुराने ठोस कचरे (लेगेसी वेस्ट) के वैज्ञानिक निस्तारण हेतु रेमेडिएशन कार्य में तेजी लाई गई है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी ने जमुआ एवं कोटमा स्थित कचरा प्रसंस्करण केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर कचरे की अव्यवस्थित स्थिति पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि डंपिंग ग्राउंड पर आधुनिक मशीनों के माध्यम से कचरे की वैज्ञानिक छंटाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। रेमेडिएशन प्रक्रिया के अंतर्गत प्लास्टिक, धातु एवं अन्य पुनर्चक्रण

योग्य सामग्री को अलग कर अधिकृत रिसाइक्लिंग इकाइयों को भेजा जा रहा है, जबकि अनुपयोगी अवशेषों का सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, कार्य पूर्ण होने के पश्चात डंपिंग स्थल से निकलने वाली दुर्गंध, हानिकारक गैसों के उत्सर्जन तथा भूजल प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिससे आसपास के क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को राहत मिलेगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि यह कार्य शासन की स्वच्छता संबंधी योजनाओं के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। रेमेडिएशन कार्य पूर्ण होने के बाद खाली हुई भूमि का उपयोग हरित क्षेत्र विकसित करने अथवा अन्य जनहितकारी परियोजनाओं में किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यू बसस्टैंड एवं नगर में अमृत 2.0 के अंतर्गत पुरानी बस्ती ,जिला चिकित्सालय के पास निर्माण की जा रही पानी टंकी का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नगर पालिका परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि वे घरों में गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण अनिवार्य रूप से करें और स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहयोग दें, ताकि भविष्य में लेगेसी वेस्ट जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका के पुनीत त्रिपाठी ,शरद द्विवेदी, मोतीलाल सिंह ,अनिल महोबिया, हरिओम तोमर एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे

जनपद सीईओ पर पांच सौ का अर्थदंड

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम 2010 के अंतर्गत समय-सीमा में सेवाएं प्रदान न करने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मंडला श्रीमती प्रतिमा शुक्ला पर 500 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। कार्यालय कलेक्टर (लोक सेवा प्रबंधन) मंडला द्वारा जारी आदेश के अनुसार लोक सेवा केंद्र एमपी ऑनलाइन के माध्यम से प्राप्त दो आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण नहीं किया गया। दोनों प्रकरणों में अंतिम तिथि 22 जनवरी निर्धारित थी जबकि निराकरण 23 जनवरी को किया गया जिससे एक कार्यदिवस का विलंब हुआ। प्रत्येक आवेदन पर 250 रुपये प्रतिदिन की दर से कुल 500 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है। संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि शास्ति राशि शासन मद में निर्धारित शीर्ष के अंतर्गत जमा कर चालान की प्रति तीन दिवस के भीतर प्रस्तुत करें।

जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने हेतु भेजे गए नोटिस की कांग्रेस ने की निंदा

दबाव के कारण, लाचार प्रशासन की वजह से नाबालिग हुआ परीक्षा से वंचित- अजय अवस्थी

शहडोल। जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने बाल कल्याण समिति द्वारा जारी नोटिस पर कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए कहा है कि, यह कार्यवाही वास्तविक जनसमस्याओं से ध्यान भटकाने का एक सुनियोजित प्रयास है। जिलाध्यक्ष अवस्थी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार जिले में शुद्ध पेयजल संकट, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली, अवैध उत्खनन एवं प्रशासनिक लापरवाही जैसे गंभीर मुद्दों को उठाती रही है। इन ज्वलंत समस्याओं का समाधान देने के बजाय विपक्ष की आवाज को दबाने के उद्देश्य से नोटिस जारी करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। अवस्थी ने कहा भारतीय जनता पार्टी के दबाव मे प्रशासन ने हठधर्मिता का परिचायक देते हुए नाबालिग को परीक्षा के एक दिन पहले रिहा नहीं किया, जबकी पुलिस विभाग एवं जेल प्रबंधन को इस बात से सबूत सहित, अवगत कराया जा चुका था की नाबालिग की 10 फरवरी को 12 वीं की परीक्षा का पहला पेपर है। लेकिन प्रशासन के द्वेष पूर्ण रवैए के कारण नाबालिग को पेपर के दिन ही रिहा किया गया जिससे समय आभाव के कारण वो परीक्षा देने से वंचित रह गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का प्रत्येक आंदोलन संवैधानिक दायरे में, शांतिपूर्ण एवं जनहित में किया जाता है। यदि प्रशासन के पास जनता की समस्याओं का समाधान नहीं है, तो वह नोटिस और दबाव की राजनीति का सहारा लेकर अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकता। जिलाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव कानून का सम्मान करती है, लेकिन किसी भी प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई से डरने वाली नहीं है। यदि प्रशासन को वास्तव में चिंता है, तो उसे जिले की मूलभूत समस्याओं पर ठोस कार्रवाई करनी चाहिए, न कि जनआंदोलनों को कमजोर करने का प्रयास करना चाहिए। जिलाध्यक्ष ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित के मुद्दों पर पारदर्शी एवं सकारात्मक संवाद स्थापित किया जाए तथा लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान सुनिश्चित किया जाए।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में धनपुरी निवासी रोशनी वारंदानी ने अवैध निर्माण कार्य रूकवाने, शहडोल निवासी बालकृष्ण वर्मा आईएफएमआईएस पोर्टल में जन्मतिथि सुधरवाने, शहडोल के वार्ड नम्बर 9 निवासी सावित्री देवी ने मकान खाली करवाने एवं संबंधित के विरूद्व आवश्यक कार्यवाही करने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की

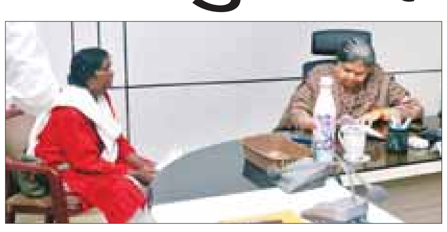

ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना सूचना दिए काटी बिजली, अंधेरे में बीत रही रात

शहडोल के विद्युत विभाग का कारनामा, काटने वाले पर कार्रवाई की मांग

शहडोल। जिले का बिजली विभाग हमेशा अपनी लापरवाही को लेकर चर्चा में रहता है। यहां के कर्मचारी बिना उपभोक्ता को सूचना दिए घर में जाकर बिजली काटने का काम कर रहे है। ऐसा ही एक मामला तहसील जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत नवाटोला अंतर्गत ग्राम चंदौरा का सामने आया है। ग्राम चंदौरा के पीड़ित मेलाराम साहू के घर में मीटर रीडर ने जाकर बिना सूचना देकर एक सप्ताह पूर्व बिजली काट दी गई। इससे साहू परिवार अब अंधेरे में रात बीता रहा है। मामले की जानकारी से विभागीय अधिकारी को अवगत कराया गया, लेकिन वे कुछ सुनने को तैयार नहीं हैं।

पीड़ित मेलाराम साहू ने बताया कि 12 फरवरी को बिजली विभाग के मीटर रीडर राजेंद्र मरावी उनके घर आए। उनसे पूछने पर मीटर रीडर का कहना था कि 1200 रुपये दीजिए, नहीं तो हम बिजली काट देंगे। पैसे नहीं देने पर बिजली काट दी गई। इतना ही नहीं मीटर रीडर के पास कोई पहचान पत्र तक नहीं था। ऐसे में विभाग निजी कर्मचारियों को उपभोक्ता के घर में भेजकर दबंगाई दिखवा कर राशि वसूलने जैसे कार्य करवा रहे हैं। यदि गांव के लोग समय पर राशि नहीं देते है तो खुद को अधिकारी

समझकर बिजली काट देते है। जबकि नियमानुसार बिजली काटने के पूर्व विभाग को नोटिस या सूचना देकर उपभोक्ता को अवगत करना चाहिए होता है। यहां पर ऐसा नहीं किया गया, बल्कि सीधे मीटर रीडर ने डरा धमकाते हुए कहा है कि जो करना है कर लो, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा और खंभे से वायरिंग काट दी गई। इसके बाद से पूरा परिवार अंधेरे में रात बीता रहा है।

इनका कहना है

114 यूनिट का 8000 रुपये बिजली होता है, उसे पहले जमा करवाइए। उसके बाद बिजली जोड़ दी जाएगी। यदि राशि जमा नहीं करोगे तो बिजली नहीं जोड़ेंगे।

वरूण सिंह, जेई, जयसिंहनगर
जिला-शहडोल

एक बार फिर 34 ग्राम पंचायतों में मनरेगा ई-केवाईसी फेल जिला पंचायत सीईओ ने रोजगार सहायकों को थमाए नोटिस

जवाब असंतोषजनक होने पर एकपक्षीय सख्त कार्रवाई होगी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत जॉबकार्डधारी मजदूरों की आधार आधारित ई-केवाईसी प्रक्रिया में डिण्डौरी जिले के अमरपुर और बजाग जनपद गंभीर रूप से पिछड़ते नजर आए हैं। जिला पंचायत के आंकड़ों ने साफ कर दिया है कि समय-सीमा समाप्त होने के बावजूद कई ग्राम पंचायतों में ई-केवाईसी 50 से 60 प्रतिशत के आसपास ही अटकी हुई है। एक बार फिर इसी लापरवाही को आधार बनाकर जिला पंचायत डिण्डौरी ने ग्राम रोजगार सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी के द्वारा पत्र में उल्लेख किया गया है कि 13 फरवरी 2026 की स्थिति में राज्य स्तर पर ई-केवाईसी की औसत प्रगति 78.48 प्रतिशत और डिण्डौरी जिले की औसत 75.29 प्रतिशत दर्ज की गई है, जबकि बजाग जनपद की पंचायतों में यह

आंकड़ा इससे काफी नीचे पाया गया। बजाग जनपद की 9 ग्राम पंचायतों में कुल 9 हजार 320 जॉबकार्डधारी मजदूर पंजीकृत हैं, जिनमें से 9 हजार से अधिक के आधार सीडेड होने के बावजूद मात्र 5 हजार 348 मजदूरों की ही ई-केवाईसी पूरी हो सकी है। इसका सीधा अर्थ यह है कि लगभग 3 हजार 572 मजदूरों की ई-केवाईसी अब भी लंबित है और औसत प्रगति 59.78 से 73.61 प्रतिशत के बीच ही सीमित रही।

वहीं अमरपुर जनपद की स्थिति और भी चिंताजनक बताई गई है। यहां की कई पंचायतों में ई-केवाईसी का प्रतिशत 42 प्रतिशत से शुरू होकर 73 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया है। आंकड़ों के अनुसार अमरपुर की भानपुर रैयत पंचायत में 654 मजदूरों में से केवल 279 की ई-केवाईसी पूरी हो सकी, जो मात्र 42.66 प्रतिशत है। इसी तरह बटिया रैयत में 47.33 प्रतिशत और नंदा माल पंचायत में 49.02 प्रतिशत ई-केवाईसी दर्ज की गई। अमरपुर जनपद की 25 ग्राम पंचायतों में हजारों मजदूरों की ई-केवाईसी अब भी लंबित है, जिससे जिले की समग्र प्रगति प्रभावित हो रही है।

जिला पंचायत डिण्डौरी का कहना है कि जनपद स्तर पर कैंप आयोजित कर 31 दिसंबर 2025 तक शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कराने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे, इसके बावजूद तय समय-सीमा में लक्ष्य पूरा नहीं किया गया। आदेश में इसे शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही और संविदा सेवा शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डिण्डौरी ने संबंधित ग्राम रोजगार सहायकों को तीन दिवस के भीतर प्रगति प्रतिवेदन के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में एकपक्षीय कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला पंचायत की इस कार्रवाई के बाद मनरेगा अमले में हलचल तेज हो गई है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में द्व-च्यद्धष्ट कार्य में तेजी लाने के लिए और सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ने की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। बैठक में जिले के ब्लैक स्पॉट्स दुर्घटना संभावित स्थानों) की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि इन स्थानों का संयुक्त निरीक्षण कर शीघ्र सुधार कार्य कराए जाएं, ताकि दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हो सके। इसके अलावा पंद्रह वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को स्क्रैप पॉलिसी के तहत निस्तारित करने की कार्यवाही तेज करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पुराने और अनुपयोगी वाहनों के कारण होने वाले प्रदूषण और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह कदम आवश्यक है।

जनसुनवाई में 76 आवेदन प्राप्त, दिव्यांग बालक को मिली सीपी चेयर-प्रशासन के प्रति जताया आभार

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर के निर्देशन में आज आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में आम नागरिकों से कुल 76 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, डिप्टी कलेक्टर बैधनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना गया तथा समय-सीमा में निराकरण हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों में प्रमुख रूप से राजस्व प्रकरण, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, खाद्यान्न पर्ची, आयुष्मान कार्ड, विद्युत प्रदाय, सड़क एवं पेयजल समस्या, रोजगार से संबंधित आवेदन तथा

अतिक्रमण संबंधी प्रकरण शामिल रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

जनसुनवाई के दौरान एक संवेदनशील पहल के तहत सामाजिक न्याय विभाग द्वारा दिव्यांग बालक इकबाल यादव को सीपी चेयर प्रदान की गई। सहायक उपकरण प्राप्त होने से बालक के माता-पिता अत्यंत भावुक एवं प्रसन्न हुए तथा उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। यह पहल दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके जीवन को सुगम बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जनसुनवाई के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कर प्रशासन द्वारा सुशासन की मंशा को प्रभावी रूप से मूर्त रूप दिया जा रहा है।

महीनों से गायब पंचायत सचिव की जिला सीईओ ने की परमानेंट छुट्टी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत खरगहना में लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे पंचायत सचिव गोवर्धन सिंह मरावी के खिलाफ जिला पंचायत डिंडौरी ने कड़ी कार्रवाई की है। लगातार गैरहाजिरी, शासकीय कार्यों में लापरवाही और बार-बार जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं देने पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

जिला पंचायत से जारी आदेश के अनुसार सचिव गोवर्धन मरावी 20 दिसंबर 2024 को जनपद पंचायत बजाग में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में बिना अनुमति अनुपस्थित रहे। इसके चलते ग्राम पंचायत खरगहना में जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा नहीं हो सकी। इस मामले में कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया, लेकिन सचिव की ओर से कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।

इसके बाद 11 फरवरी 2025 को निरीक्षण के दौरान भी सचिव पंचायत कार्यालय से अनुपस्थित पाए गए। यही नहीं, मई 2025 से 50 दिनों से अधिक समय तक लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का समय सीमा में निराकरण नहीं किया गया। इस पर भी नोटिस जारी हुआ, लेकिन सचिव ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया।

सचिव की लगातार अनुपस्थिति और कार्य में रुचि नहीं लेने को लेकर क्षेत्र क्रमांक 08 के जनपद पंचायत सदस्य एवं ग्राम पंचायत खरगहना के सरपंच द्वारा भी जनवरी 2025 में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बजाग को शिकायत पत्र सौंपे गए थे। बावजूद इसके स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

सरपंच द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सचिव 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस समारोह तथा 30 जनवरी 2026 को आयोजित ग्राम सभा में भी उपस्थित नहीं हुए। ग्राम सभा में इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए सचिव को हटाए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

लगातार अनुशासनहीनता, कर्तव्य के प्रति उदासीनता और जवाब प्रस्तुत नहीं करने को मध्यप्रदेश पंचायत सेवा आचरण नियम 1998 के नियम-3 का उल्लंघन मानते हुए जिला पंचायत ने म.प्र. पंचायत सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम 1999 के नियम-4 के तहत सचिव गोवर्धन सिंह मरावी को निलंबित किया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत बजाग निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

इधर सचिव की महीनों की अनुपस्थिति से पंचायत का कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, पेंशन एवं अन्य शासकीय कार्य ठप पड़े थे, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी थी। आक्रोशित ग्रामीणों और पंचों ने पंचायत भवन में च्लापता सचिवज्ञ के पोस्टर तक चस्पा कर दिए थे।

प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत खरगहना में ग्राम रोजगार सहायक जशवंत मानिकपुरी को सचिव का अतिरिक्त प्रभार आगामी आदेश तक सौंपा है। जिला पंचायत की इस कार्रवाई को ग्रामीणों ने राहत भरा कदम बताते हुए लापरवाही के खिलाफ सख्त संदेश करार दिया है।

भूमि विवाद ने छीना आत्मसम्मान, न्याय की आस में दंडवत होते जनसुनवाई में पहुंचा किसान

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। न्याय की आस जब बार-बार टूटने लगे, तो इंसान अपने आत्मसम्मान तक को दांव पर लगाने को मजबूर हो जाता है। कुछ ऐसा ही दृश्य मंगलवार को डिण्डौरी में आयोजित जनसुनवाई में देखने को मिला, जब ग्राम चटुवा के किसान अपनी ही जमीन बचाने की गुहार लेकर अधिकारियों के सामने दंडवत होकर लेट गए। यह दृश्य न सिर्फ एक भूमि विवाद की कहानी कह रहा था, बल्कि ग्रामीण व्यवस्था में भरोसे के टूटने का भी प्रतीक बन गया।

शिकायती पत्र के मुताबिक पीड़ित ग्रामीण उमेश्वर, बलदाऊ और देवकरण का कहना है कि वर्षों से जिस जमीन पर वे खेती कर परिवार का पालन-पोषण करते आ रहे हैं, उसी भूमि को लेकर आज उन्हें दर-दर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने पटवारी हल्का नंबर 61 आसुतोष परस्ते पर अनावेदक चंदन सिंह से सांठ-गांठ कर फर्जी पंचनामा और भ्रामक जांच प्रतिवेदन तैयार करने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार जून 2025 में खसरा नंबर 829/1, 315, 314 और 313 में नक्शा तमील के नाम पर तहसील कार्यालय में उन्हें गुमराह किया गया और बिना सूचना दिए जांच प्रतिवेदन तैयार कर लिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने खसरा नंबर 313, 314, 315, 483, 485 और 579,

कुल लगभग 0.90 हेक्टेयर भूमि के सीमांकन के लिए 3 जून से 15 जून के बीच ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन महीनों बीतने के बाद भी सीमांकन नहीं किया गया। इसके उलट उन्हें दबंगई, धमकी और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि जानबूझकर सीमांकन लंबित रखकर एकतरफा कार्रवाई की जा रही है।

पीड़ितों ने यह भी बताया कि खसरा नंबर 829 में लगभग पांच से छह वर्ष पूर्व नहर (कैनाल) का निर्माण किया गया था, लेकिन आज तक उसका नक्शा राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया गया। इसके बावजूद पटवारी द्वारा कथित तौर पर नहर को नजरअंदाज कर गलत प्रतिवेदन तैयार किया गया और धारा 250 के तहत तहसील न्यायालय से पुलिस बल की मौजूदगी में कब्जा दिलाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जब जमीन का स्वरूप बदला जा चुका है, तब कागजों में सच्चाई छुपाना उनके लिए समझ से परे है।

ग्रामीणों के अनुसार इस भूमि से संबंधित मामला व्यवहार न्यायालय वर्ग-01 डिण्डौरी में प्रकरण क्रमांक 129/2019 के रूप में पहले से विचाराधीन है। इसके बावजूद जून माह में तहसील न्यायालय द्वारा कब्जा दिलाया जाना उन्हें न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े करने को मजबूर कर रहा है। उनका कहना है कि अदालत में मामला लंबित होने के बाद भी की गई कार्रवाई ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया।

पीड़ितों ने आरोप लगाया कि खसरा नंबर 313, 314 और 315 में रास्ता और पक्का नक्शा बनवाने के लिए पटवारी द्वारा अपने ही सगे संबंधियों को पंच बनाकर फर्जी पंचनामा तैयार किया गया, जबकि भूमि स्वामियों की कोई सहमति नहीं ली गई। तहसीलदार के समक्ष अपनी आपत्ति रखने के बावजूद उनकी बातों को अनसुना कर दिया गया, जिससे उनका भरोसा प्रशासन पर और कमजोर हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता निकालने के नियम स्पष्ट हैं, इसके बावजूद केवल उनकी उपजाऊ कृषि भूमि से जबरन रास्ता निकाला जा रहा है, जबकि अनावेदक की वैकल्पिक भूमि शासकीय क्षेत्र और मिडिल स्कूल के पास स्थित है। उनका आरोप है कि गलत प्रतिवेदन के आधार पर उनकी फसल और जमीन को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

जनसुनवाई में दंडवत होते हुए किसान की आंखों में आंसू थे। उनका कहना था कि वे किसान हैं, कानून की भाषा नहीं जानते, लेकिन अपनी जमीन बचाने का हक जरूर जानते हैं। वहीं मामले की की गंभीरता को समझते हुए जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी के मौके तहसीलदार को बुलाकर किसान के सामने ही प्रकरण का निष्पक्ष जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। वहीं अब देखना यह है क्या किसान के समस्या का समाधान हो पाएगा या इसी तरह सिस्टम की लापरवाही का शिकार होता रहेगा।

प्रमोशन में आरक्षण के लिए हर विभाग में बनेगी कमेटी

जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो चुकी है। राज्य सरकार ने स्पष्टीकरण दिया है कि हर विभाग में प्रमोशन के लिए कमेटी बनेगी, लिहाजा सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। राज्य सरकार के जवाब को रिकार्ड में लिया है।

चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा एवं जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने 17 फरवरी को सुनवाई की। जिसमें मध्यप्रदेश सरकार की और से विस्तृत स्पष्टीकरण पेश किया। सरकार की

ओर से बताया कि अब हर विभाग में प्रमोशन की प्रक्रिया के लिए अलग-अलग कमेटियां गठित की जाएंगी। यहीं कमेटियां सुनिश्चित करेंगी कि प्रमोशन में आरक्षण से जुड़े सभी नियमों और प्रावधानों का विधिवत पालन हो। दरअसल, राज्य सरकार की नई प्रमोशन पालिसी को सपाक्स ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अब अंतिम निर्णय कोर्ट के फैसले के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। एमपी के सभी सरकारी कर्मचारियों को कोर्ट के फैसले का इंतजार है।

2002 में लागू हुई थी व्यवस्था

दरअसल, साल 2002 में मध्य प्रदेश सरकार ने पदोन्नति के नियम बनाते हुए प्रमोशन में आरक्षण की व्यवस्था लागू की थी। इसी प्रावधान के चलते आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को पदोन्नति मिलती रही, जबकि अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी पीछे छूट गए। जब इस असंतुलन को लेकर विवाद ने तूल पकड़ा, तो कर्मचारी कोर्ट पहुंचे और उन्होंने प्रमोशन में आरक्षण को समाप्त करने की मांग की।

इसलिए लगी थी प्रमोशन पर रोक

सुनवाई के दौरान कोर्ट में तर्क दिया कि पदोन्नति का लाभ केवल एक ही बार दिया जाना चाहिए (न कि हर स्तर पर)। तर्कों पर विचार करते हुए, मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल 2016 को मप्र लोक सेवा (पदोन्नति) नियम 2002 को अमान्य (खारिज) कर दिया। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के इस निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जहां शीर्ष कोर्ट ने मामले में 'यथास्थिति बनाए रखने' का आदेश दिए। जिसके कारण तब से लेकर अब तक (2016 से) प्रदेश में पदोन्नति पर रोक लगी हुई है।

13 प्रतिष्ठानों पर 4.25 लाख रुपए का जुर्माना

खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने और दूषित खाद्य सामग्री के विक्रय पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा की गई आकस्मिक जांच की कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंदघन करने के दोषी 13 प्रतिष्ठानों पर अपर कलेक्टर न्यायालय ने 4 लाख 25 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया है। अपर कलेक्टर एवं जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत द्वारा पारित इन निर्णयों में नर्मदा रोड, एस स्क्वायर स्थित हीरा स्वीट्स पर बिना अनुज्ञप्ति और मिथ्याछाप बूंदी लड्डू बेचने के आरोप में 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साउथ सिविल लाइन स्थित दीपक डेयरी और नर्मदा रोड, बादशाह हलवाई मंदिर स्थित श्री डेयरी पर अमानक पनीर विक्रय करने के कारण 50-50 हजार रुपये का दंड अधिरोपित किया गया है। इसी प्रकार बड़ा पत्थर रांझी स्थित अलका भण्डार पर मिथ्याछाप मलाई बर्फी का विक्रय करने पर 50 हजार रुपये, इंद्राना रोड मझौली स्थित सुनील कुमार जैन गोदाम पर बिना पंजीयन के कार्य करने के आरोप में 30 हजार रुपये का

जुर्माना लगाया गया है। गल्ला मण्डी निवाडगंज स्थित श्री गणेश अनाज भण्डार पर 25 हजार रुपये, शास्त्री ब्रिज स्थित सिंघई इंटरप्राइजेस पर 20 हजार रुपये और गढ़ा फाटक स्थित राम अनाज भण्डार पर 20 हजार रुपये, साकेतनगर रांझी स्थित स्नैक्स अटैक पर 15 हजार रुपये, लक्ष्मीनारायण मार्केट रांझी स्थित हॉट एन चीप रेस्टोरेंट पर 15 हजार रुपये तथा अंपायर टॉकीज रोड स्थित आदेश आइसक्रीम पर 10 हजार रुपये का दंड निर्धारित किया गया है। साथ ही झामनदास चौक द्वारकानगर स्थित बहरानी फार्मा, कृषि उपज मण्डी स्थित सब्जी विक्रेता अशोक गुप्ता और मुकादमगंज स्थित पारस किराना पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। भर्तीपुर स्थित सुप्रीम प्लास्टिक पर भी 5 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। अभिहित अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा के अनुसार एक माह के भीतर जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर इन संस्थानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए जाएंगे।

करौंदा-कुशनेर सड़क चौड़ीकरण में ठेकेदार कर रहा मनमानी

सड़क निर्माण में बरती जा रही कोताही, हो रहे हादसे

पनागर (स्वतंत्र मत)।

राहगीरों की सुविधा के लिए करौंदा-कुशनेर मार्ग का चौड़ीकरण परेशानी का सबब बन गया है। मसलन मार्ग से गुजरने वाले राहगीर दुर्घटना का शिकार हो रहे है। दरअसल करौंदा से पनागर तक एवं देवरी से कुशनेर पर सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण के दौरान बिछाई जा रही गिट्टी एवं संकेतर नहीं लगाने के कारण हर दिन वाहन चालक हादसे के शिकार हो रहे हैं। साथ ही निर्माण के पूर्व पीडब्लूडी ने मार्ग पर एक बड़ा गड्ढा खोदा दिया है। गड्ढे के समीप आए दिन छोटी-बड़ी सड़क दुर्घटना हो रही है। सुरक्षा कारणों को दरकिनार कर अफसरों ने बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी नहीं की। विडम्बना यह है कि बीते कई दिनों से मार्ग पर गड्ढा कर उसे खुला छोड़ दिया गया है। ठेकेदार की लापरवाही का ठीकरा वाहन चालकों पर फूट रहा है। राहगीरों को कहना है कि रात के वक्त यहां से गुजरने वालों की स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। स्ट्रीट लाईट बंद होने, संकेतक नहीं लगाने और रात के वक्त गिट्टी, मुरम के ढेर सड़क पर डालने

से हादसों में रोजाना इजाफा हो रहा है।

गंभीर दुर्घटनाओं को दे रहे न्यौता

लोंगों की माने तो अधिकारियों द्वारा बरती जा रही कोताही ठेकेदार को मनमानी करने दे रही है। राहगीरों वाहन चालकों के लिए यह मनमानी खतरनाक हो चुकी है। वाहन चालकों का कहना है कि ठेकेदार पूरी तरह से मनमानी कर रहा है। इस कारण गंभीर दुर्घटनाओं को न्यौता दिया जा रहा है। यदि ऐंसा सब चलता रहा, तो किसी दिन कोई बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

यूजीसी इक्विटी बिल 2026 लागू करने अजाक्स ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। म.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ अजाक्स के जिलाध्यक्ष योगेश चौधरी ने बताया है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में यू.जी.सी. इक्विटी बिल 2026 लागू करने की कार्यवाही पर सर्वोच्च न्यायालय ने गत माह रोक लगा दी है। भारत सरकार द्वारा अपना पक्ष दमदारी से न रखने से समता मूलक समाज की स्थापना में मील का पत्थर बनने वाले इस बिल को फिलहाल निस्तेज कर दिया गया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इसके पूर्व 1990 में लागू मंडल आयोग की रिपोर्ट को भी रोक लगा दी थी, जिससे ओ.बी.सी. वर्ग को अपूर्णीय क्षति हुई थी। इस बावत् संसद का विशेष सत्र बुलाकर यू.जी.सी. इक्विटी बिल तत्काल प्रभाव से लागू करने की कार्यवाही किये जाने संघ के अजय सोनकर, राजेन्द्र तेकाम, योगेश चौधरी, धर्मेन्द्र कुकरेले, महेन्द्र चौधरी, राकेश समुन्द्रे, कपिल प्रिंजे, योगीराज इडपाचे, राजकुमार कुमार कुसरे, मनीषा कोल, सुखदेव झारिया, काशीराम धुर्वे, सुभाष खंडारे, शेख लाल आर्मो, कोमल कोरचे, शिव शिव कुमार पटारिया, पवन बरकडे, मुन्ना परस्ते, पवन बावरिया, बालकृष्ण उईके, महेश परस्ते, हिटलर अर्खेल, नेतराम झारिया, रोहित डोंगरे, हरीशचंद्र महोबिया, घनश्याम अहिरवार, दालचंद पासी, मुकेश मेहरा, नरेन्द्र उईके, उदय राज सिंह, राजू मसके, किशोर मरकाम, नन्हे प्रधान, बी. देवराज, सुरेन्द्र महोबिया, विजय बैगा, दिलीप मार्को आदि ने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

सीएमएचओ को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भेंट किए नकली नोट

भ्रष्टाचार के आरोपों पर जिला अस्पताल के बाहर किया प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर में मंगलवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य विभाग में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ जिला अस्पताल के बाहर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें प्रतीकात्मक रूप से नकली नोट और नकली सोने के सिक्के भेंट किए। सपा नेता आशीष मिश्रा ने आरोप लगाया कि जिले का स्वास्थ्य तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। उन्होंने कहा कि अधिकारी वातानुकूलित कमरों में बैठकर अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब जनता बुनियादी इलाज के लिए भटक रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जिले में फर्जी अस्पताल धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं और कई सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर समय पर नहीं पहुंचते। कार्यकर्ताओं ने बरेला में एक प्रसूता की मौत और डिंडोरी में ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों का हवाला देते हुए विभागीय लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की। कुछ पीड़ित मरीज भी मौजूद रहे, जिन्होंने निजी

अस्पतालों पर लापरवाही के आरोप लगाए। शकुन भाई नामक एक पीड़ित ने बताया कि सड़क हादसे के बाद उन्हें एक स्मार्ट सिटी अस्पताल ले जाया गया था, जहां कथित तौर पर तीन दिन तक उनका इलाज नहीं किया गया। शकुन भाई ने आरोप लगाया कि अस्पताल की लापरवाही के चलते उनका पैर काटना पड़ा और अब वे अपाहिज जीवन जीने को मजबूर हैं।

उन्होंने सरकार से न्याय की गुहार लगाई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

प्रशासन लगवाएगा गरीबों के दांत

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए डेटा एकत्र करने के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने सीएमएचओ से कहा कि जो लोग गरीबी रेखा की श्रेणी में आते हैं और जिन्हें कृत्रिम दांत की आवश्यकता है, उनके डेटा एकत्रित कर कृत्रिम दांत लगवाना सुनिश्चित करें। लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक में उन्होने डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, प्रधानमंत्री मानधन योजना, स्वरोजगार योजनाएं, एकल नल-जल योजनाओं के क्रियान्वायन, सड़क पुनर्निर्माण की गुणवत्ता, ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य, सभी पात्र व्यक्तियों की केसीसी, स्कूली बच्चों की समग्र आईडी बनाने, नवीन शैक्षणिक सत्र में नामांकन में वृद्धि एवं ड्रॉपआउट बच्चों में कमी लाने की कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ ही

छात्रावासों में छात्र संसद का गठन, सांदीपनि विद्यालयों में समीपस्थ स्कूलों को मर्ज करने व सांदीपनि विद्यालयों में बसों की स्थिति, नि:शुल्क पुस्तक वितरण व उनकी एंट्री, पोषण आहार व स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग, एएनसी पंजीयन, मातृ वंदना योजना, बालिका शौचालय, रोजगार, उद्योग एवं निवेश, राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने व सड़क सुरक्षा के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने एट्रोसिटी एक्ट अंतर्गत राहत वितरण तथा सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित कर अपेक्षित प्रगति लाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आंगनवाड़ी, छात्रावास, अस्पताल और शासकीय कार्यालयों में स्थित पानी की टंकियों की साफ-सफाई कराएं और टंकियों पर आखिरी सफाई की तारीख भी अंकित करें। उन्होंने शासन द्वारा संधारित कराने के लिए मंदिरों के संबंध में भी आवश्यक जानकारी ली और मंदिर के भूमि के उपयोग के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये।

किसानों को पांच रूपये में मिलने वाले विद्युत कनेक्शन के संबंध में भी चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक युगान्तरकारी कदमः डॉ. वर्मा

साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारतीय शिक्षा प्रणाली के इतिहास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक युगान्तरकारी कदम है। इस नीति विद्याथिर्थी को केवल डिग्री प्रदान नहीं करती बल्कि इसका उद्देश्य शिक्षा में व्यापक लचीलापन लाना, बहुविषयक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना, कौशल विकास तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करना है ताकि हम पुन: विश्वगुरु के रूप में स्थापित हो सके। उक्ताशय के विचार रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने साइंस कॉलेज में आई. क्यू.ए.सी. द्वारा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की खोज- राष्ट्रीय शिक्षा

नीति 2020 के संदर्भ में नवोन्मेषी पद्धतियों का उपयोग विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. शिखा सक्सेना ने नई शिक्षा नीति 2020 के उन प्रावधानों को बताया जिनसे विद्यार्थी लाभान्वित हो सकते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. के. श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण करते हुये राष्ट्रीय सेमिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। संयोजक डॉ. ज्योति श्रीवास्तव ने सेमिनार की विषयवस्तु तथा रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र के प्रथम सत्र में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के पूर्व कुलपति डॉ. अखिलेश पांडे ने अपनी गौरवशाली सनातनी परंपरा के ज्ञान भंडार की विशेषताएँ बताई। अपने रसायन, वास्तुशास्त्र, गणित, अंतरिक्ष तथा खगोल विज्ञान में भारतीय मनीषियों के समृद्ध ज्ञान भंडार का उल्लेख करते हुये कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित होना आवश्यक है। देश के अनेक महाविद्यालयों पर नवाचार पद्धतियों से शोधार्थियों तथा प्राध्यापकों को अवगत कराया। द्वितीय आमंत्रित वक्ता खैरागढ़ विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के प्राध्यापक राजन मिश्र ने नई शिक्षा नीति में राजभाषा हिन्दी तथा क्षेत्रीय भाषाओं तथा सांस्कृतियों के विकास संयोजक के महत्व को बताते हुये अपने विचार रखे। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर 40 शोध पत्रों का वाचन तथा 21 पोस्टर प्रदर्शन शिक्षकों, शोधार्थियों तथा प्रतिभागियों द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में महाकौशल, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेक राज्यों के 400 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण कराया गया है।

व्यवसायियों के स्वास्थ्य को नई दिशा देगा निरामय

तनाव रहित जीवन जीने की कला पर कार्यशाला 1 मार्च को

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

वर्तमान समय में उद्योग व्यापार जगत से जुड़े अधिकांश व्यवसायी बंधु तनाव ग्रस्त जीवन जी रहे हैं जिससे वे लंबी अवधि में विभिन्न रोगों से जाने अनजाने ग्रस्त हो जाते हैं। जबलपुर के करदाताओं में दीर्घायु जीवन, उत्तम स्वास्थ्य एवं तनाव रहित जीवन को जीने की कला पर एक अद्भुत कार्यशाला निरामय का आयोजन शहीद स्मारक में 1 मार्च रविवार को किया जा रहा है। प्रदेश की शीर्ष उद्योग व्यापार संस्था फेडरेशन आफ मध्य प्रदेश चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री तथा डायवेल कोर फाऊंडेशन जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में व्यापारियों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक एवं सचेत किया जाएगा। फेडरेशन के उपाध्यक्ष हिमांशु खरे ने इस अवसर पर जानकारी दी कि आधुनिक जीवनशैली के परिप्रेक्ष्य में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं आंतरिक प्रसन्नता का समन्वय आज समय की आवश्यकता बन गया है। सभी वर्गों के व्यक्ति आज बढ़ते हुए तनाव से जूझ रहे हैं। इसी उद्देश्य से निरामय का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रख्यात

विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य संवर्धन, तनाव प्रबंधन एवं संतुलित जीवनशैली से संबंधित चिकित्सक एवं विशेषज्ञ व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। आज स्वास्थ्य को लेकर विभिन्न भ्रांतियां सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी प्रचारित की जाती है जिसकी कोई प्रामाणिकता नहीं होती है तथा यह देखने में आया है कि अक्सर हम गलत जानकारी का शिकार भी बनते हैं। व्यापारी के लिए स्वयं के लिए समय निकालना कठिन होता है तथा स्वास्थ्य संतुलन के प्रति उसकी प्राथमिकता कम होती है। स्वास्थ्य संतुलन तथा वैलनेस पर आधारित उक्त कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा उत्तम स्वास्थ्य की पद्धति पर प्रकाश डाला जाएगा।

अपनी तरह का पहला आयोजन

इस अवसर पर डायवेल कोर फाउंडेशन के अध्यक्ष सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर परिमल स्वामी ने बताया कि जबलपुर में अपनी तरह का यह पहला आयोजन है जिसमें स्वस्थ जीवन जीने की कला एवं पद्धतियों को आसान तकनीक एवं तरीकों से जनमानस को समझाया जाएगा।

उन्होंने बताया की रिवर्सल आफ हार्ट डिसीज़ पर सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर योगेश मेहता भी मुंबई से इस कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे जो उपस्थित व्यापारियों के प्रश्नों का जवाब देंगे तथा उनकी भ्रांतियां को भी दूर करेंगे। डॉ स्वामी ने बताया की कार्यक्रम में वीडियो एवं लाइव प्रस्तुतीकरण से सभी को आधुनिक स्वास्थ्य के आसान तरीकों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा जिसका की दीर्घकालीन लाभ सभी को प्राप्त हो सकेगा।

बहु उपयोगी महत्वपूर्ण आयोजन

बैठक में उपस्थित हिमांशु राय, गीता शरत तिवारी, इंद्र कुमार खन्ना, सुनील श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, सीए मनीष कौशल ने बताया कि व्यापारियों के अलावा विभिन्न प्रोफेशनल व्यक्ति जैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट, टैक्स विशेषज्ञ, अधिवक्ता, डॉक्टर आदि भी इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर दीपक सेठी, मनु शरत तिवारी, मुनींद्र मिश्रा, नीता नारंग, अंजना तिवारी, अभिषेक जैन, मनीष केसरी, विनोद शर्मा, डॉक्टर पीपरा, सुनील पांडेय, मज़हर खान आदि ने सभी व्यवसायियों से आग्रह किया है की वह निरामय के बहु उपयोगी महत्वपूर्ण आयोजन में भाग लेकर अपने जीवन को नई दिशा प्रदान करें।

14 करदाताओं के विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर की बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों को निरंतर बनाए रखने के लिए नगर निगम इन दिनों वसूली को लेकर एक्शन मोड में है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में निगम का पूरा राजस्व अमला मैदान में उतरकर बकाया करों की वसूली सुनिश्चित कर रहा है। वसूली अभियान के संबंध में निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य न केवल राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करना है, बल्कि ईमानदार करदाताओं के सहयोग से शहर के

सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं को बेहतर बनाना भी है। अभियान के दौरान आज मुख्यालय सहित दमोहनाका, भानतलैया, राँझी और सुहागी संभागों में 14 करदाताओं के विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई की गई। करदाताओं ने निगम की अपील को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही चेक के माध्यम से भुगतान किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO-871 DATE 18/2/2026 2026_UAD_482000_1	पं.मदन मोहन मालवीय वार्ड स्थित राजू घसिया टिल्लू भैया सुशील भैया रितु सोनकर अभिनाष निवास के पास नाली एवं सीसी रोड निर्माण कार्य।	3 माह 9.46 लाख	2000/- 9465/-	5/3/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर निगम जबलपुर

आबकारी उपनिरीक्षक के आगे प्रशासन नतमस्तक
7 महीने से बिना जॉइनिंग के ही मिल रहा वेतन, भत्ता!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

एक आबकारी उपनिरीक्षक की जिद के आगे प्रशासन असहाय नजर आ रहा है और ऐसी जिद की मानपुर से हटते ही उपनिरीक्षक ने नये स्थान पर ज्वाइन ही नहीं किया और कलेक्टर के आदेश को ही मानने से इंकार कर दिया..! कलेक्टर द्वारा कई पत्र दिए गए लेकिन जिद वही..!

कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित कर दिनांक 02.07.2025 को आदेश क्रमांकध्339725ध्2025 कार्य विभाजन कर पिंकी हिन्दुजा आबकारी उपनिरीक्षक को वृत्त् मानपुर से वृत्त2 नौरोजाबाद किया गया। परन्तु आज दिनांक तक आपके द्वारा आपके कार्यस्थल् पर ज्वाईनिंग नही की गई। ना ही जिला आबकारी कार्यालय उमरिया मे आपके द्वारा सेवाएं दी जा रही है। इन 7 माहो मे आपके द्वारा न ही अपने मूल कार्यस्थल पर

ना ही जिला कार्यालय दोनो जगह उपस्थिती नही दी गई। आपके द्वारा बिना सेवाएं दिये ही 7 माह की वेतन प्राप्ति की गई। किस आधार पर आपने बिना सेवा के वेतन प्राप्त्थ किया। वही 26 नवंबर को कलेक्टर द्वारा पत्र जारी किया गया था जिसमे उल्लेख है कि आबकारी उपनिरीक्षक सुश्री पिंकी हिंदुजा की पदस्थापना वृत्त मानपुर से वृत्त नौरोजाबाद किया गया था, किन्तु आपके द्वारा नवीन पदस्थापना पर प्रभार लेकर आज दिनांक तक सूचित नहीं किया गया, और न ही आपकी उपस्थिति जिला कार्यालय में होती है। संदर्भित पत्र के माध्यम से आपको ड्यूटी आदेशित की गई थी, जिसमे आपकी अनुपस्थिति अत्यंत गंभीर एवं आपत्तिजनक है। आपका उक्त कृत्य वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशोंध्आदेशो की अवहेलना करना अपने पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही, उदासीनता, स्वच्छाचारिता, कर्तव्यविमुखता का परिचायक है जो म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम तीन के विपरीत होकर कदाचरण की श्रेणी में आता है। उक्त के संबंध में आप अपना स्पष्टीकरण अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित होकर 05 दिवस के भीतर पी-2 डायरीध्दैनंदिनी के साथ प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। जवाब प्रस्तुत न करने की स्थिति में आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। और कार्यवाही न होकर समझौता हो गया..! वही. कार्यालय प्रमुख के द्वारा अगर आपको जिला आबकारी कार्यालय उमरिया मे अटैच किया गया तो आप किसी भी दिन कार्यालय मे उपस्थित नही पाये जाते न ही कलेक्टर महोदय की समय सीमा बैठक, जनसुनवाई आदि मे आप उपस्थित नही रहते है। वही सूत्रों ने बताया कि नौकरी न करने और वेतन भत्ते निकालने के एवज में एक हिस्सा एक बहुत बड़े अधिकारी को दिया जा रहा है जो कि चिंतनीय और निदनीय दोनों है..! विभाग के द्वारा आपको फील्ड करने के लिये वाहन प्रदाय किया गया जो बिना चले ही प्रतिमाह देयक एवं डीजल बिना आपके फील्ड मे गये ही फर्जी तरीके से निकाला जा रहा है, जो शासन की राशि को बंदरबाट किया जा रहा है..!

तालाब के किनारे मिले आधार एवं बैंक कागजात के मामले में शहडोल की टीम पहुंची उमरिया

उमरिया (स्वतंत्रमत)

तालाब के किनारे लावारिस हालत में हजारों आधार कार्ड और बैंक के कागजात मिलने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। इस लापरवाही की जांच करने के लिए मंगलवार 17 फरवरी को शहडोल संभाग के डाक अधीक्षक महेंद्र सिंह खुद मंगलवार को उमरिया पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। यह मामला 14 फरवरी को सामने आया था, जब शहर के वार्ड नंबर 19 में तालाब के पास आधार कार्ड, बैंक की डाक और अन्य जरूरी कागजात लावारिस पड़े मिले थे। कोतवाली पुलिस ने इन दस्तावेजों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की थी। इतनी बड़ी तादाद में लोगों के निजी दस्तावेज फेंके जाने से डाक विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े

हो गए थे। घटनास्थल का मुआयना करने और पुलिस से जानकारी लेने के बाद डाक अधीक्षक महेंद्र सिंह ने इसे लापरवाही बताया है। उन्होंने साफ कहा कि लोगों की डाक को इस तरह खुले में फेंकना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग अब इन दस्तावेजों पर लिखे नंबरों के जरिए यह पता लगा रहा है कि ये डाक किस कर्मचारी को बांटने के लिए दी गई थी। डाक अधीक्षक ने भरोसा दिलाया है कि विभाग ने अपनी आंतरिक जांच शुरू कर दी है। जैसे ही दोषी कर्मचारियों की पहचान होगी, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस और डाक विभाग मिलकर सभी तथ्यों की जांच कर रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न हो।

जिले से कृषकों का दल राज्य के अंदर भ्रमण के लिए रवाना

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मंगलवार 17 फरवरी को एमआईडीएच के घटक कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण राज्य के अंदर वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले से कृषको का दल रवाना हुआ। भ्रमण रथ को कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सहायक संचालक उद्यान ने बताया कि 17 फरवरी किसानों का दल उमरिया से प्रस्थान कर शहपुरा करौदी नर्सरी जिला डिंडौरी का भ्रमण करते हुए जबलपुर के जेएनकेव्हीव्ही में रात्रि विश्राम किया। इसी तरह 18 फरवरी को केव्हीके जबलपुर में प्रशिक्षण एवं भ्रमण,19 फरवरी को पशु शाला भ्रमण एवं जैविक खेती प्रशिक्षण जेएनकेव्हीव्हीं में तथा इसी दिन किसानों का दल जबलपुर से उमरिया के लिए प्रस्थान करेगा।

पुलिस अधीक्षक ने किया तीन आरोपियों पर नौ हजार रुपए का ईनाम घोषित

उमरिया

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने थाना इंदवार के अपराध क्रमांक 209/2020 धारा 294,323,506,307, 34 भादावि एवं 25/27 आर्म्स एक्ट के आरोपी रोहित उर्फ शनि उपाध्याय पिता आदिचरण उपाध्याय उम्र 27 साल निवासी वार्ड क्रमांक 12 लल्लूपुरा प्रयागराज उप्र, अभिषेक उपाध्याय निवासी प्रयागराज तथा आशीष ठाकुर निवासी जबलपुर मप्र पर 3-3 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है। ईनाम वितरण के संबंध में पुलिस अधीक्षक जिला उमरिया का अंतिम निर्णय होगा।

दिनदहाड़े स्टेट बैंक के सामने कार का शीशा तोड़ 40 हजार पार

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मुख्यालय के स्टेशन रोड पर स्थित स्टेट बैंक के मेन ब्रांच के सामने सोमवार 16 फरवरी को दोपहर दिनदहाड़े बदमाशों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दे दिया। अज्ञात आरोपियों ने एक कार का शीशा तोड़कर उसमें रखी करीब 40 हजार रुपये की नगदी पार कर दी और मौके से फरार हो गए।जानकारी के अनुसार, राइस मिल संचालक राजेश गुप्ता निवासी चंदवार अपनी कार बैंक के सामने खड़ी कर किसी कार्य से बैंक के अंदर गए थे।इसी दौरान रैकी कर रहे बदमाशों ने मौके का फायदा उठाते हुए कार का शीशा तोड़ा और अंदर रखी नगदी लेकर फरार हो गए।घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया।पीड़ित ने मामले की सूचना तत्काल कोतवाली पुलिस को दी। दिनदहाड़े हुई इस वारदात को गंभीरता से लेते हुए पुलिस एक्टिव मोड में आ गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा संदिग्धों की तलाश तेज कर दी गई है।व्यस्तम मार्ग में इस तरह की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

न्यायाधीश ने किया जिला जेल का निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मंगलवार 17 फरवरी को माननीय न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोहन डावर, द्वारा जेल का निरीक्षण किया गया। मौसमी बीमार कैदियों का जेल अस्पताल में उपचार डाक्टर द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के अवसर पर जेल अधीक्षक डी.के. सारस तथा जेल चिकित्सक डॉ0 एस.के. जैन तथा जेलर / उप अधीक्षक माखन सिंह मार्को, ड्यूटीरत प्रमुख मुख्य प्रहरी शिवशंकर कोल एवं प्रहरी एवं जेल के सभी अधिकारी/कर्मचारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सुजीत महोबिया उपस्थित रहे।

जिले के दस कृषकों को अनुसंधान केंद्र बनारस उप्र के लिए किया गया रवाना

उमरिया (स्वतंत्रमत)। केंद्र शासित योजना अंतर्गत एमआईडीएच के घटक कृशक प्रशिक्षण सह तीन दिवसीय भ्रमण पर सोमवार 16 फरवरी को भारतीय सब्जी अनुसंधान केंद्र वणारसी बनारस उत्तरप्रदेश के लिए जिले के 10 कृशको को सब्जी की उन्नत खेती एवं नवीन तकनीकी प्रशिक्षण के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर कृशको के रथ को सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी सहित उद्यानिकी विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में युवा संगम रोजगार मेला 20 फरवरी को

उमरिया । जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में 20 फरवरी को सुबह 11 बजे से रोजगार मेला आयोजित किया गया है। मेले में रावया फ्रोर्स प्राइवेट लिमिटेड,निपुन मल्टी सर्विसेज हिरिंग,श्रीराम फाइनेंस उमरिया,एसबीआई इंशोरेंस उमरिया,प्रथम एजुकेशन जबलपुर,वर्धमान मंडीदीप भोपाल, एलआईसी उमरिया, टीएसपीएल ग्रुप पुणे, परफेक्ट सलूशन सर्विसेज अहमदाबाद,ट्रिटन ग्रुप बरनाला बुधनी तथा आरएसडब्ल्यूएम लिमाईट भीलवाडा की कंपनी भाग लेगी।

ईडब्ल्यूएस बनवाये जाने की गई मांग

उमरिया। मंगलवार 17 फरवरी को जनसुनवाई में शिवम् चतुर्वेदी पिता सूर्यकान्त चतुर्वेदी निवासी ग्राम महरोई तहसील मानपुर ने कहा कि मेरे द्वारा अपनी बहन भूमिका चतुर्वेदी पिता सूर्यकान्त चतुर्वेदी का ईडब्ल्यूएस बनवाने के लिए तहसीलदार मानपुर के समक्ष आवेदन किया गया था। पिता के पास सम्मिलित खाते में 8 एकड़ भूमि है जो की शामिल खाता है जिसमे 4 सदस्य का नाम जुड़ा है। पिता के पास 2 एकड भूमि होती है। जो की ईडब्ल्यूएस की श्रेणी में आते है। परन्तु तहसीलदार मानपुर के द्वारा ईडब्ल्यूएस नहीं बनाया जा रहा है कहा जा रहा है की आपके पास 5 एकड़ के अधिक की भूमि है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में जिला/चार्ज स्तर के अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मंगलवार 17 फरवरी को कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में जनगणना 2027 के संबंध में जिला, चार्ज स्तर के अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में डिजिटल माध्यम से जनगणना से बेहतर गुणवत्ता वाले डाटा, द्रुत गति से डेटा की प्रोसेसिंग, पर्यावरण के अनुकूल,बड़े साइज की अनुसूचियों एवं अन्य प्रपत्रों से मुक्ति के लाभ, जनगणना के आंकड़ों का उपयोग लोगो के लाभ के लिए कल्याणकारी योजना बनाना,संसद,विधानसभाओं और स्थानीय निकायों की सीटो का सीमांकन करना, आवास, बुनियादी सुविधाओं और सार्वजनिक सेवाओं से संबंधित नीतियों का निर्माण, जनगणना के पहले चरण में मकान सूची करण एवं मकानो की गणना, जनगणना के व्दितीय चरण में जनसंख्या की गणना, जनगणना 2027 मे स्व गणना का विकल्प, डेटा संग्रहण और जांच की प्रक्रिया, प्रशासनिक अधिकारियो के विशिष्ट कार्यो को जनगणना नियम 1990 में कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। प्रमुख जनगणना अधिकारी पीसीओ, जिला अतिरिक्त जिला,अनुविभागीय जनगणना अधिकारी,चार्ज अधिकारी सीओ कि जानकारी दी गई। प्रगणक व्दारा घर घर जाकर स्वयं के मोबाइल फोन मे ऐप के माध्यम से जानकारी एकत्र करना, स्व गणना व्दारा भरे हुए आकडों को प्रगणको व्दारा घर घर जाकर सत्यापन करना, प्रगणक और पर्यवेक्षक,कार्य

प्रवाह, प्रगणको के मुख्य कर्तव्य, मकानसूचीकरण और मकानो की गणना की बुनियादी अवधारणाओ और परिभाषाओ को समझने, भवन नंबरिंग की विधि, एच एल ओ के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्नो को समझाने कि जानकारी दी गई। इसी तरह जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली का प्रशिक्षण देते हुए जनगणना गतिविधियो का प्रबंधन और निगरानी करने,जनगणना पदाधिकारियो का,उनकी भूमिका, पोर्टल पर पंजीकरण, राष्ट्रीय ट्रेनर्स, मास्टर ट्रेनर्स, फील्ड ट्रेनर्स, प्रगणको तथा पर्यवेक्षको के प्रशिक्षण, सीएमएमएस के माड्यूल, यूजर मैनेजमेंट, यूजरो की प्रमुख जिम्मेदारियां, यूजर्स नामकरण कि जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि जनगणना किसी देश में एक निश्चित समय पर प्रत्येक परिवार एवं प्रत्येक व्यक्ति की आधिकारिक, पूर्ण गणना है, जिसमें उनके जन सांख्यिकी, आर्थिक एवं सामाजिक आंकड़े शामिल होते हैं। जनगणना के सफल संचालन में प्रमुख जनगणना अधिकारी का दायित्व अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।प्रमुख जनगणना अधिकारी की प्रतिबद्धता,नेतृत्व और सक्रिय भूमिका के फलस्वरूप जनगणना के आँकड़े उच्च गुणवत्ता और निर्धारित समय सीमा में एकत्रित हो पाते हैं।

अकोला में गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर डम्पर जब्त

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 17 फरवरी को खनिज अमले ने किरनापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम अकोला में औचक जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान एक डम्पर वाहन क्रमांक एमपी 50 जी 7731 को खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उक्त वाहन को मौके पर ही जब्त कर पुलिस थाना किरनापुर की अभिरक्षा में रखा गया। उपसंचालक खनिज सुश्री फरहज जहां ने बताया कि गिट्टी का अवैध परिवहन मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 का स्पष्ट उल्लंघन है।

कक्षा 10वीं की छात्रा बनी मां जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ्य

15 वर्ष की बालिका ने बालक को दिया जन्म, लांजी थाना क्षेत्र का मामला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बालाघाट जिले में 13 वर्षीय छात्रा गर्भवती होने और मां बनने का मामला थमा ही नहीं था कि एक और मामला लांजी थाना क्षेत्र से सामने आया हैं, जहां 15 वर्ष की नाबालिक बालिका मां बन गई। नवजात शिशु को बालाघाट जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर के आईसीयू में भर्ती किया गया है, पीड़ित छात्रा कक्षा 10 वीं की पढ़ाई कर रहीं हैं। परिजनों ने आरोपी पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

इधर, महिला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया हैं।

जानकारी अनुसार, परिजनों की माने तो पीड़ित बालिका को अपने बड़े भाई के सहयोग से घर में छोड़ कर मजदूरी करने के लिए माता-पिता हैदराबाद गए हुए थे, पीड़ित बालिका घर में अकेली रहकर कक्षा 10 वीं पढ़ाई करने गांव से शासकिय हाईस्कूल घोटी में पढ़ती हैं। परिजनों ने बताया कि रबी धान का पराह लगाने के लिए जब हम घर पहुंचे तो गत शनिवार 14 फरवरी की सुबह-सुबह बालिका को दर्द अधिक होने लगा तभी पीड़िता बालिका को उपचार के लिए माता-पिता ने मोटरसाईकिल से लेकर लांजी अस्पताल के लिए जा रहे थे, तो रास्ते में ही बालिका ने एक बच्चे (लड़का) को जन्म दे दिया। पिता ने हिम्मत जताई और 108 एम्बुलेंस को कॉल कर जानकारी दी। मौके पहुंची एम्बुलेंस की सहायता से पीड़िता को लांजी में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने देख कर पीड़िता बालिका और नवजात शिशु को तत्काल जिला अस्पताल रिफर कर दिये। जहां जिला

अस्पताल की आईसीयु में नवजात शिशु को भर्ती कराया गया है जो स्वस्थ्य बताया जा रहा है। वहीं पीड़ित बालिका भी स्वस्थ्य हैं। ग्राम घोटी के हाई सेकेण्डरी स्कूल से कक्षा 10वी की पढ़ाई कर रही पीड़िता माता-पिता की इकलौती संतान हैं। करीबन 01 वर्ष से आरोपित युवक को पहंचानती हैं। परिजनों की माने तो युवक की बहन, पीड़िता की सहेली थीं, जो युवक से पहचान बनी और फिर युवक ने पीड़िता से फोन पर बाते होने लगीं, फिर युवक ने अपने घर पीड़िता बालिका को ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया, इसके बाद कई बार स्कूल के पीछे भी घटना को अंजाम दिया और बालिका गर्भवती हो गई। डर के वजह से बालिका ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को नहीं दी।

महिला पुलिस ने किया मामला दर्ज...

15 फरवरी को पुलिस अस्पताल चौकी से मिली जानकारी के बाद महिला थाना पुलिस को 15 वर्षीय नाबालिका ने बताया कि घोटी निवासी के द्वारा जबरदस्ती गलत काम करना, जिससे गर्भवती होकर नवजात शिशु (बालक) को जन्म देना बतायी है जो आरोपी पर प्रथम दृष्टया धारा 64(2)द्व, 65(1), 137(2), 96 बीएनएस, 3(ए)/4, 51/6, 5/6 पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच के लिए लांजी थाना पुलिस को स्थानांतरण किया गया हैं।

आरोपी पर कार्यवाही की मांग...

पीड़ित बालिका के परिजनों ने कहा हैं कि हमारी बच्ची की जिंदगी बरबाद कर दीं, वह ना समक्ष थीं वह 15 साल की हैं, लेकिन घोटे के रहने वाले युवक ने उसके साथ बहुत ही गलत कार्य किया हैं, आज बच्चीं मां बन गई है। उसकी सहेली का भाई युवक आरोपी हैं। पुलिस और जिला प्रशासन से मांग हैं कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा होनी चाहिए।

इनका कहना हैं

जिला अस्पताल पुलिस चौंकी से मिली तहरीर के पश्चात पीड़ित बालिका के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लांजी पुलिस को भेज दिया गया है। आगे की कार्यवाही लांजी पुलिस के द्वारा की जायेगी।

किरण वटके, उपनिरीक्षक महिला थाना प्रभारी

महिला थाना से एक प्रकरण पहुंचा हैं, जो एक छात्रा के मां बनाने का मामला है। इस मामले में अपराध पंजीबद्ध हैं, मामले की विवेचना की जा रहीं है, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जायेगा।

दीप सिंह परमामर, थाना प्रभारी लांजी

विधायक अनुभा मुंजारे ने उठाये नक्सलमुक्त होने को लेकर सवाल

कहा ऐसी कौन-सी जादू की छड़ी है जिसने नक्सल विचारधारा को समाप्त कर दिया

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने मध्यप्रदेश सहित बालाघाट को नक्सल मुक्त घोषित किये जाने को लेकर सवाल उठाते हुये कहा कि ऐसी कौन-सी जादू की छड़ी है जिसने नक्सलवाद को खत्म कर दिया। उन्होने कहा कि नक्सलवाद एक विचारधारा है और यह विचारधारा क्यों आयी सरकार ने इसके संबंध में कोई कार्य नहीं किया। बल्कि देश के गृहमंत्री के नजर में अपना प्रभाव बड़ाने के लिये लक्ष्य समय के पूर्व ही जनवरी महीने में नक्सलमुक्त घोषित कर दिया गया। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि वह बंदूक व हिंसा का कतई समर्थन नहीं करती है लेकिन नक्सलवाद के कारण की ओर जाने की जरूरत हैं। बालाघाट जिले के दक्षिण बैहर, बिरसा व परसवाड़ा, लांजी, किरनापुर क्षेत्र में कई मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता हैं। सड़क, बिजली व पानी सहित स्वास्थ्य सेवा नहीं है या फिर उनसे वहां के आदिवासी व बैगा परिवार वंचित हैं। रोजगार के अभाव में वे पलायन कर रहे हैं। इसे सरकार ने दूर नहीं किया हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने प्रदेश के विधानसभा सत्र के दौरान यह बाते रखते हुये कहा कि नक्सलियों का मारने के नाम पर फर्जी मुठभेड़ की गई है। जिसकी जांच होने चाहिए। पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ कर आदिवासियों को मार दिया। जिनके नाम पर पुलिस ने मेडल व पदोन्नति प्राप्त कर ली। लेकिन जिन्हे मारा गया उनको व उनके परिवार को न्याय कहां मिला है? अब इसकी जांच कौन करेगा। सही में जांच हो जाये तो इन मुठभेड़ की हकीकत सामने आ जायेगी। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि जिले में आदिवासीयों व बैगा परिवारों को प्रताड़ित किया जाता हैं। पुलिस का खौफ उन क्षेत्रों में जारी हैं। उनके बीच जाओं तो वे अपनी बातें नहीं रख पाते हैं। ऐसे सीधे लोग है जहां पर पुलिस की मनमानी चल रही हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि प्रदेश की मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की सरकार ने अपनी वाहवाही बटोरने के लिये ही नक्सल मुक्त करने की घोषणा की हैं। सरकार इतनी ही गंभीर है तो वह यहां पर हुई मुठभेड़ की निष्पक्ष जांच कराये। जिन आदिवासियों को मार दिया गया था मुठभेड़ के नाम पर उसकी जांच कराये और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करें तब तो समझा जायेगा कि सही में सरकार आदिवासियों के हितैषी हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद पाली जिला - उमरिया (म.प्र.)

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत सप्लायरों/फर्म से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://gem.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	बिड क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	BID NO: GEM/2026/B/7245273 Date 16/02/2026	LED Luminaire for Road and Street Lights	1-15 दिवस 2-10.00 लाख	2-10000.00	03/03/2026

नोट-1. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https//gem.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद पाली, जिला उमरिया (म.प्र.)

घंटों कलेक्टर का इंतजार करते रहे रेलवे आंदोलनकारी, जब ज्ञापन लेने नहीं आए तो आक्रोशित होकर नर्मदा जी में बहाया

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मण्डला लोकसभा क्षेत्र स्थित एकमात्र रेलवे स्टेशन मण्डला फोर्ट रेलवे स्टेशन की बदहाल स्थिति और लंबी दूरी की ट्रेनों के अभाव को लेकर मंगलवार को जनाक्रोश खुलकर सामने आया राष्ट्रीय रेलवे संघर्ष समिति के बैनर तले कलेक्ट्रेट रोड पर एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी, विद्यार्थी, किसान और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। धरना पूरी तरह गांधीवादी और शांतिपूर्ण रहा लेकिन प्रशासन की बेरुखी ने आंदोलनकारियों के आक्रोश को और बढ़ा दिया। प्रदर्शनकारियों ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम विस्तृत ज्ञापन कलेक्टर के माध्यम से सौंपने कोशिश की किंतु एक घंटे से अधिक इंतजार के बावजूद कलेक्टर सामने नहीं आये प्रशासनिक उपेक्षा से आहत नागरिक और जनप्रतिनिधि सीधे माहिष्मती घाट पहुंचे जहां मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर प्रतीकात्मक रूप से ज्ञापन अर्पित किया गया प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब प्रशासन सुनने को तैयार नहीं तो अब मां नर्मदा ही सद्बुद्धि दें ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि मण्डला फोर्ट रेलवे स्टेशन की स्थापना वर्ष 1909 में हुई थी। देश में

रेलवे नेटवर्क के 100 वर्ष से अधिक के विकास विद्युती करण ब्रॉडगेज विस्तार और आधुनिकरण के बावजूद यह स्टेशन आज भी अत्यंत पिछड़ी अवस्था में है। वर्तमान में यहां से केवल लगभग 40 किलोमीटर दूर नैनपुर तक ही यात्री रेल सेवा संचालित है जिससे जिले की लाखों की आबादी को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है क्षेत्रवासियों का कहना है कि रेल संपर्क के अभाव में उन्हें शिक्षा रोजगार व्यापार और इलाज के लिए जबलपुर नागपुर भोपाल अथवा इंदौर जाने सड़क मार्ग पर निर्भर रहना पड़ता है जो समय-साध्य और खर्चीला है। राष्ट्रीय रेलवे संघर्ष समिति ने अपने ज्ञापन में बताया कि इससे पूर्व अनेक बार धरना प्रदर्शन ज्ञापन और प्रतिनिधि मंडल के माध्यम से रेल मंत्रालय रेलवे बोर्ड अध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया गया किंतु आज तक न तो किसी ठोस कार्यवाही की गई और न ही जनता को कोई राहत मिली इसी उपेक्षा और निराशा के चलते क्षेत्र की जनता में गहरा आक्रोश व्याप्त है जिसे सांकेतिक धरने के माध्यम से लोकतांत्रिक तरीके से व्यक्त किया गया ज्ञापन की पहली और प्रमुख मांग यह है कि जुलाई 2025 में इंदौर से नैनपुर तक प्रारंभ की गई पैंचवेली एक्सप्रेस को मण्डला फोर्ट तक विस्तारित किया जाए इससे मण्डला क्षेत्र के व्यापारियों विद्यार्थियों और गंभीर रोगियों को इंदौर जैसे महानगर तक सीधी रेल सुविधा मिल सकेगी समिति का तर्क है कि मण्डला फोर्ट स्टेशन पर रेलगाड़ी को खड़ा रखने उसकी सफाई एवं रखरखाव के लिए पर्याप्त अतिरिक्त रेलवे ट्रैक तथा जल सुविधा उपलब्ध है। अतः इस विस्तार से रेलवे को भी अच्छी राजस्व प्राप्ति होगी। दूसरी प्रमुख मांग शाम के समय मण्डला से नागपुर तक सीधी रेलगाड़ी चलाने की है। इससे महाराष्ट्र से जुड़े विद्यार्थी नौकरीपेशा लोग व्यापारी एवं मरीजों को सीधी सुविधा मिलेगी तीसरी मांग मण्डला से दिल्ली के लिए सीधी रेल सेवा प्रारंभ करने की है। समिति का कहना है कि आदिवासी क्षेत्र को देश की राजधानी से जोड़ना सामाजिक शैक्षणिक और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है ज्ञापन में मण्डला फोर्ट से रायपुर भोपाल और पुणे जैसे प्रमुख शहरों के लिए भी रेल सेवाएं प्रारंभ करने मांग की गई है जिससे क्षेत्र की जनता देश के विभिन्न हिस्सों से सीधे जुड़ सके और व्यापार शिक्षा एवं रोजगार के अवसर बढ़ सके ज्ञापन में पेंड्रा से डिंडौरी मण्डला होते हुए गोटेगांव तक पहले से स्वीकृत सर्वे के अनुसार रेललाइन का शीघ्र निर्माण प्रारंभ करने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त मण्डला से घंसौर की दूरी मात्र 30 किलोमीटर बताते हुए घंसौर तक रेलवे लाइन जोड़ने का प्रस्ताव रखा गया है। इससे लगभग 70 किलोमीटर लंबा बाईपास ट्रैक उपलब्ध होगा जिससे विपरीत दिशा की गाड़ियों को क्रॉस करने में लगने वाला समय बचेगा और परिचालन क्षमता बढ़ेगी समिति ने बिलासपुर पंडरिया डोंगरगढ़ रेल लाइन के निर्माण का उल्लेख करते हुए मांग की कि इसी क्रम में पंडरिया से बिछिया मण्डला फोर्ट घंसौर होते हुए जबलपुर तक रेल लाइन का निर्माण तत्काल प्रारंभ किया जाए यह रेल लाइन मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ तथा देश के उत्तर दक्षिण हिस्सों को जोड़ने में सेतु का कार्य करेगी और व्यापार पर्यटन व कृषि क्षेत्र को व्यापक प्रोत्साहन देगी मण्डला फोर्ट स्टेशन को टर्मिनल स्टेशन बताते हुए यहां ट्रेन वाशिंग एप्रोन फिट लाइन कोचिंग डिपो और स्टेबलिंग लाइन की स्थापना मांग की गई है। ज्ञापन में उल्लेख है कि स्टेशन से मात्र 1 किलोमीटर की दूरी पर नर्मदा नदी बहती है जिससे जल उपलब्धता कोई समस्या नहीं है इन सुविधाओं के विकसित होने से मण्डला से देश के विभिन्न भागों के लिए सीधी यात्री रेलगाड़ियां प्रारंभ की जा सकती हैं। ज्ञापन में बताया गया कि मण्डला फोर्ट रेलवे स्टेशन के समीप लगभग 70 एकड़ रेलवे भूमि उपलब्ध है जहां अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवास एवं विश्रामगृह का निर्माण शीघ्र कराया जाना चाहिए साथ ही यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन परिसर में रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ थाना एवं पर्याप्त स्टाफ की तैनाती मांग भी की गई है धरना प्रदर्शन के अंत में संघर्ष समिति ने आशा व्यक्त की कि रेल मंत्रालय इस बार मण्डला क्षेत्र की जनता की वास्तविक जरूरतों को समझते हुए मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगा और वर्षों से चली आ रही उपेक्षा को समाप्त करेगा

एक्सपोजर विजिट दल रवाना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र सिवनी द्वारा राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान आरजीएसए अंतर्गत राज्य के बाहर एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का दल 17 से 21 फरवरी तक छत्तीसगढ़ राज्य के भ्रमण पर रहेगा एक्सपोजर विजिट में मध्यप्रदेश से कुल 40 प्रतिभागी शामिल हैं जिनमें विभिन्न जिलों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हैं।

जनसुनवाई में सुनी समस्याएं

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला मुख्यालय स्थित जिला योजना भवन में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर ने आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना। इस दौरान जिले के विभिन्न अंचलों से आए 88 आवेदकों ने अपनी शिकायतों और मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए जनसुनवाई के दौरान आवेदकों से संवाद करते हुए कलेक्टर ने आवेदनों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें उन्होंने कहा कि जन समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्रामीण वॉलीबॉल टूर्नामेंट

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम खटोला में पुलिस विभाग हॉकफोर्स के तत्वावधान एवं संपूर्ण मध्यप्रदेश के नक्सल मुक्त होने के उपलक्ष्य में ग्राम स्तरीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया फाइनल मैच में कड़े एवं रोमांचक मुकाबलों के उपरांत मांझीपुर टीम विजेता रही जबकि खटोला टीम उपविजेता घोषित हुई समापन अवसर पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा में युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव हेतु हेलमेट पहनने हेतु प्रेरित किया गया।

पिट्ठू प्रतियोगिता टीम रवाना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित राज्य स्तरीय महिला एवं पुरुष पिट्ठू प्रतियोगिता हेतु जबलपुर संभाग की टीम प्रतियोगिता हेतु रवाना हो गई है रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल गुप्ता, क्रीड़ा अधिकारी डॉक्टर गुलबहार खान,डॉक्टर आशीष चतुर्वेदी, डॉक्टर अनूप परिहार, डॉक्टर नीलेश चौरे,डॉक्टर प्रशांत यादव की गहन निगरानी में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

ग्रामीणों को किया जागरूक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में 15 फरवरी को पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में माइक्रो बीट पुलिस चौपाल आयोजित कर ग्रामीण नागरिकों को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत थाना घुघरी गोरखपुर तथा चौकी टाटरी बरगी, चौकी मनेरी झुरकी, चौकी अंजनिया बनिय एवं चौकी चाबी साहजर क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों द्वारा चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

50 हजार 571 का निराकरण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में चलाये जा रहे संकल्प से समाधान अभियान के पहले चरण में घर-घर संपर्क के दौरान नागरिकों से अभी तक केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित 61 हजार 167 आवेदन प्राप्त हुये हैं और इनमें से 50 हजार 571 का निराकरण किया जा चुका है। निराकृत प्रकरणों में स्वीकृत आवेदनों की संख्या 50 हजार 231 एवं अस्वीकृत किये गये आवेदनों की संख्या 340 है।

खेलो इंडिया एसटी गेम्स में चयन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश के पहलवानों ने एक रजत एवं तीन कांस्य पदक के साथ कुल आठ पहलवानों का चयन खेलो इंडिया एसटी गेम्स 2026 छत्तीसगढ़ के लिए किया गया है जिले के तीन पहलवान मध्यप्रदेश कुश्ती दल में शामिल केडी जाधव कुश्ती स्टेडियम नई दिल्ली में 15 फरवरी को आयोजित खेलो इंडिया अनुसूचित जनजाति कुश्ती ट्रायल में मध्यप्रदेश के पहलवानों ने उत्कृष्ट एवं सराहनीय प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को गौरवान्वित किया महिला वर्ग 53 किग्रा राधिका 5 रैंक क्वालीफाई, 57 किग्रा संजना 7 रैंक क्वालीफाई, 59 किग्रा चांदनी नरेटी कांस्य पदक पुरुष फ्रीस्टाइल 97 किग्रा निखिल गोटिया कांस्य पदक पुरुष ग्रीको रोमन 67 किग्रा हर्षित भलावी 7 रैंक क्वालीफाई,87 किग्रा गोपाल सिंगार कांस्य पदक, 97 किग्रा दिव्यांशु सरवटे 6 रैंक क्वालीफाई, 130 किग्रा शिवा भलावी रजत पदक जिले की 59 किग्रा चांदनी नरेटी कांस्य पदक प्राप्त कर क्वालीफाई की वही हर्षित भलावी नैनपुर एवं दिव्यांशु सरवटे नारायणगंज ने 7 रैंक में स्थान प्राप्त कर क्वालीफाई किया। मध्यप्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ के अध्यक्ष नारायण यादव सचिव सुरेश यादव, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश खत्री, वरिष्ठ उपा ध्यक्ष उमाशंकर पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद विश्वकर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष मंगल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप कुमार कछवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय चौधरी, गोविंद गुर्जर, विकास यादव, जिला खेल अधिकारी विकास खडारकर, कुश्ती संघ अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता, सुमंत उपाध्याय, डॉ प्रदीप कछवाहा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, नगर पालिका उपाध्यक्ष अखिलेश, मंडला जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, चंद्रशेखर सिंधिया, वाजिद खान, महादेव पहलवान, ओम प्रकाश चौकसे, मांगन सोनी, रघुनंदन विश्वकर्मा, सुमित सोनी, दीपक चक्रवर्ती, राजुल ज्योतिषी, दुर्गा व्यायाम शाला अध्यक्ष रतन ठाकुर, बलवीर उईके, गुलाब मरदरिया, किशोर गुप्ता, नरेश सिंधिया, शिवम सिंधिया वासु, सतीश मरकाम, उमेश झरिया, तुषार पहलवान, कुलदीप सिंधिया, महेश सिंधिया एवं योगेश कछवाहा, शिवराज कछवाहा, त्रिलोक चंद्र डोंगरे, करुणा मस्कोले, पंकज उसराठे एवं अन्य कुश्ती प्रेमियों में हर्ष व्याप्त है

मांझीपुर हाईस्कूल में सम्मान समारोह आयोजित

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)

शासकीय हाईस्कूल मांझीपुर में कक्षा 10 के विद्यार्थियों का विदाई समारोह सेवानिवृत्त शिक्षक मंगल दास टांडिया के विदाई सह सम्मान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम उनके मुख्य आतिथ्य तथा शिक्षा समिति अध्यक्ष विष्णु मरावी के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्वलन पूजन अर्चन एवं सरस्वती वंदना से हुई अतिथियों के स्वागत उपरांत छात्राओं ने स्वागत गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ कक्षा 10 के विद्यार्थियों को पिछले दो वर्षों के आंकलन के आधार पर विभिन्न टाइटल प्रदान कर स्मृति चिन्ह भेंट किए गए कक्षा 9 के विद्यार्थियों ने अपने वरिष्ठ साथियों के सम्मान में विचार व्यक्त किए

कक्षा 10 के छात्र निखलेश तेकाम ने कहा कि विद्यालय में प्रवेश से पूर्व उनकी धारणा अलग थी किंतु यहां अध्ययन के दौरान उन्हें अनुभव हुआ कि शिक्षक विद्यार्थियों पर अभिभावकों की तरह ध्यान देते हैं। प्रभारी प्राचार्य कविता विश्वकर्मा ने शिक्षक टांडिया के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि वे उनके जन्म से पूर्व से अध्यापन कार्य कर रहे हैं। शिक्षक राकेश नामदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि 40 वर्षों की सेवा के दौरान श्री टांडिया ने न केवल एक कर्मठ शिक्षक के रूप में बल्कि सामाजिक धार्मिक खेलकूद और रंगमंच जैसे क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। वहीं शिक्षक भुवनलाल श्रीवास ने भी शुभकामनाएं देते हुए टांडिया के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि मंगल दास टांडिया ने सम्मान के लिए विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सदैव विद्यालय के ऋणी रहेंगे और आवश्यकता पड़ने पर सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन हेतु एक हजार रुपये नगद प्रदान किए विद्यालय परिवार की ओर से टांडिया को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने भी विद्यालय को स्मृति प्रतीक प्रदान किया। विद्यालय के शिक्षक अंजुला पटेल, कृष्णा धुर्वे, रजनी झा सहित भूतपूर्व छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्र कुंवर शाह मरावी, विक्रांत तेकाम, अक्षय राजपूत एवं सौरभ तेकाम का योगदान रहा कार्यक्रम का संचालन कविता विश्वकर्मा तथा आभार प्रदर्शन राकेश नामदेव ने किया।

जिला संगठन प्रभारी ने ली कार्यकर्ता बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)

भारतीय जनता पार्टी के जिला संगठन प्रभारी रमेश भटेरे का प्रथम आगमन हुआ। उनके आगमन पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया इसके पश्चात भाजपा कार्यालय में एक परिचात्मक एवं संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई जिसमें जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी के साथ कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने की इस अवसर पर जिला महामंत्री संतोष रजक एवं नरेश चंद्रोल, पूर्व विधायक डॉ. शिवराज शाह, पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र कोकडिया, रोचीराम गुरवानी, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, छाया विधायक डॉ. विजय आनंद मरावी, राजेश पाठक सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला प्रभारी रमेश भटेरे ने अपने संबोधन में संगठन की मजबूती बूथ स्तर तक सक्रियता तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता मेरे लिए परिवार का सदस्य है संगठन की असली ताकत पद नहीं बल्कि समर्पित कार्यकर्ताओं का पसीना और परिश्रम है उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से जनता की सेवा करता है तब ही पार्टी का विस्तार होता है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा का संकल्प लेकर चलने वाला संगठन है उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं तथा आमजन से सतत संवाद बनाए रखने कहा। इस अवसर पर जिले भर के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों में देरी पर नाराज हुए सीईओ

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला पंचायत सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जनपद पंचायतों के सहायक यंत्रियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति और अधोसंरचना कार्यों की गहन समीक्षा की गई बैठक के दौरान सीईओ श्री मीना ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत चल रहे सभी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तय समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। लंबे समय से लंबित या अप्रारंभ आंगनवाड़ी भवनों को तत्काल शुरू कराया जाए। बाल सुलभ शौचालयों के निर्माण में तेजी लाई जाए। समीक्षा के दौरान परियोजना निवास महिला बाल विकास सुलभ शौचालयों की

बड़ी संख्या में अप्रारंभ स्थिति पाए जाने पर सीईओ ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य प्रणाली में सुधार लाने और निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने की हिदायत दी। प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डीएनसी डैशबोर्ड, आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए हितग्राहियों का व्यापक सर्वे किया जाए सभी पात्र हितग्राहियों की आभा और अपार आईडी बनाने का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें अनिवार्य रूप से एनआरसी पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराएं बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, सहायक संचालक, सभी ब्लॉकों के परियोजना अधिकारी और जनपद पंचायतों के सहायक यंत्री मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पुत्र का सीआईएसएफ में चयन, दस्तावेज के लिए चक्कर लगा रहा पिता

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 125 आवेदकों की समस्या

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 17 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये।

तिरोड़ी तहसील के ग्राम चाकाहेटी निवसी रुपसिंह दशमेर शिकायत लेकर आए थे कि उनके पुत्र आकाश का तिरोडी तहसीलदार द्वारा ईडब्लूसी प्रमाणपत्र नही दिया जा रहा है। उसके पुत्र का सीआईएसएफ में चयन हो चुका है। वर्ष 2022-23 एवं 2024-25 में उसका ईडब्लूसी प्रमाण पत्र बन चुका है। लेकिन सीआईएसएफ अधिकारी द्वारा 2026-27 का ईडब्लूसी प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है। प्रमाण पत्र नही मिलने से उसके पुत्र का भविष्य खराब हो सकता है, कलेक्टर से मांग की हैं कि उसे शीघ्र ईडब्लूसी प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया जाए। इस पर कटंगी एसडीएम को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में तिरोडी तहसील के बोनकट्टा निवासी जयरंजन बिंझोड़े मनरेगा कार्य का भुगतान दिलाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि मनरेगा योजना के तहत हरदोली जलाशय के किनारे ग्राम पंचायत हथौड़ा द्वारा ग्रेवल सड़क निर्माण के लिए उनसे करीब 2.5 वर्ष पूर्व कार्य कराया गया था, लेकिन अब तक उन्हें इस कार्य का भुगतान नहीं किया गया है। जयरंजन बिंझोड़े ने बताया कि उन्होंने सरपंच और सचिव से कई बार भुगतान के लिए अनुरोध किया, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने उपयंत्री से भी संपर्क किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरपंच, सचिव और उपयंत्री की मिलीभगत से उनका भुगतान लंबित रखा जा रहा है।जयरंजन बिंझोड़े की इस शिकायत पर जिला पंचायत के मनरेगा परियोजना अधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम चिखला निवासी कुँवरलाल रनगिरे अशासकीय शाला रानी अवन्तिबाई विद्या मंदिर चिखला की मान्यता समाप्त करने की मांग लेकर आये थे। कुंवरलाल का कहना था कि अशासकीय शाला रानी अवन्तिबाई विद्या मंदिर चिखला की अनियमितता की जाँच तीन प्रचार्यो की टीम के द्वारा की जा चुकी है, जिसमे अप्रशिक्षित शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित पाए गए। इसके साथ ही खेल का मैदान भी छोटा पाया गया। शाला में तीन शिक्षण कक्ष योग्य नहीं पाए गए हैं व शाला में छात्राओं की कुल दर्ज संख्या 323 है जबकि आरटीई के अंतर्गत 90 छात्राएं अध्ययनरत होने चाहिए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम करियादण्ड के दिव्यांग दम्पत्ति भूमेश्वरी-भजनलाल शरणागत रोजगार दिलाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि उन्होंने 2017 में विवाह किया है और उनकी एक बेटी भी है। उसके पति पहले ठेला चलाकर जीवन यापन करते थे, लेकिन अब उनकी शारीरिक स्थिति बिगड गई है और वह काम करने में सक्षम नही है। अतः भूमेश्वरी को रोजगार उपलब्ध कराया जाए वह डी-एड एवं एम-ए कर चुकी है। इस प्रकरण में जिला रोजगार अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

संपादकीय

सड़क पर हवाई पट्टी

असम के डिब्रूगढ़ में पूर्वोत्तर की प्रथम आपात हवाई पट्टी पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सी-130 जे विमान से लैंडिंग की तो वह प्रथम विश्व नेता, प्रथम शासनाध्यक्ष बन गए। यह कीर्तिमान बड़ी उपलब्धि है, बहुअर्थी है। हमारे राफेल, सुखोई-30 और तेजस लड़ाकू विमानों ने भी आपात हवाई पट्टी को छुआ और फिर वे उड़ गए। यह 40 मिनट का युद्धाभ्यास वहां से 200 किलोमीटर दूर चीन ने भी देखा होगा और विश्व के कई देश चौकन्ने हुए होंगे! प्रधानमंत्री मोदी ने हवाई पट्टी का औपचारिक उदघाटन किया और वह युद्धाभ्यास के साक्षी भी बने। दुनिया के सर्वप्रथम प्रधानमंत्री की यह लैंडिंग सिर्फ चुनावी, राजनीतिक नेरेटिव ही नहीं है, बल्कि यह युद्धाभ्यास हमारी रक्षा तैयारियों, सामरिक शक्ति, प्रौद्योगिकी सक्षमता और बेशक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच का प्रदर्शन भी है। आत्मनिर्भर भारत की अभिव्यक्ति भी है। यह वायु रक्षा मोर्चेबंदी और आपात हवाई पट्टी इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि युद्ध की शैली बदलती जा रही है। अब दुश्मन सबसे पहले वायुसेना बेस, अड्डों और ठिकानों पर हमले कर दुश्मन देश की वायुसेना को विकलांग करता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने पाकिस्तान के प्रमुख एयरबेसों पर हमले कर उन्हें ध्वस्त कर दिया था। एयरबेसों में गहरे गड्ढे कर दिए थे। बहुत कुछ मिट्टी-मलबा हुआ था। बताया जाता रहा है कि हमारे विमानों ने दुश्मन के 9 एयरबेस, रडार, अवॉक्स सिस्टम आदि ऐसे तबाह किए थे कि वहां से वायुसेना ऑपरेशन को करना और एयरबेस को युद्ध के लिए हमलावर बनाने में लंबा वक्त लगेगा। हालांकि चीन के साथ हमारे संबंध बदल और सुधर रहे हैं, लेकिन चीन एक प्रतिद्वंदी, अविश्वसनीय देश रहा है, लिहाजा भारत में ही सत्ता और सियासत का एक वर्ग उसे 'दुश्मन नंबर वन' मानता रहा है। बहरहाल 4.2 किमी लंबी यह हवाई पट्टी, राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर, 100 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है। इस पर 40 टन के लड़ाकू विमान उतर सकेंगे। यहां से 74 टन के परिवहन विमान भी ऑपरेट किए जा सकेंगे। युद्ध या किसी भी आपात स्थिति में बचाव और सैन्य ऑपरेशन तुरंत संभव हो सकेंगे। उप्र के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर भी आपात हवाई पट्टी बनाई गई थी। वहां भी प्रधानमंत्री ने लैंडिंग की थी। दरअसल ऐसी सामरिक तैयारियां दर्शाती हैं कि भारत में रक्षा उत्पादन और सैन्य रणनीति की दुनिया ही बदल चुकी है। बेशक 2026-27 के बजट में 7.85 लाख करोड़ रुपए रक्षा मंत्रालय को आवंटित करना एक राष्ट्रीय, सालाना औपचारिकता हो सकती है, लेकिन भारत का अपना रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा, जो एक कीर्तिमान है और 2014-15 की तुलना में 174 फीसदी अधिक है। भारत ने 23622 करोड़ रुपए के ब्रह्मोस मिसाइल, डोर्नियर-228 विमान, बुलेटप्रूफ जैकेट, चेतक हेलीकॉप्टर, हल्के टॉरपीडो, इंटरसेप्टर नौकाएं और गोला-बारूद आदि 100 से अधिक देशों को निर्यात किए हैं। अमरीका और फ्रांस सरीखे देश भी हमारे रक्षा-सामान के खरीददार हैं। क्या यह सामरिक रूप से आत्मनिर्भर होते भारत का बिंब नहीं है? युद्धाभ्यास में जिस तेजस लड़ाकू विमान ने भी हिस्सा लिया, वह स्वदेशी, भारतीय विमान है। अब देश में राफेल लड़ाकू विमान के 60 फीसदी कल-पुरजे, उपकरण आदि का निर्माण और उत्पादन भी भारत में ही होगा। यह फ्रांस के साथ 114 राफेल विमानों के नए करार में निहित है, लिहाजा 96 राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। शेष 18 विमान फ्रांस से निर्मित होकर आएंगे। भारत को जहां रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करनी है, वहीं उसे रक्षा निर्यात को भी बढ़ाना है।

न संघर्ष थमेगा न होगा हसीना का प्रत्यर्पण

उमेश चतुर्वेदी

बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उस पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलायेंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी. उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की माँग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की माँग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मो. यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे। बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की माँग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं। लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कट्टर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आईं सरकारें होतीं हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है।

बीएनपी का रूख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख ख़ालिदा जिया के निधन के बाद भारत ने जिस तरह का रुख़ अपनाया, उससे तारिक के मन की गाँठ खुली है। ख़ालिदा के शोक के वक़्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और संभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अंदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है। इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर कांटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी नहीं थी।

खालिदा जिया के निधन के बाद हुई एस जयशंकर की ढाका यात्रा से ही भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है।

हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख़ हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर कह चुके हैं कि हसीना 'खास परिस्थितियों' में भारत आई थीं और वह स्थिति उनके भविष्य को तय करने में बड़ा रोल निभाएगी। कुछ ऐसे ही शब्दों का प्रयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी है। चुनाव आयोग के आधिकारिक नतीजों से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीएनपी की जीत को जनता का भरोसा बताने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है।

चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रहीं हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान। जिसमें सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग हुई है, यानि 52 प्रतिशत लोगो ने मतदान ही नहीं किया। ध्यान देने की बात है कि शेख हसीना को बांग्लादेश के 35 से प्रतिशत लोगों का समर्थन मिलता रहा है। कम मतदान का मतलब है कि हसीना के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार किया। इसके साथ ही केवल 48 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि तारिक रहमान की अगुआई वाले गठबंधन को देश के ज्यादतर लोगों का समर्थन नहीं मिला। गौर करने की बात है कि बीएनपी की अगुआई वाले गठबंधन में पार्टी जमात-ए-इस्लामी, छात्रों की पार्टी एनसीए और जातीय पार्टी शामिल हैं। इसका अर्थ यह है कि बीते चुनाव में बीएनपी को 25 से प्रतिशत मत ही मिले और इतने कम वोट से ही वह सत्ता संभालने जा रही है। इसका संदेश साफ़ है कि हसीना का वोट बैंक खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। इससे अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की उम्मीद तो बनती ही है, बीएनपी के लिए चेतावनी भी है।

आधे से भी कम मतदान के बाद मिली जीत भी वैध नहीं मानी जा सकती। अवामी लीग के ख़िलाफ़ बगावत के बीज उनके आख़िरी चुनाव के दौरान तत्कालीन विपक्षी दलों के चुनाव बहिष्कार से ही पड़ गए थे। कुछ वैसा ही हाल बीएनपी के साथ भी हो सकता है। आधे से भी कम आबादी की वोटिंग आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल का कारण बन सकती है। शेख हसीना भी जानती हैं कि हिंसक प्रदर्शन के बाद हुए चुनाव के बाद आई नई सरकार को करीब तीस प्रतिशत लोगों का ही समर्थन हासिल है। कम मतदान और मौजूदा सरकार का कम आधार आगे चलकर शेख हसीना के लिए संघर्ष का नया बहाना बन सकता है। वे इसे अपने लिए नैतिक जीत बता सकतीं हैं और इस आधार पर अवामी लीग के लिए फिर से सहयोग की व्यापक माँग कर सकती हैं। वैसे भी वे पहले यूनुस सरकार के ख़िलाफ़ लोगों से उठ खड़े होने की अपील कर चुकी हैं। साफ़ है कि बांग्लादेश का न तो संघर्ष ख़त्म होने जा रहा है और न शेख हसीना का प्रत्यर्पण. इस हालात में भारत को संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

'एआई इम्पैक्ट समिट-2026' के नीतिगत-समूहगत वैश्विक मायने

कमलेश पांडे

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में 16-20 फरवरी 2026 को आयोजित एक प्रमुख वैश्विक आयोजन है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार और समावेशी विकास पर केंद्रित है। यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए पहला बड़ा एआई शिखर सम्मेलन है, जो 100+ देशों से 35,000+ प्रतिनिधियों को एकजुट कर रहा है। देखा जाए तो यह समिट इंडियाइ्ड मिशन के तहत आयोजित हो रहा है, जिसमें राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, उद्योग नेता, शोधकर्ता और सिविल सोसाइटी शामिल होंगे। वास्तव में यह आयोजन UK AI Safety Summit, Seoul AI Summit जैसे पूर्व आयोजनों की निरंतरता में वैश्विक एआई सहयोग को मजबूत करेगा। जिसका मुख्य थीम पीपुल, प्लैनेट, प्रोग्रेस है। ये नीतियों को व्यावहारिक प्रभाव में बदलने पर जोर देता है। इस समिट का वैश्विक महत्व यह है कि एआई इम्पैक्ट समिट एआई के लोकतंत्रीकरण पर फोकस करता है, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संसाधनों को सुलभ बनाने हेतु सक्रिय किया गया है। वहीं, भारत की पूरक नवाचार क्षमता ग्लोबल एआई नेतृत्व स्थापित करने में मदद करेगी, साथ ही जिम्मेदार एआई शासन के मानकों को आकार देगी। इसमें 16 देशों के राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी आर्थिक कूटनीति और विकासशील राष्ट्रों की आवाज को मजबूत करेगी। इसकी प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं जो डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष) सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती बनाने पर काम कर रहा है। जहां तक इसके वैश्विक प्रभाव की बात है तो इससे जुड़ीं चुनौतियां समावेशी एआई नवाचारों को प्रोत्साहित करेंगी। लिहाजा यह समिट एआई को आर्थिक-रणनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित कर वैश्विक विभाजन को पाटेगा। दरअसल, एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का मुख्य एजेंडा एआई को जिम्मेदार, समावेशी और प्रभावी बनाने पर केंद्रित है, जो तीन सूत्रों-लोग, ग्रह, और प्रगति -पर आधारित है। यह एजेंडा एक्शन से इंपैक्ट की ओर बढ़ने पर जोर देता है, जिसमें नीतियों को व्यावहारिक बदलावों में बदलना शामिल है। इस आयोजन का मुख्य सूत्र ,निम्नवत है- पहला, लोग यानी एआई का समावेशी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय में उपयोग। दूसरा, ग्रह यानी पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से लड़ाई और सतत विकास। और तीसरा, प्रगति यानी आर्थिक विकास, उत्पादकता वृद्धि और नवाचार को बढ़ावा। इसके दृष्टिगत ही प्रमुख सत्र और चक्र को निर्धारित किया गया है। एआई इम्पैक्ट समिट को सात चक्रों (फोकस एरियाज) में बांटा गया है, जो कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं और उच्च-स्तरीय बैठकों के रूप में आयोजित होंगे। पहला, डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज यानी सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती बनाना (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष)। दूसरा, वैश्विक प्रभाव चुनौतियां यानी समावेशी एआई नवाचारों को प्रोत्साहन। तीसरा, अन्य सत्र जैसे वैज्ञानिक शोध में एआई (डॉ. अर्चना शर्मा जैसे विशेषज्ञ), उद्योग नेताओं के साथ नीति चर्चा, और टेक दिग्गजों की भागीदारी। जहां तक इसके अपेक्षित परिणाम की बात है तो ये सत्र 100+ देशों के नेताओं, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों को जोड़कर वैश्विक एआई शासन के मानक स्थापित करेंगे। यह समिट 16-20 फरवरी को नई दिल्ली में चल रहा है, जो ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मजबूत करेगा। इस समिट से एआई शासन के लिए सात कार्य समूहों (चक्रों) के माध्यम से ठोस प्रतिबद्धताएं अपेक्षित हैं, जिनमें डेमोक्रेटाइजिंगए आई रिसोर्सेज और सुरक्षित एआई पर फोकस शामिल है। वास्तव में ये समझौते स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई अनुप्रयोगों का विस्तार सुनिश्चित करेंगे। जहां तक इसके आर्थिक-सामाजिक प्रभाव की बात है तो वैश्विक दक्षिण में कौशल विकास, सतत एआई समाधान और समावेशी नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा, जो असमानताओं को कम करेगा। भारत के नेतृत्व में 100+ देशों की भागीदारी से आर्थिक कूटनीति मजबूत होगी। इसके दीर्घकालिक परिणाम भी सकारात्मक मिलेंगे। वास्तव में यह समिट एआई एक्शन प्लान और अगले वैश्विक शिखरों की नींव रखेगा, जो पर्यावरण संरक्षण और प्रगति को जोड़ेगा। कुल मिलाकर, यह एआई को व्यापक लाभ पहुंचाने वाली तकनीक के रूप में स्थापित करेगा।

लेखक - वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

वन्दे मातरम् पर भी विवाद

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत सरकार के गृह मन्त्रालय द्वारा सभी अधिकारी समारोहों में राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्'के सभी छह छन्द गाये जाने को अनिवार्य जाने के बाद पूरे देश में यह अनावश्यक बहस छिड़ गई है कि ऐसा करना क्यों जरूरी समझा गया। सबसे पहले हमें यह जान लेना चाहिए कि वन्दे मातरम् वह गीत है जो भारत के प्रथम स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान सभी विचारों व सिद्धान्तों के लोगों द्वारा गाया जाता रहा तथा अंग्रजों के विरुद्ध विद्रोह का प्रतीक बन गया। यह गीत भारत भूमि की वन्दना इस प्रकार करता है कि इसमें रहने वाले सभी धर्मों व समुदायों के लोग इसे अपनी पुण्य भूमि मानते हैं। 1937 से पहले इस गीत के सभी छह छन्दों का पाठ सार्वजनिक रूप से आजादी के दीवानों द्वारा किया जाता था और सबसे ज्यादा क्रान्तिकारी मार्ग से भारत को स्वतन्त्रता दिलाने की कसम उठाने वाले युवा ही इसका गायन करते थे और फांसी को फंदे को हंसते-हंसते चूम लेते थे। मगर भारत की आजादी का इतिहास भी कई आयामों वाला है जिसमें सबसे ज्यादा विवादास्पद पाकिस्तान का गठन होना है। यह सर्वविदित है कि 1920 तक मोहम्मद अली जिन्ना कांग्रेस पार्टी में भी सक्रिय रहा था और इसका सदस्य भी था, मगर वह मुस्लिम लीग का भी सदस्य था क्योंकि 1906 में भारत में गठित मुस्लिम लीग के सदस्य मुस्लिम नागरिकों को दोहरी सदस्यता रखने की इजाजत कांग्रेस पार्टी ने दे रखी थी। अंग्रेजों ने संयुक्त भारत के हिन्दू-मुसलमानों को आपस में बांट देने की गरज से ही 1909 में प्रथक निर्वाचन मंडल देने का फैसला कर लिया था। इसके साथ-साथ ही 1885 में गठित कांग्रेस पार्टी अंग्रेजों से शासन में भारतीयों की भागीदारी बढ़ाये जाने की मांग लगातार कर रही थी जिसे बाद में सेल्फ रूल या स्वराज तक किया गया और 1930 में जाकर पूर्ण स्वराज्य की मांग की गई। मगर इस बीच मोहम्मद अली जिन्ना ने महात्मा गांधी के भारत आने के बाद उनसे मतभेद हो जाने के कारण कांग्रेस पार्टी की सदस्यता छोड़ दी और वह मुस्लिम लीग का ही सदस्य बना रहा परन्तु 1930 के बाद से इंग्लैंड से दोबारा वापस आने के बाद से उसकी राजनीति बदलती गई और वह मुसलमानों के लिए धर्म के आधार पर अलग राष्ट्र बनाने का हिमायती हो गया। जिन्ना की राजनीति में भारत के विभिन्न प्रान्तों में 1936 में हुए प्रथम प्रान्तीय चुनावों के बाद आमूलचूल परिवर्तन आया और उसने खुलेआम ऐलानिया साम्प्रदायिक राजनीति करने की नीयत बना ली और तत्कालीन अंग्रेज वायसराय को भी इस बारे में बता दिया। उसने खुलेआम यह कहना शुरू कर दिया कि भारत में हिन्दू और मुसलमान एक साथ मिल कर नहीं रह सकते हैं क्योंकि इन दोनों सम्प्रदायों की संस्कृति अलग-अलग है। हिन्दुओं के लिए जो ऐतिहासिक व्यक्तित्व नायक हैं वे मुसलमानों के लिए खलनायक हैं और भाषा से लेकर वेशभूषा तक दोनों समुदायों के रहन-सहन व खान-पान में आधारभूत अन्तर है। इसकी असल वजह यह थी कि 1936 के प्रन्तीय चुनावों में मुस्लिम लीग की जबर्दस्त हार हुई थी और मुस्लिम बहुल प्रान्तों तक में उसके सदस्य अच्छी संख्या में जीत नहीं पाये थे। जबकि दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी को शानदार जीत मिली थी और मुस्लिम निर्वाचक सीटों तक पर उसके प्रत्याशी अच्छी-खासी संख्या में जीते थे। जिन्ना को सबसे बड़ा धक्का पंजाब में मिला था जहां की एसेम्बली में उसके केवल दो सदस्य ही जीत पाये थे और यहां कांग्रेस व पंजाब यूनियनिस्ट पार्टी को शानदार जीत हासिल हुई थी। आज के उत्तर प्रदेश और तब के सेंट्रल प्राविंस में भी मुस्लिम लीग को 1936 में खास सफलता नहीं मिल पाई थी और कांग्रेस पार्टी को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ था जहां उसकी सरकार का गठन हुआ था। इस राज्य में मुस्लिम लीग के प्रतिनिधियों को मन्त्रिमंडल का सदस्य बनाने के लिए कांग्रेस ने शर्त रख दी थी कि उन्हें लीग छोड़कर कांग्रेस का सदस्य बनना होगा। इससे जिन्ना बिफर उठा था और उसने ऐलान कर दिया था कि वह अब से खुल कर साम्प्रदायिक राजनीति करेगा। यह स्थिति अंग्रेजों के अनुकूल थी। अतः उन्होंने जिन्ना को खुलकर ऐसा करने दिया और संयोग से अक्तूबर 1939 से दूसरा विश्वयुद्ध भी शुरू हो गया। जिन्ना की इस राजनीति का असर यह हुआ कि 1937 में कांग्रेस कार्य समिति में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् को लेकर एक लम्बा प्रस्ताव पारित हुआ जिसमें कहा गया कि इस गीत के केवल शुरू के दो छन्द ही गाये जायें जिनमें भारत धरा व इसके सभी 30 करोड़ लोगों का वर्णन है तथा शेष चार छन्दों को छोड़ दिया जाये जिनमें भारत माता की उपमा हिन्दू देवियों से की गई है। 1937 से पहले भारत के किसी भी मुसलमान को सभी छह छन्दों के गाये जाने से परहेज नहीं था मगर जिन्ना के विरोध के बाद यह सिलसिला शुरू हुआ। पहली बार 1896 में कांग्रेस अधिवेशन में स्वयं गुरुदेव रवीन्द नाथ टैगोर ने इसका गायन किया। मगर 1905 में अंग्रेजों द्वारा बंगाल का विभाजन किये जाने पर इसके विरोध में जब बंगाली लोग सड़कों पर निकले तो यह गीत उनकी प्रेरणा का स्रोत बन गया और बाद में आजादी के आन्दोलन में लगे अन्य प्रान्तों के लोग भी इसका अनुसरण करने लगे। मगर आजाद भारत में इसके केवल शुरू के दो छन्द ही राष्ट्रगीत के रूप में अधिसूचित किये गये। अब जब इसके सभी छह छन्द गाने अनिवार्य किये गये हैं तो भारत में जिन्ना की मानसिकता वाले लोग इसका विरोध कर रहे हैं और इसे इस्लाम धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बता रहे हैं।

यमुनाजी में प्रवासी पक्षी

संतोष उत्सुक

सर्दी के मौसम में विदेशी पक्षी दूर दूर से, हमारी झीलों और नदियों में कुछ समय के लिए रहने, प्रेम करने और प्रजनन जैसे महत्त्वपूर्ण काम के लिए आते हैं। इस बहाने वे विदेश भ्रमण का मज़ा भी लेते हैं। शायद हमारे देश के पक्षी भी विदेश जाते होंगे। उन्हें वहां का साफ़ सुथरा स्वच्छ पर्यावरण बहुत पसंद आता होगा। इधर हमारे जागरूक मीडिया की खबरें बताती हैं कि पिछले दिनों, कुछ विदेशी पक्षियों ने यमुनाजी में प्रवास करने से इनकार कर दिया। हमारे पारदर्शी ईमानदार, संजीदा गणना करने वाले ऐसा कह रहे हैं। उनके अनुसार आने वाले पक्षियों की संख्या पिछले साल से कम है। यमुनाजी का अर्थ पवित्र नदी यमुनाजी से है जिसे देश के करोड़ों लोगों में से कुछ को छोड़कर मां का दर्जा देते हैं। काफी लोग नहीं भी मानते होंगे लेकिन कई रास्तों से बहकर आती सूचनाएं बताती हैं कि यमुनाजी बहुत कूड़ा कचरा वाली हालत में हैं। दशकों की कोशिशें, गहरी योजनाएं और जी तोड़ राजनीतिक मेहनत यमुनाजी को बेहतर हालत में नहीं ला सकी। हो सकता है विदेशी पक्षी इस बात को समझ गए हों।

उनके कम आने का दोष, ग्लोबल क्लाइमेट चेंज को दे सकते हैं। बाईस किलोमीटर में फैली यमुनाजी के प्रदूषित होने का दूसरा कारण, प्रदूषण को मान सकते हैं क्यूंकि बार बार बताया यही जाता है कि लगभग दो दर्जन नाले यमुनाजी के पानी को घेरे रहते हैं। सुना है वहां कूड़ा कचरा भी विसर्जित किया जा रहा है। यह भी सुनने में आता रहता है कि विकासजी ने वहां भी विकास करने का राष्ट्रीय ठेका लिया हुआ है जो यमुनाजी को पसंद नहीं आता। लेकिन उसके बस में कुछ नहीं है, पानी में डूबी ज़मीन का निर्जीव टुकड़ा समझदार सक्रिय इंसानों का, बूंद जितना भी बिगाड़ नहीं सकता ।

यह संभव हो सकता है कि कमबख्त कोहरे के कारण, पक्षियों की गणना उचित तरीके से न हो सकी हो। पक्षियों की गिनती करना मज़ाक नहीं है। पता नहीं यह सही है या गलत, कुछ पक्षियों के भी नखरे होते हैं। वे प्रदूषित पानी में ज़्यादा समय तक नहीं रह पाते। मनचाहा खाना मुश्किल से मिलता है। यमुनाजी के आसपास फैले कचरे में से खाने के लिए ढूंढना पड़ता है। विदेशी पक्षी हैं, स्थानीय इंसान तो नहीं हैं जो यमुनाजी के गंदगी भरे पानी में नहा लें। पक्षी इंसान की तरह तो हो नहीं सकता, वह भी इंसान की तरह व्यवहार करने लगेगा तो कुदरत के अनुशासन का क्या होगा। हमें विदेशी पक्षियों से क्या लेना वे कम आएं या ज़्यादा। हम तो उनका शिकार भी नहीं कर सकते। हमारे पास तो स्थानीय पशुओं की देखभाल करने का समय नहीं है पक्षियों की बात कौन करे। हमारे पास दूसरे ज़रूरी सामाजिक काम हैं। वैसे भी देसी या विदेशी पक्षी, प्रकृति के बच्चे हैं। प्रकृति को ही सोचना विचारना चाहिए, ध्यान रखना चाहिए कि उनके बच्चों को कहां जाना चाहिए कहां नहीं । इंसान को कोई फर्क नहीं पड़ता क्यूंकि वह पक्षी नहीं है। वह तो यमुनाजी में क्रूज और झाग दोनों का मज़ा ले सकता है। हो सकता है भविष्य में पक्षियों को यहां का नया पर्यावरण लुभा ले और यह खबर छपे कि यमुनाजी में प्रवासी पक्षियों की संख्या बढ़ती जा रही है।

नेता और अफसर करोड़पति नहीं होंगे तो क्या हम आप होंगे ?

कल परसों एक खबर अखबारों में छपी कि प्रदेश के आईपीएस अफसरों ने जो अपनी संपत्ति की घोषणा की है उसमें अधिकतर आईपीएस अफसर करोड़ों के मालिक हैं । कई फ्लैट,जमीनें हैं कुछ संपत्ति बाप दादाओं की है और कुछ उन्होंने अपने भविष्य को देखते हुए खरीद के रखी थी। एक आईपीएस अफसर तो ऐसे भी हैं जिनको उनकी संपत्ति से 74 लाख रुपए सालाना प्राप्त होता है जो उनकी तनख्वाह से दो-तीन गुना ज्यादा है ,यही हाल नेताओं का भी है जब भी अपनी संपत्ति की घोषणा करते हैं तो कोई 10 करोड़ का मालिक कोई 50 करोड़ का मालिक तो कोई 20 करोड़ का मालिक निकलता है अब ये तो एक नंबर वाली बात है जिसकी घोषणा वो कर देते हैं उसके अलावा उनके पास और क्या-क्या है ये सिर्फ वही जानते हैं। अब लोग बाग कह रहे हैं कि जब इतने अमीर थे तो नौकरी करने क्यों आए और नेतागिरी में क्यों अपनी टांग फसाई तो भैया ये समझ लो कि नौकरी में ही तो सही तो कमाई होती है और नेतागिरी में भी यही समीकरण सही बैठता है ठीक है कि नौकरी में पहले पैसे नहीं फंसाना पड़ते लेकिन नेतागिरी में तो पहले एडवांस में बहुत कुछ खर्च करना पड़ता है और जब कहीं अच्छी जगह मिल जाती है तो जितना पैसा खर्च किया उसका सूत ब्याज सब एक झटके में वसूल हो जाता है। कई नेताओं की संपत्ति तो 5 साल में 5 गुना बढ़ जाती है पता नहीं उनके पास ऐसा कौन सा अलादीन का चिराग होता है जो उनकी संपत्ति 5 साल में 5 गुना बढ़ जाती है अपने और आम आदमी के हाल तो ये हैं कि साल भर में एक दो ढाई हजार का इंक्रीमेंट लग गया तो बड़ी बात महंगाई भत्ता बढ़ गया उसी में इंसान खुश हो जाता है वो भी कब मिलेगा इसकी कोई गारंटी नहीं होती लेकिन नेतागिरी में पूरी गारंटी इसी बात की है और फिर आईपीएस अफसर तो टाइम बाउंड होते हैं उन्हें उतने साल में प्रमोशन देना ही है और जब प्रमोशन मिलेगा तो तनख्वा तो बढ़ ही जाएगी अभी आईपीएस अफसरों ने अपनी संपत्ति की घोषणा की है आईएएस कब करेंगे इस बात का इंतजार रहेगा और यह तय मान लो कि उनमें से भी कोई भी करोड़पति से कम नहीं निकलेगा। वैसे भी आजकल पैसे की कीमत बची कन्हा है इस जमाने में करोड़पति मारे मारे फिर रहे हैं लाख दो लाख की तो कोई वैल्यू ही नहीं बची इसलिए अगर आईपीएस अफसर करोड़पति है तो इसमें आम आदमी को रंज करने की बात नहीं है क्योंकि करोड़पति तो वही बनेंगे आप और हम नहीं।

संगीतमय सड़क

मुंबई में 500 मीटर की एक ऐसी सड़क बनाई गई है इसमें से जब वाहन गुजरते हैं तो उसमें से जय हो की धुन सुनाई पड़ती है मजे की बात ये है कि अगर आप गाड़ी के कांच भी बंद किए हुए हो तो भी आपको जय हो की धुन सुनाई देगी वैसे ये प्रयोग 2007 में जापान में हो गया था उसके बाद और भी कई देशों ने इसको अपनाया और अब भारत की पहली संगीत सड़क मुंबई में शुरू हो गई, वैसे भी संगीत और मुंबई का चोली दामन का साथ है जितनी फिल्में बनती हैं उनका संगीत मुंबई में ही तैयार होता है बड़े-बड़े गीतकार बड़े-बड़े संगीतकार मुंबई में ही रोजी-रोटी कमाने आए और फिर वही बस गए तो जिस शहर के रग रग में संगीत बसा हो उसमें अगर एक ऐसी सड़क बन गई तो यह तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था ।अब लोगों का कहना है कि ऐसी और भी सड़कें बनाई जाएं जिसमें किसी में जगजीत सिंह की गजल सुनाई पड़े, तो किसी में मोहम्मद रफी के गाने, किसी में किशोर के तो किसी में मन्ना डे के किसी में लता मंगेशकर के तो किसी में आशा भोंसले के । ऐसे ही संगीतकारों के गाने भी सड़कों से सुनाई देना चाहिए चाहे वो जयदेव हों ,सलिल चौधरी हों, एसडी बर्मन हों, शंकर जय किशन,हों लक्ष्मीकांत प्यारेलाल हों जो संगीतकार है उनके गीत इन सड़कों पर सुनाई देना चाहिए तब पता लगेगा कि वास्तव में मुंबई संगीतकारों की नगरी है।

बेईमान मौसम

धर्मेंद्र और मुमताज की एक हिट फ़िल्म थी लोफर जिसका गाना भी उतना ही मशहूर हुआ था आज मौसम बड़ा बेईमान है वैसे मौसम पर कई गाने बन चुके हैं अभी एक सर्वे आया है कि मौसम में जो बदलाव होता है उससे तरह-तरह की परेशानियां शुरू होती है जब मौसम बदलता है तो बार बार नींद टूटती है, चिंता उदासी बढ़ती है, वैसे मौसम का कोई भरोसा तो रहता नहीं है कहो सुबह धूप निकली हो शाम को कड़ी ठंड पड़ने लगे, रात में जोरदार बारिश हो जाए, बारिश में गर्मी, गर्मी में ठंड, ठंड में बारिश, यानी अब मौसम का कोई भरोसा रहा नहीं इसलिए अपनी तो हर एक को यही सलाह रहती है कि जब भी घर से बाहर निकलो तो प्याज रख लो, बरसाती रख लो, और कोट भी रख लो अगर लू लगने लगे तो तुरंत प्याज सूंघ लेना, ठंड लगे तो कोट पहन लेना, और बारिश आने लगे तो रेनकोट से अपने आप को बचा लेना । वैसे अब जब दुनिया में ही किसी का भरोसा नहीं रहा तो फिर मौसम से अपन भरोसे की बात करें तो करें क्यों? जैसी इंसानी फितरत हो गई है वैसा ही सब कुछ मौसम ने भी सीख लिया है इसलिए उसे कुछ मत कहो वह जो कर रहा है ठीक ही कर रहा है।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

श्रीमान जी ने भगवान की तपस्या की भगवान ने प्रकट होकर कहा बेटा बताओ तुम्हें क्या चाहिए। बस एक नौकरी, पैसों से भरा कमरा ,सुकून की नींद और गर्मी से छुटकारा, भगवान ने कहा तथास्तु। आजकल श्रीमान जी एटीएम में गार्ड हैं

भड़काऊ बातें और भारत का विरोध... जाते-जाते भी जहर उगल गए यूनुस

आखिरी भाषण में किया सेवन सिस्टर्स का जिक्र

नई दिल्ली

बांग्लादेश में लोकतांत्रिक हालात को बहाल करने और कमजोर अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में पूरी तरह से नाकाम रहे मोहम्मद यूनुस ने अपने विदाई भाषण में भी भड़काऊ बातें की और भारत के खिलाफ जहर उगला। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद यूनुस ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व किया लेकिन उनके नेतृत्व में बांग्लादेश के भीतर इस्लामिक विद्रोह भड़का और हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया। कानून और व्यवस्था को लेकर उनकी लगातार आलोचना हुई। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने विदेश नीति में अपनी संप्रभुता, सम्मान और आजादी वापस पा ली है और अब वह दूसरे के निर्देशों पर नहीं चलता है। उनकी इस कथनी को भारत के लिए समझा गया है, जो वर्षों से बांग्लादेश की मदद करता आया। उन्होंने नेपाल, भूटान और सेवन सिस्टर्स को जोड़ते हुए भविष्य के आर्थिक एकीकरण की बात की। बता दें कि सेवन सिस्टर्स को अक्सर भारत के नॉर्थ ईस्ट राज्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

यूनुस ने कहा, हमारे खुले समुद्र सिर्फ बॉर्डर नहीं हैं, वे ग्लोबल इकॉनमी के गेटवे हैं। नेपाल, भूटान और सेवन सिस्टर्स के साथ इस इलाके में बहुत ज्यादा आर्थिक क्षमता है। इकॉनमिक जोन, ट्रेड एग्रीमेंट और ड्यूटी-फ्री मार्केट एक्सेस हमें ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर बना सकते हैं।

इस तरह की बातों से नई दिल्ली में हैरानी हो सकती है। सालों से, भारत ने अपने नॉर्थ-ईस्ट को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए बांग्लादेश के जरिए कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स में भारी इन्वेस्ट किया है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चलाने वाले नेता ने चीन, जापान, अमेरिका और यूरोप के साथ गहरे होते रिश्तों पर जोर दिया। उन्होंने चीन के सपोर्ट वाले प्रोजेक्ट्स पर हुई प्रोग्रेस का जिक्र किया, जिसमें तीस्ता नदी पहल भी शामिल है। यह भारत के रणनीतिक रूप से जरूरी सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास है। यूनुस ने कहा, हमने चीन के साथ भी सहयोग बढ़ाया है। तीस्ता नदी प्रोजेक्ट और निलफामारी में 1,000 बेड वाले इंटरनेशनल हॉस्पिटल पर काफी तरक्की हुई है। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश ने किसी भी हमले का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

उनके भाषण में अंतरिम सरकार के सांप्रदायिक हिंसा से ठीक से निपटने के तरीके पर कोई बात नहीं हुई, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में हुई गलतियों को स्वीकार नहीं किया गया और हिंदू नागरिकों के बीच डर को भी नहीं माना गया, जो उथल-पुथल के समय में भरोसे के लिए सरकार की तरफ देख रहे थे। यूनुस ने अपनी विदेश नीति के भारत विरोधी रवैये और पाकिस्तान के पक्ष में झुकाव की आलोचना के बीच कहा, विदेश नीति में हमने बांग्लादेश की संप्रभुता, राष्ट्रीय हित और सम्मान को मजबूती से बहाल किया है। बांग्लादेश अब दूसरों के कहने या उनके कहने पर चलने वाला नहीं है। आज का बांग्लादेश आत्मविश्वासी, सक्रिय और जिम्मेदार है। हम आपसी सम्मान और हित के आधार पर रिश्ते बनाने और रणनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सिद्दारमैया ने अमेरिकी राजदूत से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

बेंगलुरु, (वार्ता)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने बेंगलुरु दौर पर आए भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ चर्चा की है। यह बैठक मुख्यमंत्री के आधिकारिक निवास कावेरी में आयोजित की गई, जहाँ दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने सहित आपसी हित के मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

बातचीत के दौरान, मंत्री एम सी सुधाकर, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। यह बातचीत भारत-अमेरिका के बीच बढ़ते जुड़ाव की पृष्ठभूमि में हुई है, जिसमें आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने वैश्विक साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक की प्रतिबद्धता पर जोर दिया है।

इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने राजदूत का बेंगलुरु में स्वागत किया जहाँ दोनों के बीच अनौपचारिक बातचीत के दौरान व्यापार, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर चर्चा हुई।

मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है एपस्टीन फाइल्स को लेकर ट्रंप की सफाई

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के लिंक से साफ इनकार कर दिया है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन पर एक प्रेस गैगल के दौरान रिपोर्टर्स से बात करते हुए कहा, मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। तीन मिलियन से ज्यादा डॉक्यूमेंट्स की एपस्टीन फाइल्स में डोनल्ड ट्रंप का नाम भी सामने आया। इस पर ट्रंप ने फिर एक बार सफाई देते हुए कहा, जेफरी एपस्टीन से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पूरी तरह से बरी कर दिया गया है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने पिछले महीने तथाकथित एपस्टीन फाइलों का लेटेस्ट कैश जारी किया था। यौन उत्पीड़न मामलों के दोषी एपस्टीन पर कई फोटो और वीडियो सामने आए हैं। जेफरी एपस्टीन की 2019 में मौत हो चुकी है। ट्रंप ने एपस्टीन के साथ किसी भी लिंक के होने से मना कर दिया है।

डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इस मामले में कहा कि अब उनके पास जारी करने के लिए और कोई फाइल नहीं है। हालांकि सांसदों ने एपस्टीन पर इंटरनल गवर्नमेंट मेमो, नोट्स और ईमेल पब्लिश न करने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की आलोचना की है।

जेफरी एपस्टीन का डोनल्ड ट्रंप के साथ कनेक्शन 1980 के दशक का माना जा सकता है। 2002 में न्यूयॉर्क मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में, ट्रंप ने एपस्टीन को लगभग 15 साल से जानने की बात कही थी। सीएनएन को मिली तस्वीरों से पता चलता है कि एपस्टीन साल 1993 में डोनल्ड ट्रंप और मार्ला मेपल्स की शादी में भी शामिल हुए थे। वहीं दोनों को उसी साल न्यूयॉर्क में हार्ले डेविडसन कैफे की ओपनिंग पर भी एक साथ देखा गया था। 2002 में न्यूयॉर्क मैगजीन को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने एपस्टीन को एक शानदार आदमी बताया था। सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में, पूर्व सेक्रेटरी ऑफ स्टेट हिलेरी क्लिंटन ने ट्रंप पर आरोप लगाया है कि वे जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को कवर-अप कर रहे हैं। बर्लिन में ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए, क्लिंटन ने कहा, फाइलें बाहर निकालो। वे इसे धीरे-धीरे आगे बढ़ा रहे हैं और कहा कि वह मामले की जांच कर रही कांग्रेसनल कमेटी के सामने गवाही देने वाली हैं।

वृंदावन में 'विरुष्का' ने किया सत्संग, प्रेमानंद महाराज के चरणों में बैठे

मथुरा (वार्ता)

क्रिकेटर विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने वृंदावन पहुंचकर संत स्वामी प्रेमानंद महाराज के दरबार में हाजिरी लगाई। बताया जाता है कि विदेश यात्रा से लौटने के बाद यह दंपति दिल्ली से सीधे वृंदावन पहुंचा और अलसुबह श्री हित राधा केली कुंज में सत्संग में शामिल हुआ। पिछले एक वर्ष में दोनों कई बार ब्रज आकर आशीर्वाद ले चुके हैं। इस बार दोनों किसी विशेष प्रोटोकॉल के तहत नहीं बल्कि सामान्य श्रद्धालुओं की तरह सत्संग में शामिल हुए। वे सैकड़ों भक्तों के बीच जमीन पर दरी पर बैठकर करीब एक घंटे तक प्रवचन सुनते रहे। दोनों के माथे पर चंदन, गले में तुलसी की माला और हाथ में नाम-जप काउंटर दिखाई दिया। पूरे समय वे शांत भाव से हाथ जोड़कर प्रवचन सुनते रहे। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं के अनुसार, दोनों ने किसी प्रकार की निजी मुलाकात या विशेष व्यवस्था की मांग नहीं की। उनकी सादगी और विनम्रता की चर्चा सोशल मीडिया पर भी हो रही है। प्रशंसकों ने इसे उनकी आस्था और आध्यात्मिक झुकाव से जोड़कर देखा है। उल्लेखनीय है कि यह दंपति पूर्व में भी उत्तराखंड स्थित कैंची धाम में दर्शन कर चुका है। वृंदावन प्रवास के दौरान उन्होंने भगवान बांके बिहारी के दर्शन भी किए।

चिकित्सकों के लिए मददगार होगा एआई : पटेल

नयी दिल्ली, (वार्ता)

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिकित्सकों का स्थान लेने के लिए नहीं बल्कि उनकी सहायता के लिए है और इससे डॉक्टरों को जटिल मामलों और महत्वपूर्ण निर्णयों पर अधिक ध्यान देने का अवसर देगा। श्रीमती पटेल ने मंगलवार को यहां भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौराननवाचार से प्रभाव- सार्वजनिक स्वास्थ्य में बदलाव लाने वाली एआई विषय पर एक सत्र में भाग लिया। इस सत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका और भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सशक्त बनाने में इसकी संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत के लिए एआई केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता नहीं बल्कि सर्व-समावेशी बुद्धिमत्ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई का मूल्यांकन केवल उन्नत एल्गोरिद्म के आधार पर नहीं, बल्कि इस आधार पर होना चाहिए कि यह तकनीक लोगों के जीवन को कितना प्रभावित करती है और स्वास्थ्य असमानताओं को किस हद तक कम करती है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। भारत की विशाल एवं विविध आबादी, ग्रामीण-शहरी अंतर तथा संक्रामक और असंक्रामक रोगों का दोहरा बोझ विशेष चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। ऐसे परिदृश्य में एआई एक अपरिहार्य सहायक बन जाती है।

उन्होंने बताया कि एआई को रोग निगरानी, रोकथाम, निदान और उपचार सहित स्वास्थ्य सेवा की पूरी श्रृंखला में एकीकृत किया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई चिकित्सकों का स्थान लेने के लिए नहीं, बल्कि उनकी सहायता के लिए है। इससे डॉक्टरों को जटिल मामलों और महत्वपूर्ण नैदानिक निर्णयों पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिलेगा। चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं, बल्कि एक कला भी है, जिसमें संवेदनशीलता और मानवीय स्पर्श की अहम भूमिका है।

स्पेन की बहुमंजिला इमारत में लगी भीषण आग, पांच लोगों की मौत

नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी स्पेन में एक अपार्टमेंट में आग लग गई। रीजनल इमरजेंसी सर्विसेज से मिली जानकारी के मुताबिक, इस आग में झुलसकर पांच लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हुए। अधिकारियों ने सोमवार, 16 फरवरी की देर रात इस घटना के बारे में जानकारी दी। कैटालोनिया पुलिस ने कहा कि मरने वाले पांचों लोग जवान थे और वे बिल्डिंग में नहीं रहते थे। कैटालोनिया के रीजनल अधिकारियों ने एक बयान में बताया, बार्सिलोना के उत्तर में 21,000 की आबादी वाले शहर मान्लेउ में पांच मंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक के स्टोरेज रूम में आग लगी।

अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है। लोग स्टोरेज रू से बाहर क्यों नहीं निकल पाए, इस बात का भी पता नहीं चला है। इस घटना में लोगों के शव इतनी बुरी तरह जल गए कि अभी तक उनकी पहचान भी नहीं हो पाई है।

कैटालोनिया के रीजनल लीडर, साल्वाडोर इल्ला ने पर मृतकों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए पांच लोगों की मौत पर दुख जताया।

इमरजेंसी सर्विस ने आज मंगलवार को जानकारी दी कि घायलों में से चार को बाद में हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई। वहीं एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ी। कैटलन पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

परमाणु डील पर झुका ईरान, खामनेई ने ट्रंप को दे दिया नया ऑफर

नई दिल्ली

ईरान अमेरिका के साथ परमाणु समझौते पर अब झुकने को तैयार हो गया। हालांकि उसने कहा है कि इसके लिए अमेरिका को पहले प्रतिबंधों में ढील देनी होगी। अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंधों की बौछार की हुई है। हालांकि दोनों देशों ने ओमान की मध्यस्था में इनडायरेक्ट बातचीत जरूर की है। लेकिन अमेरिका और ईरान अब स्विट्जरलैंड में भी मिलने वाले हैं और ईरान ने अमेरिका के साथ परमाणु समझौते पर जो संकेत दिए हैं कि वो कुछ कदम पीछे हटा सकता है। ईरानी उप विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने भी कह दिया है कि उनका देश अमेरिका के साथ परमाणु समझौता करने के लिए उस पर विचार करने के लिए तैयार है। बशर्ते वाशिंगटन बैन हटाने पर चर्चा करने को तैयार हो जाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका ईरान परमाणु समझौता तोड़ दिया था और इसके बाद उन्होंने ईरान के खिलाफ कई कड़े प्रतिबंध लगाए थे। अमेरिका ने पिछले साल ही ईरान पर परमाणु सुविधाओं पर जबरदस्त बमबारी की और इस समय अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत ईरान के पास जबरदस्त नजदीक से घेरा डाले हुए हैं। दरअसल एक इंटरव्यू में माजिद ने यह कह दिया कि अब जिम्मेदारी अमेरिका की है। उन्होंने कहा कि यह साबित करना है कि वह समझौता करना चाहते हैं। अब यह बात ईरान ने जाहिर करके गेंद अमेरिका के पाले में डाल दी है। अगर वह ईमानदार हैं तो मुझे यकीन है कि हम एक समझौते की राह पर जरूर आगे बढ़ेंगे। ईरान का यह बयान दोनों देशों के बीच जारी कूटनीतिक खींचतान के बीच में आया है। अमेरिका और ईरान ने इस महीने ओमान की मध्यस्था में ही इनडायरेक्ट बातचीत शुरू की।

दोनों देशों के वार्ताकार जिनेवा में एक बार फिर मिलकर के इसी विषय पर बातचीत आगे बढ़ाएंगे। और ईरानी उप विदेश मंत्री ने ओमान में अमेरिका के साथ हुई बैठक को कमोबेश पॉजिटिव दिशा में ही बताया। लेकिन यह भी कहा कि अभी कुछ भी कहना बहुत जल्दबाजी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बातचीत को पूरी तरह से पॉजिटिव बताया। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान जल्द परमाणु समझौता नहीं करता तो उसके खिलाफ सैन्य कारवाई के विकल्प पूरी तरह से खुले हुए हैं। उन्होंने बार-बार मध्य पूर्व में अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी की ओर इशारा भी किया।

शाह ने 'मोबाइल ब्लड कलेक्शन वैन', 'नियोनेटल वेंटिलेटर' का किया लोकार्पण

अहमदाबाद, (वार्ता)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात में अहमदाबाद के सोला सिविल में अत्याधुनिक मोबाइल ब्लड कलेक्शन वैन और नियोनेटल वेंटिलेटर का मंगलवार को लोकार्पण किया। शाह की सांसद ग्रांट से मिली यह मोबाइल ब्लड कलेक्शन वैन मॉडर्न मेडिकल टेक्नोलॉजी से लैस है। इस वैन के ज़रिए शहर के दूर-दराज और ज़रूरतमंद इलाकों में ब्लड डोनेशन कैंप लगाये जा सकेंगे। जिससे इमरजेंसी में ब्लड की जरूरत जल्दी पूरी हो सकेगी। बच्चों की सेहत का खास ध्यान रखते हुए, हॉस्पिटल को एक (नियोनेटल) वेंटिलेटर भी डोनेट किया गया।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

प्रियंकाने हॉलीवुड में अपनी सफलता का श्रेय ऐश्वर्या राय और इरफान खान को दिया

वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे अपनी जड़ों और अपने वरिष्ठों का कितना सम्मान करती हैं। हाल ही में सालाना हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने संघर्ष और सफलता पर खुलकर बात की और इसका श्रेय भारतीय सिनेमा के उन पायनियर्स को दिया जिन्होंने उनके लिए रास्ते खोले। उन्होंने इन पर्सनैलिटीज़ को ट्रेलब्लेज़र बताया जिनकी अचीवमेंट्स ने दूसरों के लिए उनके नक्शेकदम पर चलना मुमकिन बनाया। इंडस्ट्री में अपनी जगह के बारे में सोचते हुए, चोपड़ा ने जर्नलिस्ट अंजुला आचार्य से कहा, मुझे सच में यकीन है कि मैं उन कमाल के आर्टिस्ट्स और टैलेंट्स के कंधों पर खड़ी हूँ जो मुझसे पहले आए थे। ऐश्वर्या राय, जब वह हॉलीवुड में काम कर रही थीं तो एक आइकॉन थीं, इरफान खान, बेशक, मिंडी कलिंग। और मैं दरवाज़ा खोल पाई और जिस पर मैं यकीन करती हूँ उसके लिए खड़ी हो पाई क्योंकि उन्होंने वही किया जो उन्होंने किया। एक्टर ने हॉलीवुड में अपनी जगह बनाने के काबिल बनाने के लिए उनके पायनियरिंग काम को क्रेडिट दिया। कॉन्फ्रेंस के बाद, चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल नोट पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि इवेंट में इतने सारे देसी लोगोंको ट्रेडिशनल कपड़ों में देखकर वह बहुत खुश हुईं। उन्होंने याद किया कि जब वह 12 साल की उम्र में पहली बार यूनाइटेड स्टेट्स आई थीं, तो उन्हें ऐसी जगहों पर अपने जैसे दिखने वाले लोग बहुत कम मिले थे। ऐश्वर्या राय उन पहली इंडियन एक्टर्स में से एक हैं जिन्हें वेस्टर्न फिल्मों में बड़े रोल मिले। ब्राइड एंड प्रेजुडिस, द मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेस और द पिंक पैंथर 2 जैसे प्रोजेक्ट्स में उनकी परफॉर्मेंस ने इंडियन रिप्रेजेंटेशन को ग्लोबल ऑडियंस तक पहुंचाया। कान्स में राय के रेगुलर अपीयरेंस और इंटरनेशनल कैंपेन में शामिल होने से उनकी पहुंच और बढ़ी। इरफान खान ने द नेमसेक, लाइफ ऑफ पाई, जुरासिक वर्ल्ड और स्लमडॉग मिलियनेयर जैसी फिल्मों में यादगार परफॉर्मेंस दी हैं। चोपड़ा ने स एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक क्रिएटर और परफॉर्मर के तौर पर मिंडी कलिंग के काम को इंस्पिरेशन का एक और सोर्स बताया। मेनस्ट्रीम टेलीविज़न और फ़िल्म में कलिंग की सफलता ने नॉर्थ अमेरिका में साउथ एशियन कलाकारों के लिए ज़्यादा मौके दिए हैं।

पहली बार साथ आ रहे हैं मोहित रैना और प्रियामणि, पहला इंडो-हॉलीवुड धमाका तैयार

इंडो-हॉलीवुड फिल्म में मोहित रैना और प्रियामणि की जोड़ी नजर आयेगी। यूएस की रेड बाइसन प्रोडक्शंस ने मुंबई की एज़्योर एंटरटेनमेंट (इंडिया) के साथ हाथ मिला लिया है, और ये सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि इंडो-यूएस सिनेमा की नई शुरुआत है। एज़्योर एंटरटेनमेंट (इंडिया) की ये पहली हॉलीवुड पार्टनरशिप है।इस अनटाइटल्ड फिल्म को लिखा और डायरेक्ट किया है हर्ष महादेश्वर ने। इस फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगे नेशनल अवॉर्ड विजेता प्रियामणि और दमदार अभिनेता मोहित रैना। दोनों पहली बार साथ आ रहे हैं, और स्क्रीन पर उनकी जोड़ी खास होने वाली है। शूटिंग न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में होगी। साथ ही दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में भी अहम हिस्से फिल्माए जाएंगे, जिससे कहानी का ग्लोबल सफर विजुअली भी महसूस होगा।फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2026 से शुरू होने वाली है। मोहित रैना ने कहा,ये प्रोजेक्ट मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि ये पहचान और अपनापन जैसे विषयों को ईमानदारी से छूता है। एज़्योर एंटरटेनमेंट (इंडिया) और रेड बाइसन प्रोडक्शंस की पहली इंडो-हॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनना इसे और खास बना देता है। ये कहानी सरहदों से परे जाती है, और ऐसी टीम के साथ काम करना उत्साह से भर देता है। प्रियामणि ने कहा, इस फिल्म की भावनात्मक सच्चाई ने मुझे तुरंत आकर्षित किया। रेड बाइसन प्रोडक्शंस और एज़्योर एंटरटेनमेंट (इंडिया) की टीम के साथ काम करना बेहद समृद्ध अनुभव रहा है। हर क्रिएटिव फैसले में कहानी के प्रति एक सेंसिटिविटी और जुनून दिखता है मैं आभारी हूं कि मुझे ऐसी कहानी का हिस्सा बनने का मौका मिला जो दुनिया भर के दर्शकों से जुड़ सकेगी।

फिल्म दो दीवाने सहर में की कहानी नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है : संदीपा धर

बॉलीवुड अभिनेत्री संदीपा धर का कहना है कि उन्हें फिल्म दो दीवाने सहर में की कहानी इसलिए खास लगी क्योंकि यह नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। संदीपा धर फिल्म दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज़ के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। संदीपा धर ने अपने किरदार नैना के बारे में कहा, नैना वह लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर ज़िम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही ज़िंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली 'खुद' को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो। संदीपा धर ने कहा, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज़्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है। संदीपा धर ने कहा, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये ज़रूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं ? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती।

कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 140 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

जनसुनवाई में आये 140 आवेदन पत्रों की सुनवाई हुई

कक्षा 5वीं-8वीं के विद्यार्थियों के लिए संबल बनी जनशिक्षक पहल

कलेक्टर के मार्गदर्शन में शिक्षा को मिली नई ऊर्जा

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

कक्षा पाँचवीं एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षाओं से पूर्व जिले में शिक्षा को नई दिशा देने का एक प्रेरणादायी प्रयास देखने को मिल रहा है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन में जिले के सभी 52 जनशिक्षा केंद्रों के जनशिक्षक अपने-अपने क्षेत्रों की शालाओं में सक्रिय रूप से पहुँचकर विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए सशक्त बना रहे हैं। जनशिक्षक अब केवल अकादमिक निरीक्षक नहीं, बल्कि मेंटर, मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभा रहे हैं। अर्धवार्षिक परीक्षा परिणामों के आधार पर विद्यार्थियों की कमजोरियों को पहचानकर उन्हें व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन दिया जा रहा है, जिससे हर बच्चा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सके।परीक्षा पूर्व कक्षाओं में जनशिक्षकों द्वारा मनोवैज्ञानिक शिक्षण पद्धतियाँ अपनाई जा रही हैं, जिससे बच्चों का डर दूर हो और वे सीखने में रुचि लें। उन्हें परीक्षा पैटर्न, महत्वपूर्ण प्रश्नों, उत्तर लिखने की सही तकनीक जैसे- महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करनाड़ साफ-सुथरे आरेख बनाना,सही तरीके से उत्तर प्रस्तुत करना,जैसे महत्वपूर्ण कौशल सिखाए जा रहे हैं।इस सहयोगात्मक और संवेदनशील प्रयास का मुख्य उद्देश्य यह है कि कोई भी छात्र तनाव में न आए और सभी बच्चे पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें सकें। जिला परियोजना समन्वयक श्री मनीष चौकसे ने बताया कि जनशिक्षकों, शिक्षकों और प्रशासन के इस समन्वित प्रयास से निश्चित ही जिले के शैक्षणिक परिणामों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में एक उज्वल भविष्य की ओर मजबूत कदम है।

महिला स्वास्थ्य और सशक्तिकरण की दिशा में एनसीएल की सार्थक पहल

एनसीएल की सीएसआर पहल से 'पाखी' सैनिटरी पैड का उत्पादन और आपूर्ति

सिंगरौली। महिला स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनसीएल ने सोमवार को एनसीएल ने अवंतीबाई स्वयं सहायता समूह, पीपखड़ के साथ एमओयू किया। इस एमओयू के तहत एनसीएल द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत सिंगरौली एवं सोनभद्र के 28 विद्यालयों में तीन वर्ष की अवधि तक 'पाखी' सैनिटरी पैड की नि- शुल्क नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कराने हेतु वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाएगा। एनसीएल की इस पहल से लगभग 8,000 छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता का लाभ मिलेगा एवं स्थानीय महिलाओं को रोजगार, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के अवसर मिलेंगे।

इस अवसर पर एनसीएल की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर), राजीव रंजन और अवंतीबाई स्वयं सहायता समूह, पीपरखड़ की ओर से सचिव, उर्वशी रानी सिंह वैश ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि ग्राम पीपरखड़ स्थित च्पाखी' सैनिटरी पैड निर्माण इकाई की स्थापना एनसीएल झिंगुरदा द्वारा आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी के सहयोग से की गई है। इस इकाई का संचालन आजीविका मिशन के अंतर्गत अवंती बाई स्वयं सहायता समूह की महिलाएं कर रही हैं, जहाँ उन्हें सेनेटरी पैड बनाने का प्रशिक्षण के साथ मासिक धर्म एवं उससे जुड़े मिथ्यो के प्रति जागरूक किया जाता है । इस केन्द्र के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार, कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता के अवसर प्राप्त हो रहे हैं

रासेयो इकाई शिविर के द्वितीय दिवस का हुआ सफल आयोजन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई के सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर का आज द्वितीय दिवस का सफल आयोजन ग्राम खैरी में किया गया , जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला एड्स नियंत्रक समिति अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार सोनी उपस्थित रहे साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रानी कुमारी , सह प्रभारी प्रो.प्रीति कौरव एवं श्रीमती रजनी साहू , श्रीमती कल्पना साहू उपस्थिति रहीं ।

उपस्थित शिक्षकों द्वारा बौद्धिक सत्र के आरम्भ में माँ सरस्वती का पूजन - वंदन किया गया तत्पश्चात बौद्धिक सत्र आरम्भ हुआ जिसका विषय एड्स जागरूकता रखा गया कार्यक्रम में डॉ.प्रशांत कुमार सोनी के द्वारा स्वयंसेवकों को एड्स के प्रति जागरूकता के लिए जानकारी प्रदान की गई बौद्धिक सत्र के पश्चात स्वयं सेवकों के द्वारा एड्स जागरूकता पर रैली निकाली गई साथ ही शिविर स्थल पर तुलसी का पौधा लगाया गया , तुलसी के पौधे को लगाने के पीछे दलनायिका मनीषा राजपूत के द्वारा उद्देश्य यह बताया गया कि जिस प्रकार से यह पौधा धीरे-धीरे वृद्धि करता है और अपना विकास करता है वैसे ही राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक भी समाज सेवा में इसी प्रकार से आगे बढ़ते रहें । शिविर के द्वितीय दिवस में वरिष्ठ स्वयंसेवकों में राशिका चौरसिया, रौशनी काछी , मीडिया प्रभारी श्रुति गुप्ता, दलनायिका मनीषा राजपूत, सह दलनायिका गरिमा पाण्डेय, पिंकी मेहरा , तनु नौरिया , मुस्कान बी, शिवानी जाटव , रुचि जाटव , आसना यादव , दीक्षा वर्मा , शालिनी चढार, शिखा साहू , याशिका सोनी , दीक्षा सेन, सबिया खान , करीना जाटव , साक्षी रजक , खुशी , रजनी चढार, सविता ठाकुर , ज्योति वर्मा , आकांक्षा वर्मा , रमा भारिया , संजना जाटव , किरण मेहरा आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नरसिंहपुर जिले की गौशालाएं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। आगामी होली पर्व के दृष्टिगत जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं गौ-संवर्धन को प्रोत्साहित करने की दिशा में अभिनव पहल की जा रही है। जिले की विभिन्न गौशालाओं द्वारा देशी गौवंश के गोबर से गौ-काष्ठ (गोबर से निर्मित लकड़ियां) एवं कंडों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे होलिका दहन के दौरान लकड़ी की खपत में कमी आएगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे इस होली 'गौ-काष्ठ' का अधिकाधिक उपयोग कर हरित एवं पर्यावरण अनुकूल होली का पर्व मनाएं तथा प्रकृति संरक्षण में सहभागी बनें। जिले में त्रिनेत्री संस्था द्वारा संचालित एमजीएसवाई गौशाला बहोरीपार, आदर्श गौशाला केंद्रीय जेल नरसिंहपुर तथा दयोदय गौशाला समिति गाडरवारा सहित अन्य गौशालाएं इस कार्य में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। इन संस्थाओं द्वारा गौ-सेवा के साथ- साथ उत्पादन कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में गौशालाओं को तकनीकी सहयोग एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा उत्पादन क्षमता बढ़ाने, उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा विपणन व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. सुनील बृजपुरिया ने बताया कि गौ-काष्ठ के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा। गोबर से निर्मित ये लकड़ियां यज्ञ, हवन, अनुष्ठान, होलिका दहन एवं अंत्येष्टि संस्कार जैसे कार्यों के लिए उपयुक्त एवं पवित्र मानी जाती हैं। इसके अतिरिक्त आनंद समाज कल्याण समिति केरपानी द्वारा गौ-मूत्र एवं गोबर से गौ-अर्क, औषधियां, दंत मंजन, साबुन एवं प्राकृतिक डिस्टेंपर (पेंट) जैसे उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही कई गौशालाओं द्वारा नाडेप पद्धति से वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन कर जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उक्त पहल से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं तथा गौशालाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं।

इस होली गौ-काष्ठ गोबर से निर्मित लकड़ी से होगा होलिका दहन, पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

विकासखंड स्तरीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

राज्य शिक्षा केंद्र के निर्धारित समय सारणी अनुसार20 फरवरी से प्रारंभ होने वाली जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय की कक्षा पांचवीं आठवीं वार्षिक परीक्षा के आयोजन के पूर्व केंद्राध्यक्षों का जिले के सभी जनपद शिक्षा केंद्र में विकासखंड स्तरीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण विकासखंड स्तर पर समस्त विकासखंड स्रोत समन्वयक एवं केंद्राध्यक्ष की उपस्थिति में आयोजित किया गया। जिला परियोजना अधिकारी श्री मनीष चौकसे ने बताया कि जिले के 52 जन शिक्षा केंद्र में कक्षा पांचवीं आठवीं वार्षिक परीक्षा हेतु 202 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिसमें कक्षा पांचवीं के17746 एवं कक्षा आठवीं के 16621 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।

विकासखंड स्तरीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण में समस्त विकासखंड स्रोत समन्वयक द्वारा संबंधित परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्षों को राज्य शिक्षा केंद्र के दिशा निर्देश में परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु दिशा निर्देश दिए गए। प्रश्नपत्र संबंधित जनशिक्षा केंद्र से एक घंटे पूर्व प्राप्त करना एवं परीक्षा उपरांत उत्तरपुस्तिकाओं के बंडल जमा करने, परीक्षा कक्ष की बैठक, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के साथ दिव्यांग परीक्षार्थी के लिए अतिरिक्त समय प्रदाय किया जाए। परीक्षार्थी निर्धारित समय पर कक्ष में निर्धारित अनुक्रमांक पर बैठे एवं किसी प्रकार के अनुचित साधन का प्रयोग न करें, साथ ही परीक्षार्थी कक्ष में भयमुक्त वातावरण में परीक्षा में सम्मिलित हो इसके लिए पर्यवेक्षकों की परीक्षा पूर्व केंद्र पर उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सम्पन्न कराएं। परीक्षा संचालन के दौरान जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय कंट्रोल रूम प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

माँ नर्मदा उत्तर वाहिनी परिक्रमा में शामिल हो रहे हजारों श्रद्धालु

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नमामि देवी नर्मदे मां नर्मदे हर के जयकारे लगाते हुए ग्राम काटजूनगर ग्राम पंचायत पलोहा जलाराम आश्रम माँ नर्मदा के किनारे से श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर श्री सुरेन्द्र दास जी महाराज (इंडियावाड़ा) जि. नर्मदा, गुजरात की प्रेरणा एवं उनके आशीर्वाद से माँ नर्मदा उत्तर वाहिनी परिक्रमा चल रही है जिसमे प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं । नर्मदा परिक्रमा 1 फरवरी 2026 माघी पूर्णिमा से पलोहा ग्राम पंचायत के जलाराम आश्रम काटजू नगर नर्मदा घाट से प्रारंभ हुई है जो नयाखेड़ा, टिमरावन, हीरापुर, भटेरा, टिमरावन होती हुई काटजूनगर घाट में 3 मार्च 2026 मंगलवार पूर्णिमा तक पूर्ण होगी।

महामंडलेश्वर श्री सुरेन्द्र दास जी महाराज (इंडियावाड़ा) के साथ अनेको संत व सूरज कुंड वाली माता जी भी नर्मदा परिक्रमा कर रही हैं । महाराज जी कहते है कि मां नर्मदा की पूजा करने से व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है मां नर्मदा के तटों पर लोग पूजा अर्चना कर अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जाते हैं । मां नर्मदा की महिमा और उत्तर वाहिनी परिक्रमा का अलग ही महत्व है । मां नर्मदा का भक्तों पर भरपूर आशीर्वाद रहता है मां नर्मदा का स्मरण करने से ही मन को शांति मिल जाती है । उत्तर वाहिनी परिक्रमा के प्रारंभ से मां नर्मदा के भक्तों में काफी उत्साह नजर आ रहा है प्रतिदिन मां नर्मदा के परिक्रमा में श्रद्धालु शामिल होकर मां नर्मदा के जयकारे लगाकर भजन गाते हुए चल रहे है श्रद्धालुओं द्वारा नर्मदा के घाटों पर विशेष पूजा अर्चना की जा रही है संतो का सानिध्य भी प्राप्त हो रहा है परिक्रमा के दौरान मां नर्मदा के भक्तों के लिए बाल भोग एवं भोजन प्रसादी की दोपहर में भटेरा के पंचकुटी आश्रम में सरपंच राजू लोधी एवं उनके सहयोगियों द्वारा रखी गई है।

प्रतिदिन दोपहर 2 बजे मां नर्मदा के भटेरा घाट पर संगीत के साथ मां नर्मदा की महा आरती हो रही है । शाम को जलाराम आश्रम काटजू नगर में प्रतिदिन भोजन प्रसादी की व्यवस्था रखी गई है। काटजू नगर घाट पर विशेष पूजा अर्चना के साथ संतों के सानिध्य में मां नर्मदा की महा आरती हो रही है लगभग 16 किलोमीटर की इस यात्रा में श्रद्धालुओं में माँ नर्मदा की अनोखी भक्ति देखने को मिल रही है । लोग हाथों में धर्म ध्वज लेकर मां नर्मदा की आराधना में लीन होकर उत्तर वाहिनी परिक्रमा कर रहे हैं । आयोजन समिति ने धर्म प्रेमी जनता से मां नर्मदा की उत्तर वाहिनी परिक्रमा में शामिल होने की अपील की है।

एनटीपीसी विंध्याचल ने आरसीआरमोड से 100वीं पोंड ऐश रेक किया रवाना

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल ने सतत विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए रेल-कम-रोड मोड के माध्यम से पोंड ऐश की 100वीं रेक सफलतापूर्वक प्रेषित की। यह ऐश एनएचएआई (वाराणसी प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट-रांची-वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे परियोजना) के लिए भेजी गई है। इस पहल का शुभारंभ 17 फरवरी 2026 को परियोजना प्रमुख(विंध्याचल) श्री संजीब कुमार साहा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री ए.जे. राजकुमार, महाप्रबंधक(मेंटेनेंस एवं एडीएम) श्री एम. सुरेश, अपर महाप्रबंधक(मानव संसाधन) श्रीमती मृणालिनी सहित ईएमडी, एयूडी, एमजीआर और एचआर विभागों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। उपलब्धि के उपलक्ष्य में संक्षिप्त पूजा-अर्चना भी की गई।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि एनटीपीसी विंध्याचल की सतत ऐश उपयोग और पर्यावरण-अनुकूल लॉजिस्टिक्स में अग्रणी भूमिका को पुनः स्थापित करती है। आरसीआर मॉडल के तहत लंबी दूरी के परिवहन में रेल का अधिकतम उपयोग तथा सड़क पर निर्भरता में कमी से ईंधन की बचत, यातायात दबाव में कमी और कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी सुनिश्चित होती है।

एंड-टू-एंड आधार पर पोंड ऐश की आपूर्ति राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना कार्यों में की जा रही है, जो देश में सड़क विकास को गति देने के साथ-साथ सर्कुलर इकोनॉमी के सिद्धांतों को भी सशक्त करती है। 100 रेक के सफल प्रेषण के साथ एनटीपीसी विंध्याचल ने सतत संचालन में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो भारत सरकार के हरित विकास और तीव्र अवसंरचना निर्माण के विजन के अनुरूप है।

शहादत का सम्मान अमर शहीद निरीक्षक स्व. आशीष शर्मा के भाई को उपनिरीक्षक पद पर मिली विशेष अनुकंपा नियुक्ति

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र की संयुक्त टीम द्वारा चलाए गए नक्सल विरोधी ऑपरेशन के दौरान निरीक्षक श्री आशीष शर्मा (म.प्र. हॉक फोर्स) ने अभूतपूर्व वीरता एवं साहस का परिचय देते हुए दिनांक 19.11.2025 को नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में वीरगति प्राप्त की थी।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा अमर शहीद, निरीक्षक स्व. श्री आशीष शर्मा का शासकीय कर्तव्य के दौरान पुलिस-नक्सल मुठभेड़ में वीरगति होने पर उनके भाई श्री अंकित शर्मा को जिला पुलिस बल में उप निरीक्षक के पद पर विशेष प्रकरण मानकर नियुक्ति प्रदान किए जाने का निर्णय लिया जाकर उन्हे उप निरीक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाकर जिला पुलिस बल नरसिंहपुर में पदस्थ किया गया था। मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार अमर शहीद निरीक्षक स्व. आशीष शर्मा के भाई श्री अंकित शर्मा ने 16.02.2026 को जिला नरसिंहपुर में उपनिरीक्षक पद का पदभार ग्रहण किया गया है इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने श्री अंकित शर्मा को उपनिरीक्षक पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री साई श्रद्धा सेवा समिति की ऐतिहासिक एवं अनुकरणीय पहल

डमरूघाटी में चढ़ने वाले हरित सामग्री से फिर बनाई जावेगी जैविक खाद

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

शिवधाम डमरूघाटी में महाशिवरात्रि से तीन दिवसीय महोत्सव चलता रहा जिसमें लाखों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही मेले के चलते भक्तों का उत्साह भी देखने को मिला। वही दूसरी ओर पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व पर ऐतिहासिक पहल समाजसेवी संगठन श्री साई श्रद्धा सेवा समिति द्वारा देखने को मिली। जहां भगवान शंकर पर श्रद्धालुओं द्वारा बेलपत्र, फूल, धतूरा, दूवा आदि हरित सामग्री चढ़ाई जाती थी उसे विसर्जित कर किया जाता था। लेकिन 2024 से श्री साई श्रद्धा सेवा समिति की पहल पर इस हरित सामग्री से कॉम्पोस्ट खाद हेतु एकत्रित किया गया। जिसे शहर के समस्त धार्मिक पेड़ पौधों में उपयोग किया जाता आ रहा है। इसी तारतम्य में समिति संस्थापक आशीष राय के नेतृत्व में समिति सदस्यों द्वारा विगत दिवसों की सेवा में करीब पांच क्विंटल हरित्र सामग्री एकत्रित की गई। जिसे समिति द्वारा कॉम्पोस्ट खाद हेतु नगर पालिका श्मशान घाट स्थित प्लांट में तैयार कर खाद बनाकर धार्मिक स्थलों पर लगे पेड़ पौधों में डाला जाएगा। इस अवसर पर डमरूघाटी समिति अध्यक्ष हंसराज मालपानी,उपाध्यक्ष रवि शेखर जायसवाल, सचिव चंद्रकांत शर्मा, कोषाध्यक्ष जिनेश जैन सहित अन्य सदस्यों ने साई श्रद्धा सेवा समिति के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा साई समिति की पहल के चलते डमरूघाटी मंदिर देश के अन्य धार्मिक मंदिरों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बन गया है जो हम सभी के लिए गौरव की बात है।

स्वच्छता में 15 वर्ष से दे रहा सेवा

महाशिवरात्रि पर आयोजित शिवधाम डमरूघाटी मेले में नंदी प्रांगण में करीब 15 वर्ष से श्री साई श्रद्धा सेवा समिति ने साफ सफाई की व्यवस्था की जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए स्वच्छता अभियान चलाती आ रही है। इस वर्ष भी समिति ने हरित सामग्री पृथकीकरण के साथ साथ अगरबत्ती पेंकिट, नारियल बूछों इत्यादि कचरे को साफ किया एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरण भी किया गया। इस अवसर पर समिति संस्थापक आशीष राय,बबलू दवाईवाला, धनराज यादव, चेतन विश्वकर्मा, अमित कोरी, राहुल रजक, नमन शुक्ला, राजा अहिरवार, यश कुर्मी, लकी रजक,मोहित सोनी, आदर्श विश्वकर्मा, सूर्या चौहान, कोमल वर्मा, ओम राजपूत, आशीष कुशवाहा, यश कुशवाहा, हरिओम श्रीवास, राज कुमार, आकाश यादव, चंदन गोलंदाज, चिराग चौहान सहित इत्यादि सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

अक्षय तृतीया पर 19 अप्रैल को करेली में आयोजित होगा सामूहिक विवाह सम्मेलन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजनांतर्गत वर्ष 2026- 27 में अक्षय तृतीया के अवसर पर 19 अप्रैल 2026 को कृषि उपज मंडी करेली में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होने वाले इच्छुक हितग्राहियों से 5 अप्रैल 2026 के पूर्व आवश्यक दस्तावेजों सहित जिला कार्यालय उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण नरसिंहपुर के कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती अंजना त्रिपाठी ने बताया कि कन्या एवं कन्या के अभिभावक गरीबी रेखा के नीचे (बीपीएल) जीवन यापन करते हों, जिनका बीपीएल पोर्टल पर सत्यापन अनिवार्य है। कन्या के परिवार का बीपीएल कार्ड न होने की स्थिति में कर्मकार मंडल कार्ड का होना अनिवार्य है। वर एवं कन्या की समग्र आईडी आधार कार्ड से ई-केवायसी होना अनिवार्य है।

वेद विभाग द्वारा भारतीय सेना के प्रति युवाओं में जागरूकता

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलवामा आतंकी हमले में बलिदान हुए वीर शहीदों की स्मृति में 14 फरवरी को महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा के संरक्षण में भारतीय सेना के प्रति युवाओं में जागरूकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर दो सत्र संचालित किया गया। प्रथम सत्र भारतमाता की पूजार्चना से हुआ, तत्पश्चात् शहीद मंगल पांडेय को स्मारक पर माल्यार्पण कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं द्वितीय सत्र में भारतीय सेना के प्रति युवाओं में जागरूकता विषय पर व्याख्यान संगोष्ठी हुई। प्रथम सत्र में डॉ. के.के. त्रिपाठी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के सुझावानुसार यह कार्यक्रम मध्याह्न में पेंडरई ग्राम स्थित मंगल पांडेय स्मारक के समीप सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारतमाता की पूजा-अर्चना से हुआ, तत्पश्चात् शहीद मंगल पांडेय को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सभी गणमान्यजनों ने पुलवामा हमले सहित राष्ट्र की रक्षा में बलिदान देने वाले समस्त वीर जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता योग विभागाध्यक्ष डॉ. नित्येश्वर चतुर्वेदी ने की। ग्राम पेंडरई के सरपंच अखिल दुबे विशेष अतिथि रहे तथा स्मारक निर्माता महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ, करौंदी के आचार्य ललित गौतम मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ आलोक चन्द्र परिडा ने उद्देश्य कथन में कहा-राष्ट्र रक्षा के समान कोई पुण्य नहीं, न ही कोई व्रत या यज्ञ है। अतः राष्ट्र रक्षा ही सर्वोपरि है। तत्पश्चात् अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने शहीदों के अदम्य साहस, राष्ट्रनिष्ठा एवं त्याग को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए राष्ट्रसेवा के संकल्प को सुदृढ़ करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रकाश गर्ग पेंडरई एवं सविता बाजपेई महनेर नामक भिन्न भिन्न स्थान के शहीद परिवारों के सदस्यों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र से सम्मान किया गया।

इस गरिमामयी अवसर पर पेंडरई ग्राम तथा समीपस्थ डॉ सुनील गर्ग, सुदर्शन मिश्र, सौरभ मिश्र, प्रभृति गणमान्यजन उपस्थित रहे एवं विश्वविद्यालय के डॉ. नवीन चौबे, अशोक सिंह, डॉ.खुशेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. चन्द्रशेखर मिश्र, डॉ. अंकित राठौर, हरिनारायण शर्मा , धनीराम त्रिपाठी, स्वतन्त्र द्विवेदी, किशोर महलोनिया, श्रीमती माधुरी गर्ग, श्रीमती रंजिता परौहा सहित छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं शहीदों के आदर्शों को आत्मसात् करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में समय 2 बजे से स्थान आभासीय जूम पटल के माध्यम से महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के वेद विभाग एवं ग्लोबल संस्कृत फोरम मध्यप्रदेश प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय सेना के प्रति युवाओं में जागरूकता विषय पर कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा के संरक्षण में प्रो. मानवेन्द्र पाण्डेय महोदय के कुशल मार्गदर्शनेन से एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया।

डॉ चन्द्रशेखर मिश्र द्वारा मंगलाचरण से व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। डॉ. खुशेन्द्र देव चतुर्वेदी ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. आलोक चन्द्र परिडा वेद विभागाध्यक्ष ने कार्यक्रम का उद्देश्य वेदोपनिषदोक्त अनेकों उदाहरणों से स्पष्ट किया। राष्ट्ररक्षा को स्वधर्म कर्तव्य कहते हुए उन्होंने कहा स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावह श्रीमद्भगवद्गीता 3.35 जिसका अर्थ है. अपने कर्तव्य स्वधर्म का पालन करते हुए मृत्यु प्राप्त करना भी श्रेष्ठ है, लेकिन दूसरे का कर्तव्य पर धर्म अपनाना विनाशकारी है। अतः हम सभी को राष्ट्ररक्षा हेतु वीर शहीदों के आत्माहुति के स्मरण में सदैव कर्तव्यपरायण होकर स्वधर्म एवं स्वकर्म यज्ञ में ष्राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय, इदं न मम अर्थात् यह सब राष्ट्र के लिए है, मेरे लिए नहीं ऐसी आहुतियां प्रदान करनी चाहिए, जिससे हमारी प्रार्थना से स्वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः यजुर्वेद 9.23 जसका अर्थ है, हम राष्ट्र के पुरोहित सजग चिंतक बनकर राष्ट्र को सदैव जागृत और जीवंत बनाए रख पायेंगे। तत्पश्चात् कार्यक्रम के मुख्यवक्ता जे.वी. पाण्डेय ने भारतीय सेना के गौरवशाली इतिहास, वर्तमान चुनौतियों तथा युवाओं के लिए उपलब्ध करियर अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सेना की आपदा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय संकट के समय निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का भी उल्लेख किया।

विशिष्ट वक्ताओं में धर्मगुरू संजय रथ ने राष्ट्रसेवा को सर्वोच्च धर्म बताते हुए युवाओं को आत्मबल एवं चरित्र निर्माण की प्रेरणा दी एवं प्रार्थना को दैवीय शक्ति बताते हुए कहा कि हमारी सत्प्रार्थना राष्ट्र रक्षा में सन्नद्ध सेना को शक्तिशाली बनाती है एवं पारिवारिक समस्याओं से मुक्त करने में मदद करती है। तदुपरान्त प्रवक्ता धर्मगुरू जलज शर्मा ने वैदिक परंपरा में राष्ट्ररक्षा की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी इति श्रीराम जी प्रोक्त सन्दर्भ को बताते हुए राष्ट्ररक्षा को सर्वोपरि बताते हुए भारतीय सेना के आदर्शों को धर्म और कर्तव्य से जोड़ा। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेश कुमार मिश्र ग्लोबल संस्कृत फोरम तथा संयोजक डॉ. आलोक चन्द्र परिडा वेद विभागाध्यक्ष के कुशल निर्देशन में संगोष्ठी सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुई। सह-संयोजक डॉ. चन्द्रशेखर मिश्र, डॉ. नेहा मिश्रा, हरिनारायण शर्मा एवं धनीराम त्रिपाठी का विशेष योगदान रहा। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में सम्मिलित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस संगोष्ठी में भारत के भिन्न भिन्न राज्यों से प्रायशः 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। यह संगोष्ठी युवाओं में राष्ट्रभक्ति एवं भारतीय सेना के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री रिश्वत लेते गिरफ्तार

लोकायुक्त पुलिस जबलपुर की टीम ने की कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। लोकायुक्त पुलिस जबलपुर की टीम ने कटनी में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। लोकायुक्त ने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री व्ही ए सिद्दीकी को 20 हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। लोकायुक्त की रेड से पूरे जिले में हड़कप मच गया है। बताया जाता है कि जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री व्ही ए सिद्दीकी द्वारा किसी काम के सिलसिले में 50 हजार रूपए की मांग की जा रही थी। लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि शिकायत मिलने पर जांच शुरू की गई थी, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि कार्यपालन यंत्री द्वारा कुछ योजनाओं में अनुमति और कार्य के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त की टीम ने ट्रैप ऑपरेशन जाल बिछाकर कार्रवाई की योजना बनाई। इसी के तहत जब सिद्दीकी ने निर्धारित राशि 20 हजार रुपये ली तो लोकायुक्त टीम ने उन्हें मौके पर दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पकड़ी गई रकम भी जप्त कर ली गई है और सिद्दीकी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। लोकायुक्त की यह कार्रवाई भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ जारी अभियान का एक और उदाहरण है, जिससे स्पष्ट संदेश जाता है कि सरकारी सेवाओं में किसी भी स्तर पर रिश्वत और अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जबलपुर में पिछले कुछ महीनों में लोकायुक्त टीम ने कई अन्य मामलों में भी सरकारी कर्मचारियों को रंगे हाथ ट्रैप किया है, जिससे भ्रष्टाचार रोधी तंत्र की सक्रियता और जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की प्रतिबद्धता सामने आ रही है।

बिना परमिट दौड़ रही बसों पर कसेगा शिकंजा

कटनी (स्वतंत्रमत)

सड़कों पर बिना परमिट और निर्धारित रूट का उल्लंघन कर संचालित हो रही बसों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग ने ऐसे बस ऑपरेटरों पर शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। प्रदेश में नए परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के पदभार ग्रहण करने के बाद विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है और 16 फरवरी से प्रदेशव्यापी विशेष जांच अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर के साथ कटनी शहर में भी परमिट उल्लंघन की बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर विस्तृत डेटा विश्लेषण भी किया जा रहा है। भोपाल में भी विशेष अभियान चलाकर विभिन्न रूटों पर संचालित बसों की सघन जांच की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी परिवहन कार्यालय ने सालभर जांच अभियान चलाया था, लेकिन इसके बावजूद कई बस संचालकों द्वारा नियमों का उल्लंघन जारी रहा। अब एक बार फिर बड़े पैमाने पर जांच की जाएगी। भोपाल से प्रतिदिन सैकड़ों बसों का संचालन होता है। इन बसों में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। जांच के दौरान खामियां पाए जाने पर बसों की जती के साथ ही जुर्माना लगाया जाएगा। विभाग का मानना है कि लगातार कार्रवाई से बस संचालक कमियां दूर करने को मजबूर होते हैं, जिससे दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगता है। स्लीपर बसों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी। फायर डिटेशन एंड सप्रेशन सिस्टम, आपातकालीन द्वार, ओवरलोडिंग और ड्राइवर केबिन में नियमों के विरुद्ध बने पार्टीशन जैसे मामलों में सत कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और सड़क परिवहन व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाना है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं 138 आवेदकों की समस्याएं

समस्याओं के निरकारण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे 138 लोगों कि समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल उपसंचालक खनिज रत्नेश दीक्षित, जिला रोजगार अधिकारी डीके पासी जिला प्रबंधक लोक सेवा दिनेश विश्वकर्मा, जिला पंजीयत पंकज कोरी, जिला अबकारी अधिकारी विभा मरकाम, जिला श्रम अधिकारी केवी मिश्रा सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे। जनसुनवाई में कलेक्टर को ग्राम बिलहरी के निवासियों ने संयुक्त रूप से आवेदन देकर बताया कि विनोद शंकर शर्मा द्वारा शासकीय भूमि एवं सार्वजनिक मुक्तिधाम पर अवैध खनन कर अवैध कब्जा किया गया था। प्रशासन द्वारा कब्जा हटा दिया गया है। लेकिन उत्खनन कार्य में लगे जेसीबी मशीन और ट्रेक्टर ट्राली पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। कलेक्टर श्री तिवारी ने उपसंचालक खनिज को इस मामले में समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अल्फटगंज निवासी अब्दुल सत्तार ने नजूल भूमि के धारणाधिकार संबंधित समस्या के निराकरण करने का आग्रह किया जिस पर कलेक्टर ने प्रभारी अधिकारी नजूल को नियमानुसार समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष ने आवेदन देकर सहकारी समिति के विक्रेता कर्मचारियों के वेतन में विसंगतियों का निराकरण करने का आग्रह किया। जिस पर कलेक्टर ने सहायक आयुक्त सहकारिता को इस मामले में शासन के निर्देशानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटवाएं

कलेक्टर श्री तिवारी को जनसुनवाई में ग्रामपंचायत धूरी बहोरीबंद के सरपंच हेमलता और पंचो ने आवेदन देकर बताया कि खसरा नंबर 2060 रकवा 0.32 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में मुख्य कार्यपालन अधिकारी बहोरीबंद के नाम पर दर्ज है। इस खसरे में गांव के ही नारायण सोनी द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया है,जबकि इस जमीन पर सामुदायिक भवन बनना प्रस्तावित है। भवन का कार्य पलिंथलेवल तक हो चुका है। इस लिए इस कार्य को सतत जारी रखने अवैध कब्जे पर एसडीएम बहोरीबंद द्वारा दिए गए स्थगन आदेश को हटाने का आग्रह किया गया। जिस पर कलेक्टर श्री तिवारी ने एसडीएम बहोरीबंद को नियमानुसार समुचित कार्यवाही के निर्देश दिए है।

आक्रोशित अधिवक्ताओं ने काम बंदकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)

शिवपुरी में अधिवक्ता संजय सक्सेना की निर्मम हत्या के विरोध में जिला अधिवक्ता संघ, कटनी ने गहरा रोष व्यक्त किया। संघ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपकर अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम (एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट) को तत्काल लागू करने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि विगत 14 फरवरी को शिवपुरी में अधिवक्ता संजय सक्सेना जब नियमित न्यायालयीन कार्य के लिए जा रहे थे, तब उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस जघन्य घटना से पूरे प्रदेश का अधिवक्ता समाज न केवल आहत है बल्कि स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है। घटना के विरोध में आज जिले के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। जिला अधिवक्ता संघ ने शासन के समक्ष जो माँगें रखी हैं उनके मुताबिक दोषियों पर कठोर कार्रवाई

शिवपुरी हत्याकांड के अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। वर्षों से लंबित 'अधिवक्ता प्रोटेशन एक्ट' को बिना किसी देरी के पूरे प्रदेश में लागू किया जाए ताकि वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मृतक अधिवक्ता के परिवार को कम से कम 1 करोड़ रुपये का मुआवजा प्रदान किया जाए। परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। माँग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। संघ के अध्यक्ष अमित शुक्ला, सचिव राजकुमार तिवारी एवं अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि शासन द्वारा बार-बार आश्वासन देने के बावजूद अधिवक्ताओं की सुरक्षा के प्रति संवेदनहीनता बरती जा रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता मिथलेश जैन ने कहा कि सरकार ने जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए और उक्त एक्ट लागू नहीं किया, तो अधिवक्ता समाज उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

जनता की आवाज बनी जनसुनवाई, महापौर के निर्देश पर कई मामलों का हुआ तत्काल समाधान

नागरिक समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल बनी महापौर जनसुनवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर निगम द्वारा नागरिक समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं बेहतर प्रशासनिक संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से मंगलवार को मेयर इन काउंसिल कक्ष में महापौर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चले इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएँ लेकर उपस्थित हुए। जनसुनवाई के दौरान महापौर का सक्रिय एवं संवेदनशील रुख देखने को मिलाए जहाँ उन्होंने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कई मामलों में मौके पर ही समाधान होने से नागरिकों के चेहरे पर संतोष नजर आया। महापौर ने स्पष्ट किया कि नगर निगम का लक्ष्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि हर नागरिक को समय पर समाधान उपलब्ध कराना है, ताकि आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। इस दौरान सड़क सुधार, सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, अतिक्रमण, खाद्य पर्ची, जन्ममृत्यु प्रमाण पत्र तथा नाली-नालों से जुड़ी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। महापौर ने प्रत्येक प्रकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के स्पष्ट निर्देश दिए। मंगलवार 16 फरवरी को आयोजित जनसुनवाई में कुल 49 आवेदन प्राप्त हुएए जिनमें से 18 मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पूर्व प्रकरणों की समीक्षा समयबद्ध समाधान पर जोर

महापौर ने इस अवसर पर पूर्व में आयोजित जनसुनवाइयों में प्राप्त प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए उनके निराकरण में तेजी लाने तथा लंबित मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी शिकायतों का समयबद्ध निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। नागरिकों की समस्याओं के निरंतर समाधान एवं बेहतर प्रशासनिक संवाद के लिए आगामी मंगलवारों को भी जनसुनवाई कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा।

कटनी पुलिस द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को प्रत्यक्ष रूप से सुनने तथा उनका त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कटनी पुलिस द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम, कटनी में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित हुए। पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा सभी मामलों में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को स्पष्ट एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। जनसुनवाई के दौरान कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें प्रमुख रूप से भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न एवं थानों से संबंधित शिकायतें शामिल रहीं। सभी फरियादियों की समस्याओं को एक-एक कर सुना गया तथा प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए गए। कटनी पुलिस द्वारा आयोजित इस जनसुनवाई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं को सीधे सुनकर प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान करना है, ताकि किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से थानों के चक्कर न काटने पड़ें तथा पुलिस जन संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

सनशाइन एकेडमी ने दी बच्चों को बिदाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन अकेडमिक रायबाड़ा के बच्चों का विदाई समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें नृत्य, संगीत, रैंप वॉक, फैशन शो और अन्य प्रतिभाएं शामिल थीं। इसमें समारोह मे तीनों ब्रांचेस की भागीदारी सराहनीय थी। कार्यक्रम का शुभआरंभ दीप प्रज्वलित और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया और उन्हें विभिन्न शीर्षक नवाज़े गए। इस आयोजन पर स्कूल की निर्देशिका श्रीमती जूही जैन और प्रिंसिपल मैम श्रीमती सीमा दुबे, वाइस प्रिंसिपल शबनम अख्तर मेम की उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों की उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनुशासन, मेहनत और संस्कार ही सफलता की कुंजी है, और विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने की कामना की।

मैच रद्द होने से जिम्बाब्वे पहली बार सुपर आठ में, ऑस्ट्रेलिया बाहर

पल्लेकेले (वार्ता)।

पल्लेकेले में बारिश की वजह से जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच टी20 विश्व कप मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द हो गया और ज़िम्बाब्वे सुपर 8 का टिकट पाने वाली 7वीं टीम बन गई। इसका मतलब यह भी है कि ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड दोनों के लिए यह सफर खत्म हो गया है। ज़िम्बाब्वे ग्रुप बी से आगे बढ़ने वाली दूसरी टीम बन गई, जिसका मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया अब अगले स्टेज की दौड़ से बाहर हो गया है। मंगलवार को आयरलैंड के साथ पॉइंट्स बांटने के बाद, ज़िम्बाब्वे के तीन मैचों में पांच पॉइंट्स हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के सिर्फ दो पॉइंट्स हैं और अगर वे शुक्रवार को ओमान के खिलाफ आखिरी ग्रुप गेम जीत भी जाते हैं, तो भी वे सिकंदर रजा की टीम की बराबरी नहीं कर पाएंगे।

यह पहली बार है जब ज़िम्बाब्वे सुपर आठ या टी 20 वर्ल्ड कप के दूसरे स्टेज में पहुंचा है। पूरे दिन बारिश का अनुमान था और दुख की बात है कि बारिश कम नहीं हुई और कोई खेल नहीं हो सका। तो, सुपर 8 ग्रुप जी1 का काम पूरा हो गया है। इसमें भारत, दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज और ज़िम्बाब्वे हैं, ये सभी इंडिया में मैच खेल रहे हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान/अमेरिका में से कोई एक सुपर 8 ग्रुप जी2 में होंगे और उनके मैच कोलंबो और पल्लेकेले में होंगे।

ड्रेसिंग रूम के सामने ज़िम्बाब्वे के सपोर्टर्स बेहद खुश हैं । बाहर पार्टी का माहौल है और खिलाड़ी भी जश्न में शामिल हो गए हैं। बहुत सारे शोरगुल वाले चेहरे, खूब तालियां, क्रिकेटर साफ तौर पर बहुत खुश दिखे और उम्मीद है कि इस सपोर्ट ग्रुप से उनका हौसला बढ़ेगा। वे आगे श्रीलंका का सामना करेंगे और फिर सुपर आठ के लिए भारत जाएंगे। चार बड़े गेम आने वाले हैं और वे निश्चित रूप से और भी हलचल मचाने की उम्मीद करेंगे।

लाजोविच रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंचे

रियो डी जेनेरो (वार्ता) सर्बियाई क्वालिफायर डुसान लाजोविच जर्मनी के सातवें सीड डेनियल अल्टमायर को 6-4, 7-6 (7) से हराकर रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंच गए। लाजोविक, जिन्होंने लकी लूज़र के तौर पर मेन ड्रॉ में जगह बनाई थी, ने सोमवार को जॉकी क्लब ब्रासीलीरो के आउटडोर क्ले कोर्ट पर दो घंटे और दो मिनट में अपनी पहली सर्व पर 79 परसेंट पॉइंट जीते और नेट पर 14 में से 12 पॉइंट लेकर जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 54 अल्टमायर ने आठ एस मारे लेकिन 38 अनफोर्स्ड गलतियां कीं और अपनी दूसरी सर्व पर सिर्फ 39 परसेंट पॉइंट जीते। 129वीं रैंक वाले लाजोविच एटीपी 500 इवेंट के अगले राउंड में चिली के टॉमस बैरियोस वेरा या इटली के माटेओ बेरेटिनी से भिड़ेंगे। सोमवार को पहले दौर के अन्य मैचों में, चेक गणराज्य के विट कोप्रिवा ने स्थानीय पसंदीदा गुस्तावो हीडे को 6-2, 7-6 (5) से हराया, चिली के एलेजांद्रो ताबिलो ने अमेरिकी एमिलियो नवा को 6-3, 6-3 से हराया और अर्जेंटीना के थियागो तिरांटे ने चिली के क्रिस्टियन गारिन को 7-5, 6-3 से हराया।

युवराज सामरा के ऐतिहासिक शतक के बावजूद

कनाडा को मिली हार, न्यूजीलैंड सुपर-8 में

चेन्नई (वार्ता)। ग्लेन फ़िलिप्स (नाबाद 76) और रचिन रविंद्र (नाबाद 59) की आक्रामक पारियों के दम पर न्यूज़ीलैंड ने टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर ली है। कनाडा के ख़िलाफ चेन्नई में मिले 174 रनों के लक्ष्य को न्यूज़ीलैंड ने आठ विकेट और 29 गेंद शेष रहते हासिल किया। इससे पहले कनाडा ने युवराज सामरा (110) के दम पर 173/4 का स्कोर खड़ा किया था। हालांकि, टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने सामरा को जीत नसीब नहीं हुई। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए सामरा ने पहले ओवर की आख़िरी दो गेंदों पर मैट हेनरी को लगातार दो चौके लगाए। दूसरे ओवर में जैकब डफ़ी ने केवल पांच रन दिए और तीसरे ओवर से भी पांच ही रन आए। चार ओवर के बाद कनाडा का स्कोर 26/0 था। पावरप्ले का आख़िरी ओवर जेम्स नीशम लेकर आए जिनके ख़िलाफ सामरा ने आक्रामक रुख

अपनाया। इस ओवर में सामरा ने लगातार तीन चौके और फिर एक छक्का लगाया। 18 रन के इस ओवर के बाद कनाडा ने पावरप्ले में अपने 50 रन पूरे कर लिए।

पावरप्ले के बाद अगले चार ओवर में न्यूज़ीलैंड ने अच्छी वापसी की और कनाडा को केवल 25 रन ही मिले। 19 साल के सामरा ने केवल 36 गेंदों में अपना पहला टी20 विश्व कप अर्धशतक लगाया। पारी के 13वें ओवर में सामरा ने मकोंची को पहली तीन गेंदों पर 6, 6, 4 के साथ तीन बाउंड्री लगाई। 19 रन के इस ओवर ने कनाडा को मोमेंटम वापस दिया और 13 ओवर के बाद स्कोर 102/0 था। जेमीसन को चौका लगाते हुए 19 साल के सामरा ने केवल 58 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इसके साथ ही वह टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाले एसोसिएट देशों के पहले बल्लेबाज भी बने। हालांकि, 18वें ओवर में नवनीत धालीवाल सात गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुए। आख़िरी गेंद पर सामरा का कैच छूटा और 18 ओवर के बाद कनाडा 158/2 के स्कोर पर थी। अंतिम तीन ओवर में केवल 23 रन देते हुए न्यूज़ीलैंड के गेंदबाज़ों ने अपनी टीम की वापसी कराई। डफ़ी ने चार ओवर में केवल 25 रन देकर एक विकेट लिया और सबसे किफ़ायती गेंदबाज़ रहे। स्कोर का बचाव करते हुए पहले ओवर में ही जसकरण सिंह ने 14 रन दे दिए।

अगले ओवर में भी 15 रन आए। दो बड़े ओवर के बाद कनाडा की वापसी अनुभवी साद बिन जफर ने कराई और अपनी चौथी गेंद पर उन्होंने टिम सीफर्ट को कैच आउट कराया। अगले ही ओवर की पहली गेंद पर फिन ऐलन भी कैच आउट हुए। इन दो ओवरों में केवल छह रन ही बने थे। पावरप्ले के आख़िरी दो ओवर में 25 रन बटोरते हुए न्यूज़ीलैंड ने पहले छह ओवर में 60 रन बना लिए। फ़िलिप्स ने केवल 22 गेंदों में अपना पचासा छक्के से पूरा किया और रविंद्र के साथ शतकीय साझेदारी भी पूरी की।

सकारात्मक अंदाज में अपना अभियान समाप्त करना चाहता है इटली

कोलकाता(वार्ता)। टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप सी में लगातार दूसरी हार के बावजूद इटली अपने अभियान को सकारात्मक अंदाज में खत्म करना चाहता है। हार के बावजूद, इटली की टीम ने दुनिया की टॉप टी 20 टीमों में से एक, इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने जुझारू प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया, जिससे पता चलता है कि वह अपने पहले वर्ल्ड कप में ग्लोबल स्टेज पर तेज़ी से आगे बढ़ रही है, ऐसा इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की वेबसाइट के अनुसार है। स्टैंड-इन कप्तान हैरी मैनेंटी ने टूर्नामेंट को टीम के लिए एक अनोखा अनुभव बताया। हार के बाद मैनेंटी ने कहा, हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने हमारी तैयारी से पहले लाइट्स में नहीं खेला है। वे बस जोफ्रा आर्चर और दूसरों का सामना लाइट्स में शायद 15,000 लोगों के सामने कर रहे थे। जब आप आराम से बैठकर इसकी तारीफ करते हैं, तो यह काफी प्रभावशाली बात होती है। उन्होंने कम समय में इटली की शानदार बढ़त पर ज़ोर दिया। हम रोम से आए थे, जहाँ हम यूरोप के छोटे देशों के खिलाफ सिंथेटिक क्रिकेट खेलते थे। लेकिन हम वहाँ से 18 महीने के अंदर ईडन गार्डन्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेलने तक पहुँच गए हैं।

अपनी लय बनाए रखने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

नयी दिल्ली (वार्ता)।

दक्षिण अफ्रीका और यूएई ग्रुप डी में आमने-सामने हैं, जिसमें एक टीम के लिए क्वालिफ़िकेशन अब चिंता की बात नहीं है और दूसरी के लिए अब मुमकिन नहीं है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही सुपर आठ में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि यूएई की क्वालिफ़िकेशन की थोड़ी सी उम्मीदें न्यूज़ीलैंड की कनाडा पर जीत के बाद खत्म हो गईं, इस नतीजे में अफ़गानिस्तान भी बाहर हो गया। दक्षिण अफ्रीका के लिए, यह मैच अगले राउंड से पहले लय को ठीक करने और बनाने के बारे में है, जबकि यूएई का लक्ष्य अपने ग्रुप अभियान को एक मजबूत प्रदर्शन के साथ खत्म करना होगा।

दक्षिण अफ्रीका का अभियान बैलेंस और कंट्रोल पर बना है। 2024 एडिशन के रनर-अप ने कनाडा पर जबरदस्त जीत के साथ शुरुआत की, अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ दो-सुपर-ओवर के रोमांचक मुकाबले में हिम्मत बनाए रखी, और इसके बाद न्यूज़ीलैंड के

ख़िलाफ एक और ज़बरदस्त प्रदर्शन किया। उनकी बैटिंग ने हर ऑर्डर में योगदान दिया है, जिससे उन्हें शुरुआती विकेट गिरने पर भी वापसी करने में मदद मिली, जबकि बॉलिंग यूनिट ने जरूरी मौकों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। पेस अटैक ने टोन सेट किया है, केशव महाराज की स्पिन ने बीच के ओवरों में कंट्रोल दिया, जिससे उन्हें ऑल-राउंड मजबूती मिली। इस बीच, यूएई का टूर्नामेंट मिला-जुला रहा है। न्यूज़ीलैंड से भारी हार के बाद, उन्होंने कनाडा पर एक छोटी जीत के साथ प्रभावशाली जवाब दिया, जिससे उनके कैंपेन में थोड़ी देर के लिए जान आ गई, लेकिन अफगानिस्तान के ख़िलाफ फिर से हार गए। बल्ले और गेंद दोनों से इंडिविजुअल प्रदर्शन उत्साहजनक रहे हैं, और अपने सबसे अच्छे रूप में उन्होंने अलग-अलग चरणों में अनुशासन और संयम दिखाया है। क्वालिफ़िकेशन अब संभव नहीं होने के कारण, यूएई का ध्यान मजबूती से फ़िनिश करने और इस मैच से मिले कॉन्फ़िडेंस को भविष्य के टूर्नामेंट में ले जाने पर होगा। दिल्ली में अब तक चार मैच खेले गए हैं, जिसमें बाद में बैटिंग करने वाली टीमों ने 150-160 रेंज के टारगेट का पीछा करते हुए 3-1 की बढ़त हासिल की है। यहां पहले बैटिंग करने वाली टीम तब जीती थी जब भारत ने नामीबिया के खिलाफ 209 रन बनाए थे।

दक्षिण अफ्रीका: क्वालिफिकेशन पक्का होने के बाद, दक्षिण अफ्रीका के सामने अपने रिसोर्स को रोटेट करने या एक आजमाई हुई ग्रुप के साथ बने रहने का ऑप्शन है। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 12 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया है, जिसमें जेसन स्मिथ, एनरिक नोर्त्जे और क्वेना मफाका अभी भी अपने पहले गेम का इंतजार कर रहे हैं।

संभावित 11: एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), रयान रिकेल्टन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, कगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी

यूएई अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ अपने पिछले गेम में कुछ बदलाव करने के बाद उसी 11 के साथ रह सकता है, जिसमें सिमरनजीत सिंह और सैयद हैदर को शामिल किया गया था।

संभावित 11: आर्यांश शर्मा (विकेट कीपर), मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफ़ू, सोहैब खान, सैयद हैदर, हर्षित कौशिक, मुहम्मद अरफ़ान, हैदर अली, सिमरनजीत सिंह, जुनैद सिद्दीकी, मुहम्मद जवादुल्लाह

शौर्य भट्टाचार्य ने पहले राउंड में बढ़त बनायी

कोलकाता (वार्ता)। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के तीन बार के विजेता शौर्य भट्टाचार्य ने कोलकाता के टॉलीगंज क्लब में खेले जा रहे 1.5 करोड़ रुपये की डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप के पहले राउंड में मंगलवार को रफ़्तार तय की और बढ़त बना ली। 23 साल के शौर्य, जो पिछले हफ़्ते एशिया में टॉप-10 में आए थे और 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई सीजन का अपना पहला इवेंट खेल रहे थे, पार-70 कोर्स पर सिक्स-अंडर 64 के अपने पहले राउंड में दो ईगल के साथ लीडरबोर्ड में टॉप पर पहुँच गए। दिल्ली के भट्टाचार्य के हमनाम शौर्य शर्मा, जो एक प्रोफेशनल के तौर पर अपना दूसरा सीजन खेल रहे हैं, ने 65 का स्कोर किया और मनीष ठाकरान के साथ दूसरे नंबर पर रहे, जो पिछले साल पीजीटीआई नेक्सजेन के विजेता थे। 10वें होल से शुरू करने के बाद, शौर्य भट्टाचार्य पहले पांच होल में शानदार फॉर्म में थे, जहां उन्होंने 13वें होल पर दो बर्डी और एक ईगल बनाया, जिसमें से दूसरा चिप-इन की वजह से आया। 16वें होल पर शौर्य की बोगी ने उनके राउंड को खराब नहीं किया क्योंकि उन्होंने चौथे होल पर एक और ईगल और उसके बाद सातवें होल पर एक बर्डी लगाई। भट्टाचार्य ने चौथे होल पर 110 यार्ड से अपना अप्रोच शॉट होल करके ईगल-टू बनाया। पिछले सीजन में अपनी दो जीत की वजह से डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई रैंकिंग में तीसरे नंबर पर रहे शौर्य ने कहा, मुझे खुशी है कि मैं बहुत कंसिस्टेंट रहा हूँ और ज़्यादातर फेयरवे और ग्रीन्स पर पहुँच रहा हूँ।

चावल कमजोर, गेहूं, चीनी मजबूत-दालों, तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव घट गये। वहीं, गेहूं और चीनी में तेजी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत चार रुपये घटकर 3,842 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत तीन रुपये बढ़कर 2,853 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। आटा आठ रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 15 रुपये और चना दाल की 12 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मसूर दाल 11 रुपये सस्ती हुई। मूंग दाल की कीमत नौ रुपये और उड़द दाल की आठ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। विदेशों में मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.74 प्रतिशत की बढ़त में 57.44 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों

में सोया तेल की औसत कीमत 12 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंगफली तेल 33 रुपये और सरसों तेल 29 रुपये सस्ती हुई। वनस्पति में 19 रुपये और सूरजमुखी तेल में 15 रुपये की गिरावट रही। पाम ऑयल की कीमत तीन रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 12 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी नौ रुपये महंगी हुई।दाल चना 7791.86 रुपये, मसूर काली 8113.38 रुपये, मूंग दाल 10137.30 रुपये, उड़द दाल 10657.51 रुपये, तुअर दाल 11093.44 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2852.86 रुपये और चावल 3841.85 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3315.19 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4293.75 रुपये और गुड़ 4982.60 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

नेशनल स्माल इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन अनुसूची ए का उपक्रम घोषित

नयी दिल्ली (वार्ता)। सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्धन में लगे केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय के उपक्रम नेशनल स्माल इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लि. को अनुसूची ए के केंद्रीय उपक्रम का दर्जा दिया गया है। उच्च स्तर का कार्य प्रदर्शन करने वाले केंद्रीय उद्यम इस श्रेणी में रखे जाते हैं। महारत्न और नवरत्न श्रेणी उपक्रम इसी श्रेणी में आते हैं। एनएसआईसी को अभी तक अनुसूची बी में रखा गया था। एनएसआईसी की एक विज्ञप्ति के अनुसार वित्त मंत्रालय के लोक उपक्रम विभाग ने 13 फरवरी , 2026 को जारी एक अधिसूचना में उसे अनुसूची ए का केंद्रीय उपक्रम घोषित किया है। एनएसआईसी सूक्ष्म , छोटी और मझोली इकाइयों को कौशल, क्षमता निर्माण, प्रतिस्पर्धा क्षमता विकास, विपणन में सहायता, वित्तीय संसाधन जुटाने में मदद तथा कारोबार के विस्तार के लिए शेयर पूंजी के रूप में मदद करता है। वर्ष 2024-25 में कंपनी ने 3431 करोड़ रुपये के परिचालन राजस्व के साथ 146.3 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।

एयर इंडिया और लुफ्थांसा ने कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए किया सहयोग

नयी दिल्ली (वार्ता)। एयर इंडिया और लुफ्थांसा समूह ने आपसी सहयोग को और आगे बढ़ाते हुए एक-दूसरे के यात्रियों के लिए भारत और यूरोप में साझा कनेक्टिविटी का विस्तार करने के लिए मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। यह समझौता हाल ही में संपन्न ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने के उद्देश्य से किया गया है। इसके तहत एयर इंडिया और जर्मनी के लुफ्थांसा समूह की विमान सेवा कंपनियों और सहायक कंपनियों - एयर इंडिया एक्सप्रेस, ऑस्ट्रियन एयरलाइंस, ब्रसेल्स एयरलाइंस, आईटीए एयरवेज, लुफ्थांसा, स्विस इंटरनेशनल एयर लाइंस और अन्य संबद्ध एयरलाइंस समेत - के बीच संयुक्त व्यावसायिक समझौते की रूपरेखा तय की गयी है। एयर इंडिया

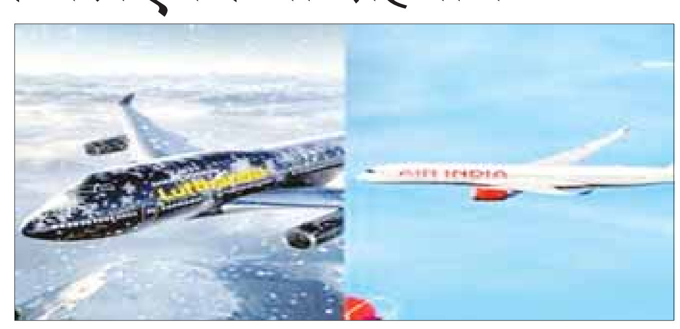

और लुफ्थांसा समूह के बीच एक कोडशेयर समझौता पहले से है। दोनों स्टार एलायंस के सदस्य हैं। यह करार दोनों पक्षों को भारत और प्रमुख यूरोपीय बाजारों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के विकल्प तलाशने में सक्षम बनायेगा। एमओयू पर एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन और लुफ्थांसा समूह के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्स्टन श्पोर ने हस्ताक्षर किये। अभी इस समझौते को नियामकीय मंजूरियां मिलनी शेष हैं। दोनों पक्ष चयनित बाजारों में मार्ग योजना और उड़ान समय-सारिणी का समन्वय, संयुक्त बिक्री, विपणन और वितरण पहल पर सहयोग कर सकते हैं। शुरुआती चरण में भारत और लुफ्थांसा समूह के मुख्य घरेलू बाजार जर्मनी, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, इटली और स्विट्जरलैंड में कनेक्टिविटी बढ़ाने पर फोकस किया जायेगा।

मारुति ने शुरू की ई-विटारा की बिक्री

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी ने मंगलवार को अपने एसयूवी विटारा के इलेक्ट्रिक संस्करण ई-विटारा की घरेलू बाजार में बिक्री शुरू कर दी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि ग्राहक नेक्सा शोरूम पर जाकर या नेक्सा की वेबसाइट पर 21,000 रुपये का शुरुआती भुगतान करके ई-विटारा की बुकिंग करा सकते हैं। ई-विटारा के 49 किलोवाट आवर मॉडल की बैटरी-एज-ए-सर्विस विकल्प के साथ कीमत 10.99 लाख रुपये है। इसमें रोड टैक्स, बीमा, टीसीएस और अन्य सरकारी कर तथा शुल्क शामिल नहीं हैं। बैटरी के लिए 3.99 रुपये प्रति किलोमीटर की समान किस्तों का विकल्प है। कंपनी एक साल बाद 60 प्रतिशत कीमत पर वाहन वापस खरीदने, बैटरी पर आठ साल और एसयूवी पर तीन साल की वारंटी दे रही है। वाहन पर पांच साल की अतिरिक्त गारंटी भी खरीदी जा सकती है। कंपनी ई-विटारा के साथ घर पर चार्जिंग की सुविधा इंस्टाल करेगी और होम चार्जर भी देगी।

रुपया दो पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को दो पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.72 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 7.50 पैसे टूटकर 90.74 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज दो पैसे की मजबूती के साथ 90.72 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। बीच कारोबार में यह ऊपर 90.64 रुपये और नीचे 90.78 रुपये प्रति डॉलर तक गया।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरी तेजी

आईटी और बैंकिंग कंपनियों में लिवाली

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को शुरुआती गिरावट के बाद प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए और आईटी तथा बैंकिंग सेक्टरों में लिवाली रही। बीएसई का सेंसेक्स 173.81 अंक (0.21 प्रतिशत) की बढ़त में 83,450.96 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 42.65 अंक यानी 0.17 प्रतिशत चढ़कर 25,725.40 अंक पर पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.14 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100

सूचकांक 0.56 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। आईटी, सार्वजनिक बैंक, एफएमसीजी, ऑटो, मीडिया, फार्मा, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और स्वास्थ्य सेक्टरों में लिवाली का जोर रहा। धातु, रियलटी और तेल एवं गैस समूहों में गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,250 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 1,929 के शेयर बढ़त में और 1,216 के गिरावट में रहे। अन्य 105 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी का शेयर 2.31 प्रतिशत और बीईएल का 2.02 प्रतिशत चढ़ा। एलएंडटी में 1.84 फीसदी, इंफोसिस में 1.83, एशियन पेंट्स में 1.69, अडानी पोर्टस में 1.62, टाइटन में 1.37, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.34 और सनफार्मा में 1.04 प्रतिशत की बढ़त रही। मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, इंडिगो, भारतीय स्टेट बैंक और टीसीएस के शेयर भी हरे निशान में रहे।

क्वालिटी वाल्स का शेयर 4.98 प्रतिशत टूटा। इटरनल में 1.56 प्रतिशत, टाटा स्टील में 1.29 प्रतिशत और ट्रेंट में 1.23 प्रतिशत की गिरावट रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल और बजाज फिनसर्व के शेयर भी लाल निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 1.26 प्रतिशत और जापान का निक्केई 0.42 प्रतिशत गिर गया। हांगकांग का हैंगसेंग 0.52 प्रतिशत मजबूत हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.01 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.33 प्रतिशत ऊपर था।

गिफ्ट सिटी में मार्च में आयेगा पहला आईपीओ

नयी दिल्ली (वार्ता)

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) गिफ्ट सिटी में मार्च के शुरुआती सप्ताह में पहला आईपीओ आने की उम्मीद है।

शीर्ष अधिकारियों के लिए कॉरपोरेट पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाली कंपनी एक्सईडी ने बताया है कि उसने सभी नियामकीय अर्हताएं पूरी करने के बाद प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए दस्तावेज (रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस) जमा कराये हैं। यह गिफ्ट सिटी का पहला आईपीओ होगा। इसमे मार्च के पहले सप्ताह में आने की संभावना है। गिफ्ट सिटी देश के भीतर ही एक विदेशी एक्सचेंज की तरह काम करता है। वहां लेनदेन डॉलर में होता है और वहां आईपीओ लाने का मुख्य उद्देश्य विदेशी निवेशकों को लुभाना है। एक्सईडी ने आईपीओ से 1.2 करोड़ डॉलर की पूंजी जुटाने का लक्ष्य रखा है। एक्सईडी को आईपीओ के लिए शेयर बाजारों से मंजूरी मिल चुकी है। इसके बाद उसने कंपनी रजिस्ट्रार के पास आईपीओ से संबंधित दस्तावेज भी जमा करा दिये हैं। आईपीओ के लिए दुनिया भर के प्रवासी भारतीय, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक और संस्थागत निवेशक बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर एनएसई में इंटरनेशनल एक्सचेंज और गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज में सूचीबद्ध होंगे। बड़े निवेशकों को आईपीओ में निवेश का मौका पहले मिलेगा। इस प्रक्रिया के फरवरी के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

मप्र ने प्रस्तुत किया संतुलित विकास का आदर्श उदाहरण : जगदीश देवड़ा

जीडीपी में 11.14 प्रतिशत वृद्धि, प्रति व्यक्ति आय बढ़कर हुई 1,69,050 रूपये

भोपाल (स्वतंत्र मत)

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने दूरदर्शी आर्थिक नीतियों के साथ संतुलित और समावेशी विकास का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में प्रस्तुत आँकड़ों से जाहिर है कि मध्यप्रदेश योजनाबद्ध, संतुलित और परिणामोन्मुख विकास पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। श्री देवडा ने कहा कि मध्यप्रदेश का विकास योजनाबद्ध, संतुलित और समावेशी रणनीति पर आधारित है। कृषि से उद्योग, सेवा से सामाजिक क्षेत्र और वित्तीय अनुशासन से सुशासन तक प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत को विश्व की मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने मध्यप्रदेश पूरी क्षमता के साथ तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने आर्थिक समृद्धि के जो कदम उठाये हैं, उनके परिणाम मिलना शुरू हो गये हैं। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने मंगलवार को विधानसभा में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2025-26 अग्रिम अनुमान में राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद प्रचलित भाव पर 16,69,750 करोड़ रूपये आँका गया है, जो वर्ष 2024-25 के 15,02,428 करोड़ रुपये की तुलना में 11.14 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है। इसी प्रकार स्थिर (2011-12) भाव पर जीएसडीपी 7,81,911 करोड़ रूपये अनुमानित है, जो 8.04 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि को प्रतिबिंबित करता है। उन्होने कहा कि आर्थिक विस्तार केवल मूल्य वृद्धि का परिणाम नहीं, बल्कि वास्तविक उत्पादन और गतिविधियों में वृद्धि का परिणाम है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि राज्य में प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2011-12 में प्रचलित भाव पर 38,497 रूपये रही प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1,69,050 रूपये हो गई है। स्थिर (2011-12) भाव पर यही आय 76,971 रूपये तक पहुँच गई है। उन्होंने कहा कि यह आय स्तर में सुधार का संकेत है, जो जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन को रेखांकित करता है। श्री देवड़ा ने वर्ष 2025-26 में प्रचलित भाव पर सकल राज्य मूल्य वर्धन में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 43.09 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र का 19.79 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र का 37.12 प्रतिशत रहा। स्थिर भाव पर यह संरचना क्रमशः 33.54 प्रतिशत, 26.18 प्रतिशत और 40.28 प्रतिशत रही। इससे जाहिर है कि कृषि आधारित आधार को मजबूती देते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योतग और सेवा क्षेत्रों में भी संतुलित विस्तार हुआ है। प्राथमिक क्षेत्र में वर्ष 2025-26 में कुल सकल राज्य मूल्य वर्धन 6,79,817 करोड़ रूपये रहा, जो पिछले वर्ष के 6,33,532 करोड़ रूपये की तुलना में 7.31 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है। इस क्षेत्र में फसलें 30.17 प्रतिशत भागीदारी के साथ प्रमुख घटक रहीं। पशुधन, वानिकी, मत्स्य एवं जलीय कृषि तथा खनन एवं उत्खनन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कृषि एवं ग्रामीण विकास के मोर्चे पर वर्ष 2024-25 में कुल फसल उत्पादन में 7.66 प्रतिशत तथा खाद्यान्न उत्पादन में 14.68 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। उद्या निकी क्षेत्रफल 28.39 लाख हेक्टेयर रहा और दुग्ध उत्पादन 225.95 लाख टन तक पहुँचा। गांवों की समृद्धि के लिए 72,975 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण तथा 40.82 लाख ग्रामीण आवासों के बनने से ग्रामीण आधार को मजबूती मिली है। द्वितीयक क्षेत्र का कुल सकल राज्य मूल्य वर्धन- वर्ष 2025-26 में 3,12,350 करोड़ रूपये रहा, जो 9.93 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। निर्माण, विनिर्माण तथा विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाओं का प्रमुख योगदान रहा। उन्होंने कहा कि औद्योशगिक विकास के अंतर्गत 1,028 इकाइयों को 6,125 एकड़ भूमि आवंटित की गई, जिससे 1.17 लाख करोड़ के प्रस्तावित निवेश और लगभग 1.7 लाख रोजगार अवसरों का मार्ग प्रशस्त हुआ। वर्ष 2024-25 में एमएसएमई सहायता 2,162 करोड़ रुपये रही। राज्य में 1,723 स्टार्टअप और 103 इनक्यूबेशन केंद्र सक्रिय हैं, जबकि सीएसआर व्यय 600.47 करोड़ रूपये दर्ज किया गया।

13.18 करोड़ पर्यटकों का भ्रमण

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि तृतीयक क्षेत्र ने सर्वाधिक तेज गति से वृद्धि की है। वर्ष 2025-26 में इसका कुल जीएसवीए 5,85,588 करोड़ रूपये रहा, जो 15.80 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। व्यापार, मरम्मत, होटल एवं रेस्टोरेंट, वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन तथा अन्य सेवाओं का प्रमुख योगदान रहा है। पर्यटन क्षेत्र में 13.18 करोड़ पर्यटकों का आना यह बताता है कि इस क्षेत्र में गति आई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 में 618 करोड़ रूपये राजस्व आधिक्य अनुमानित कर राजस्व में 13.57 प्रतिशत वृद्धि तथा ऋण-जीएसडीपी अनुपात 31.3 प्रतिशत रहना यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश के वित्तीय अनुशासन में निरंतर सुधार हुआ है।

कक्षा 1-5 में ड्रॉपआउट दर शून्य

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि नगरीय विकास के अंतर्गत अमृत 2.0 में 4,065 करोड़ रुपये का आवंटन और 1,134 परियोजनाओं की स्वीकृति दी गई। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 8.75 लाख आवास पूर्ण हुए तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में राज्य को 8 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए। स्वास्थ्य क्षेत्र में कुल व्यय 34,112 करोड़ रुपये रहा। नवंबर 2025 तक 4.42 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किए गए और मातृ मृत्यु दर 379 (2001-03) से घटकर 142 (2021-23) प्रति लाख जीवित जन्म हो गई। शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में वर्ष 2025-26 में कुल बजट का 10.37 प्रतिशत शिक्षा के लिए आवंटित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। कक्षा 1-5 में ड्रॉपआउट दर शून्य रही और कक्षा 6-8 में यह घटकर 6.3 प्रतिशत रह गई। 45,668 विद्यार्थियों को 500 करोड़ रूपये की सहायता प्रदान की गई। तकनीकी शिक्षण संस्थानों की संख्या 1,625 से बढ़कर 2,070 हो गई है।

भोपाल में महिला कांग्रेस की रसोई संसद

खाली कड़ाही और थाली बजाकर जताया विरोध

भोपाल (स्वतंत्र मत)

बढ़ती महंगाई के खिलाफ आज मंगलवार को मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस ने राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर रसोई संसद का आयोजन कर विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने जमीन पर प्रतीकात्मक चूल्हा-रसोई सजाकर खाली उज्ज्वला सिलेंडर, खाली कढ़ाई तथा टमाटर, प्याज और खाद्य तेल की बढ़ी कीमतों के बोर्ड के माध्यम से आम परिवारों की परेशानियों को सामने रखा। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेठिया ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने घर-घर की रसोई का संतुलन बिगाड़ दिया है। गैस सिलेंडर, खाद्य तेल और सब्जियों की कीमतें आम परिवार की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि देश का बजट बनाया जा रहा है, लेकिन घर का बजट बिगड़ता जा रहा है और उज्ज्वला का सिलेंडर कई घरों में शोपीस बनकर रह गया है। खाली कढ़ाई सरकार से जवाब मांग रही है कि आम महिला अपने परिवार का पेट कैसे भरे। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने खाली चकले पर रोटी बेलकर यह संदेश दिया कि महंगाई के कारण रसोई से सब्जियां और पोषण दोनों गायब होते जा रहे हैं। महिला कांग्रेस ने सरकार से मांग की कि गैस सिलेंडर की कीमतों में तत्काल कटौती की जाए, आवश्यक खाद्य वस्तुओं के दाम नियंत्रित किए जाएं और आम परिवारों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। संगठन की ओर से चेतावनी दी गई कि यदि महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया तो प्रदेशभर में रसोई संसद अभियान चलाया जाएगा।

छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर एवं फूलों की वर्षा कर किया स्वागत

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर की प्रेरणा एवं जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा, परीक्षा प्रभारी मनीष कुमार नेमा के मार्गदर्शन में आदर्श परीक्षा केंद्र क्र. 251127 शासकीय सांदीपनि उमा विद्यालय पटेरा में 17 फरवरी को कक्षा 10 के प्रथम परीक्षा दिवस में अंग्रेजी के पेपर में केंद्र अध्यक्ष इसरार खान, सहायक केंद्र अध्यक्ष मनीष कुमार मेहरा, परीक्षा लिपिक सभी पर्यवेक्षकों एवं कार्यालयीन सहायकों द्वारा सभी छात्र-छात्राओं का स्वागत तिलक लगाकर एवं फूलों की वर्षा कर किया गया। इस केन्द्र पर स्टूडेंट हेल्प डेस्क लगाई गई जिसमें विद्यार्थियों की विभिन्य समस्याओं का निराकरण किया गया।

रमेश कुमार व्यास को मिली पीएचडी की उपाधि

दमोह (स्वतंत्र मत)। एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह द्वारा रमेश कुमार व्यास को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उनका शोध कार्य दमोह जिले की कक्षा नवमी के विद्यार्थियों के भौतिक शास्त्र उपलब्धि पर सम्प्रत्यय प्राप्ति प्रतिमान एवं परंपरागत शिक्षण विधि के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केन्द्रित रहा। यह शोध कार्य निर्देशक डॉ. स्वर्ण कौर प्रोफेसर एजुकेशन डिपार्टमेन्ट एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। रमेश कुमार व्यास शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरी में प्राचार्य हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवारजनों, शिक्षाविदों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

अजब धाम में रक्तदान शिविर का आयोजन

हटा (स्वतंत्र मत)। बटियागढ़ ब्लॉक के प्रसिद्ध अजब धाम में रक्तदान शिविर का आयोजन मंगलवार दोपहर 1 से किया गया। अजब धाम के देव रामकोमार मंदिर के महंत रामनुग्रह दास छोटे सरकार ने स्वयं रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। छोटे सरकार के बाद अजब धाम शिष्य मंडल सहित कई युवाओं ने रक्तदान किया। जै-जै सरकार वार्षिक महोत्सव आयोजन के क्रम में आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इस दौरान बीएमओ डॉ. उमाशंकर पटेल सहित ब्लड यूनिट टीम और स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग से सीबीएमओ डॉ. उमाशंकर पटेल, बीएमओ बटियागढ़ डॉ. महेश लोधी, डीएचओ डॉ. रीता चटर्जी, लेव टेक्नीशियन मनीष श्रीवास्तव, सौरभ खरे, मकसूद खान, मनोज शर्मा, संजय प्यासी, देवेंद्र लोधी आदि उपस्थित रहे।

नवनिर्मित सीमेंट कांक्रीट रोड पर खुल गए कार वाशिंग सेंटर

राहगीरों व स्कूली छात्रों को हो रही परेशानी

हटा (स्वतंत्र मत)

नगर में दमोह-पन्ना फोर लाइन का एक हिस्सा सीमेंट कांक्रीट रोड के रूप में लगभग तैयार हो चुका है। इस मार्ग पर दुपहिया और चौपहिया वाहनों का आवागमन भी शुरू हो गया है लेकिन नई बनी सड़क अब अव्यवस्था की शिकार होती नजर आ रही है। फोर लाइन के इस हिस्से को कुछ मिस्त्रियों द्वारा अस्थायी कार वाशिंग और सर्विसिंग सेंटर के रूप में उपयोग किया जा रहा है। कई स्थानों पर नवनिर्मित सीसी रोड पर ही प्रेसर मशीन से वाहनों की धुलाई की जा रही है। तेज प्रेशर से छोड़ा जा रहा पानी सड़क से गुजर रहे राहगीरों, विशेषकर स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं पर गिर रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार इसको लेकर विवाद की स्थिति भी बन चुकी है लेकिन जिम्मेदार लोग ध्यान नहीं दे रहे। पन्ना नाके से अंधियारा बगीचा तक कम से कम चार स्थानों पर सीसी सड़क पर ही वाशिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं। खचना नाके के आसपास तीन स्थानों पर तथा अंधियारा बगीचा क्षेत्र में दो जगह मुख्य मार्ग पर ही कार और जीप खड़ी कर धुलाई की जा रही थी। इससे एक ओर जहां यातायात बाधित हो रहा है। वहीं नई सड़क की गुणवत्ता पर भी प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक मार्ग पर इस तरह व्यवसायिक गतिविधियां संचालित होना नियम विरुद्ध है। साथ ही सड़क पर फैलता पानी फिसलन और दुर्घटना का कारण बन सकता है। अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल मार्ग पर इस प्रकार की गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए और निर्धारित स्थानों पर ही वाहन धुलाई की अनुमति दी जाए। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह समस्या आगे चलकर बड़े हादसे का कारण बन सकती है। नगरवासियों ने संबंधित अधिकारियों से निरीक्षण कर उचित कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

डीजे वाहनों की बढ़ती ऊंचाई और झूलते बिजली तार बन रहे हादसे की वजह, प्रशासन बेखबर

हटा (स्वतंत्र मत)

वैवाहिक सीजन शुरू होते ही नगर में डीजे वाहनों की आवाजाही तेज हो गई है। मांग बढ़ने के साथ-साथ डीजे संचालकों के बीच प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है जिसके चलते इन वाहनों की ऊंचाई और साउंड सिस्टम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। इसका सीधा असर शहर की तंग गलियों में देखने को मिल रहा है, जहां नीचे झूलते बिजली के तारों के बीच से गुजरते समय बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। जानकारी के अनुसार जब ये ऊंचे डीजे वाहन गलियों से निकलते हैं तो कई स्थानों पर बिजली के केबल उनकी ऊंचाई में बाधा बनते हैं। ऐसे में कुछ युवक अति उत्साह में अपने हाथों से ही तारों को ऊपर उठाकर वाहन निकलवाने की कोशिश करते हैं जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस लापरवाही पर प्रशासन की कोई निगरानी नहीं है। इधर नगर में इस समय दसवीं-बारहवीं सहित सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाएं भी संचालित हो रही हैं लेकिन इसके बावजूद देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाए जा रहे हैं। विद्यार्थियों और अभिभावकों ने शोरगुल पर रोक लगाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि मोहन यादव सरकार बनने के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर सख्ती के निर्देश जारी किए गए थे लेकिन समय के साथ यह आदेश प्रभावहीन होते नजर आ रहे हैं। नागरिकों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर हादसे की आशंका टालने की मांग की।

श्रमिकों के बच्चों का शैक्षणिक उत्थान हमारी प्राथमिकता: पटेल

मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल की 64वीं बैठक हुई

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल की 64वीं बैठक में श्रमिकों के बच्चों के शैक्षणिक उत्थान को केंद्र में रखते हुए मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन देने और प्रारंभिक स्तर पर कॅरियर काउंसलिंग की व्यवस्था विकसित करने पर प्राथमिकता दी गई। श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराना मंडल की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मंडल की योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों को इन अवसरों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में मंडल का आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट माननीय सदस्यों द्वारा चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में श्रम सचिव रघुराज राजेन्द्रन, कल्याण आयुक्त संजय कुमार एवं श्रमिकों एवं नियोजकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों और कर्मचारियों का मनोबल बनाए रखना शासन की जिम्मेदारी है। वेतनमान से जुड़े मामलों में देरी कार्यकुशलता को प्रभावित करती है, इसलिए सभी लंबित प्रकरणों की सूची बनाकर त्वरित कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही भविष्य निधि (ईपीएफ) से जुड़ी समस्याओं के समाधान और सामाजिक सुरक्षा अंशदान जमा न करने वाले प्रिंसिपल एम्प्लॉयर की जानकारी पोर्टल पर सार्वजनिक करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण, श्रमिक कल्याण योजनाओं की प्रगति, खेल एवं कौशल विकास गतिविधियों तथा नवीन श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में श्रम सचिव रघुराज राजेन्द्रन ने बताया कि श्रम कल्याण बोर्ड में संपूर्ण कंप्यूटरीकरण एमपीएसईडीसी के माध्यम से किया जा रहा है। श्रम विभाग द्वारा नवीन श्रम संहिताओं पर संभागीय स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें से एक भोपाल में संपन्न हो चुकी है। इन संहिताओं के आधार पर राज्य में श्रम कानूनों में संशोधन किए जा रहे हैं।

सिलाई केंद्रों का पुनः संचालन, 17 केंद्र सक्रिय- बैठक में बताया गया कि चचाई और इंदौर में सिलाई केंद्रों को पुनः प्रारंभ किया जा रहा है। वर्तमान में 27 श्रम कल्याण केंद्रों में से 17 में सिलाई-कढ़ाई केंद्र संचालित हो रहे हैं। कौशल विकास विभाग द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का परीक्षण कराया गया है। मंडल के अंतर्गत संचालित श्रम कल्याण केंद्रों के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण, राष्ट्रीय पर्व, विश्वकर्मा जयंती जैसे आयोजन नियमित रूप से किए जा रहे हैं। श्रमिकों के लिए कंप्यूटर केंद्र भी संचालित हैं।

खेलों को बढ़ावा, समयावधि बढ़ाने का प्रस्ताव- बैठक में खेल प्रतियोगिताओं की अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया। बताया गया कि खेलों के माध्यम से श्रमिकों का सर्वांगीण विकास संभव है। साथ ही नियमित कर्मचारियों को समयमान वेतनमान के एरियर भुगतान को शीर्ष प्राथमिकता देने की बात कही गई। भविष्य निधि (ईपीएफ) से जुड़ी समस्याओं के निराकरण पर भी चर्चा हुई। अंत में सभी सदस्यों ने श्रमिक एवं कर्मचारी हितों को सर्वोपरि रखते हुए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन का संकल्प लिया।

सिंघार ने आवारा श्वान पर चर्चा को लेकर सरकार को घेरा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश विधानसभा में आज आवारा श्वानों के मुद्दे को लेकर हुई लंबी चर्चा के मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा। श्री सिंघार ने सदन में चर्चा के बाद कहा कि सरकार के लिए इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से हुई मौतों से कहीं अधिक आवारा श्वान अहम हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतनी बड़ी त्रासदी पर चर्चा से परहेज़ किया जा रहा है। यदि विधानसभा में आवारा श्वानों के मुद्दे पर बहस हो सकती है, तो 35 लोगों की मौत पर चर्चा से बचना सरकार की असंवेदनशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। वहीं इसके पहले बजट सत्र के दूसरे दिन नेता प्रतिपक्ष श्री सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल ने इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष कांग्रेस विधायकों ने हाथों में गंदे पानी से भरी बोतलें और नारे लिखी तख्तियां लेकर सांकेतिक प्रदर्शन किया।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/25-26
दिनांक 17/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हर्ष साहू पिता चंद्रभान साहू ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चन्द्र बैनर्जी के भवन क्रमांक 324 संपत्ति के पिन क्रमांक 1000398754 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 977 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री सुरेश बी पिता भगवान दास सुजान एवं श्रीमती कामनी एम.सुजान का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/25-26
दिनांक 17/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नीतू दिलीप कुमार मेवड़ा पिता श्री दिलीप कुमार मेवड़ा ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चन्द्र बैनर्जी के भवन क्रमांक फ्लेट नं. 202 सिग्मा गोल्ड संपत्ति के पिन क्रमांक 1000400312 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल रकवा व.फु. जिस पर निर्मित द्वितीय तल 650 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्रीमती निशा अवतानी पति श्री अनिल कुमार अवतानी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 12 घंटाघर नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.12/25-26/एम-48
दिनांक 17/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कमल तलरेजा पिता श्री कन्हैया लाल तलरेजा ने मकान 446/A-3 दुकान क्रमांक-6 वार्ड लोकमान्य तिलक कुल क्षेत्रफल 123 व.फु. निर्मित भूतल 123 व.फु. व्यवसायिक विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है, जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 12 घंटाघर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर

स्वास्थ्य जागरुकता ही स्वस्थ परिवार एवं सशक्त समाज की आधारशिलाः डॉ. भारती

हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज में यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज) के ऑडिटोरियम में 17 फरवरी 2026 को दोपहर 3.30 बजे से 'यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बी.एससी. नर्सिंग के विद्यार्थियों को यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूक करना तथा उन्हें समुदाय में स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने के लिए सक्षम बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. भारती साहू (एसोसिएट प्रोफेसर, एन.एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जबलपुर) का स्वागत पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. (प्रो.) प्रिंसी शाजी द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ. अनूप तिवारी द्वारा महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया गया, जिसमें संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता डॉ. भारती साहू ने अपने व्याख्यान में मासिक धर्म स्वच्छता, परिवार नियोजन के विभिन्न उपाय, यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई) की रोकथाम एवं प्रबंधन, किशोर स्वास्थ्य, सुरक्षित मातृत्व तथा प्रजनन अधिकार एवं लैंगिक समानता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ने, समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने तथा जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

जिज्ञासाओं का समाधान

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की तथा प्रश्नोत्तर सत्र में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय प्रसूति एवं स्त्री रोग नर्सिंग विभाग की डॉ. रीना मैथ्यू (एसोसिएट प्रोफेसर) एवं श्रीमती म्यूरियल क्रिस्टोफर (नर्सिंग ट्यूटर) द्वारा किया गया, जो डॉ. (प्रो.) प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

सशक्त समाज की आधारशिला

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ तथा स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता के महत्व पर पुनः बल देते हुये कहा गया कि प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला है।

विद्यार्थियों को बताए विधिक सेवा प्रणाली के तौर-तरीके

हितकारिणी लॉ कॉलेज में विधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में हितकारिणी लॉ कॉलेज, जबलपुर में विधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की श्रंखला में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु एक विशेष विधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का पुनः आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विधि विद्यार्थियों को व्यावहारिक कानूनी ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हें विधिक सेवा प्रणाली की कार्यप्रणाली से अवगत कराना रहा। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिल्ली, लखनऊ, नोएडा, जयपुर, प्रयागराज, कोटा, इंदौर, भोपाल, सागर, रीवा के विभिन्न विश्वविद्यालय एवं जबलपुर के विभिन्न विधि महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विशेष रूप से धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जबलपुर एवं मंगलायतन यूनिवर्सिटी सहित अन्य संस्थानों के विधि विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लेकर विधि से संबंधित विविध विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, वैकल्पिक विवाद समाधान एवं विधिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापकों द्वारा व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से विषयों को सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक कानूनी प्रक्रियाओं को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा हितकारिणी लॉ कॉलेज के लीगल ऐड क्लिनिक को प्रशिक्षण हेतु चुना गया है इस आधार पर विभिन्न महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं और आगे भी किए जावेंगे। हितकारिणी लॉ कॉलेज प्रबंधन द्वारा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम विधि विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होते हैं तथा उन्हें भविष्य में एक संवेदनशील एवं जिम्मेदार विधि पेशेवर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। उक्त विधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय उप प्राचार्य डॉ. भावना वर्मा, सहायक प्राध्यापक मोनिका सिंह, महाविद्यालय के लीगल ऐड क्लिनिक प्रभारी अभिषेक नेमा, राजेश सेन, लोकेन्द्र सिंह, प्रशांत वर्मा, नवीन जैन आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कैम्पस ड्राइव में 8 छात्राओं का चयन

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में वर्धमान पोद्दार लर्निंग स्कूल, सिवनी, म.प्र. द्वारा केंपस ड्राइव का आयोजन दिनांक 17/02/2026 को किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी द्वारा आए हुए अतिथियों का पौधा, डायरी एवं कैलेंडर देकर स्वागत किया गया। महाविद्यालय के अध्यक्ष संदीप गोलछा ने भावी शिक्षकों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि आप अपना व संस्था का गौरव हमेशा बढ़ाएं और उन्नति के शिखर पर पहुंचें। प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को इंटरव्यू की पद्धति से अवगत कराते हुए मोटिवेट किया और कहा कि कहीं भी काम करने के लिए हमको 3ष्ठ डेडीकेशन, डिवोशन, एंड डिटरमिनेशन महत्वपूर्ण होते हैं तभी हम गुणवत्तापूर्वक कार्य करके किसी भी संस्थान में स्थान बना सकते हैं। वर्धमान पोद्दार लर्निंग स्कूल की प्राचार्य डॉ. मंजू, एच.आर. दीप्ति दीक्षित ने अपने स्कूल की गुणवत्ता तथा भौतिक सुख सुविधाओं से परिचय कराया। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय से कुछ छात्राएं चयनित होकर हमारे स्कूल को आने वाले कल में ऊंचाइयों पर पहुंचायेंगी। कैंपस ड्राइव में कुल 29 छात्राएँ उपस्थिति रहीं जिनमें से 8 छात्राएं चयनित हुई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन महाविद्यालय की उप-प्राचार्य व प्लेसमेंट सेल की प्रभारी डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. रश्मि शुक्ल, जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, श्रीमती प्रेमलता चौबे, विजय दहायत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नगर निगम की जनसुनवाई बनी जनता का सहारा, 78 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर के विकास और नागरिकों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय और सभी 16 संभागों में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान संवेदनशीलता की एक नई मिसाल देखने को मिली, जहाँ निगमायुक्त और संभागीय अधिकारियों ने स्वयं आवेदकों को सम्मानपूर्वक कुर्सी पर बिठाकर उनकी समस्याओं को सुना। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने मुख्यालय में आए 46 आवेदकों से सीधा संवाद किया और आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करवाई। इसी तरह सभी 16 संभागों में संभागीय अधिकारियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए 32 प्रकरणों पर तत्काल कार्यवाही की। उन्होंने बताया कि मुख्यालय में प्राप्त कुल 46 शिकायतों में सर्वाधिक 8 अतिक्रमण विभाग, 8 भवन शाखा, 3 स्थापना, 5 स्वास्थ विभाग, 1 कॉलोनी सेल, 3 सम्पदा, 3 जल, 1 पेंशन शाखा, 1 राजस्व, 3 उद्यान, 1 योजना, 3 उद्यान, 5 बाजार, 1 कार्यालय अधीक्षक एवं 1 संभाग क्रमांक 6, 2 संभाग क्रमांक 15 से संबंधित है।

घरों के अंदर भर रहा तालाब का बदबूदार पानी

लोगों ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा के वार्ड क्रमांक 6 अद्दू मोहल्ला के निवासियों द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिहोरा को शिकायत पत्र सौंप कर मांग की गई है कि भदोहा तालाब का गंदा बदबूदार जहरीला पानी घरों के अंदर चला गया है जिससे मोहल्ले के निवासियों के खाने पीने के साथ साथ बिजली का समान खराब हो गये हैं। इससे लोगों बहुत आर्थिक हानि हुई है साथ ही पानी में बदबू होने से घर में रहना दूभर हो गया है, महामारी फैलने की भी संभावना है। वार्डवासियों द्वारा पूर्व में भी लिखित शिकायत की थी लेकिन नगर पालिका द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई। पूर्व में भदोहा तालाब का ओवरफ्लो का पानी ओमकालोनी के बाजू से निकलता था जिस पर लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर मनमाने तरीखे से मकान बना लिया गये हैं, जिस कारण भदोहा तालाब का ओवरफ्लो का पानी घरों में घुस रहा है। नगर पालिका द्वारा वायपास में नाले का निर्माण भी कराया गया लेकिन वह आधा-अधूरा है। पानी लोगों के निजी खेतों में जा रहा है और लोगों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। पीड़ित लोगों में विजय तिवारी, बाबू सिंह खंगार, सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, मनीष पटैल, मोहित जैन, मुकेश जैन, सरजीत यादव, बेला तिवारी, प्रमोद सिंह ठाकुर, आशीष सिंह ठाकुर ने अतिशीघ्र जांच कर समस्या का निदान करने की मांग की गई है।

नगर निगम टैक्स कलेक्टर 3 हजार की रिश्वत लेते पकड़ाया

जबलपुर लोकायुक्त की कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर में लोकायुक्त पुलिस ने नगर निगम जोन क्रमांक-10 रांझी में पदस्थ नगर निगम टैक्स कलेक्टर चन्द्रभान नोनिया को 3 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी नजूल मकान की टैक्स रसीद में नाम परिवर्तन करने के बदले 5 हजार रुपए की मांग कर रहा था। रांझी बड़ा पत्थर मानेगांव निवासी दीपक कुशवाहा ने लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी के नाम नजूल का मकान है और टैक्स रसीद में पुराने करदाता की जगह पत्नी का नाम दर्ज कराने के लिए चन्द्रभान नोनिया रिश्वत मांग रहा था। आरोपी का मूल पद ग्राम सचिव है और वर्तमान में वह नगर निगम के संभागीय कार्यालय जोन-10 में कर संग्राहक के रूप में कार्यरत था। शिकायत की पुष्टि के बाद लोकायुक्त जबलपुर इकाई ने मंगलवार को मुंडी टोरिया रांझी स्थित आवेदक के घर ट्रैप कार्रवाई की। तय रकम 5 हजार में से 3 हजार रुपए लेते ही आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया।

नगर पालिका का एकाउंटेंट रिश्वत लेते गिरफ्तार

ईओडब्ल्यू ने दबोचा, ग्रेच्युटी फंड जारी करवाने मांगे थे 25 हजार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मंगलवार को जबलपुर में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस ने नगर निगम के एक टिकट कलेक्टर को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। वहीं आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की टीम ने नगर पालिका परासिया के अकाउंटेंट शैलेन्द्र शर्मा को 5,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। आरोप है कि वह शिकायतकर्ता से ग्रेच्युटी भुगतान कराने के बदले रिश्वत मांग रहा था। परेशान होकर पीड़ित ने ईओडब्ल्यू एसपी को लिखित शिकायत दी, जिसके बाद जांच कर मंगलवार को ट्रैप कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार परासिया निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी लाल जी पिता सुन्दर लाल पिंडपारोची ने 13 फरवरी 2026 को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर में लिखित शिकायत देकर बताया कि वे अगस्त 2025 में सफाईकर्मी पद से रिटायर हुए थे, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें न तो ग्रेच्युटी राशि मिली और न ही पेंशन स्वीकृत हुई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वे नगर पालिका डोंगर परासिया के अकाउंटेंट शैलेन्द्र शर्मा से कई बार मिले और अपनी समस्या रखी, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह लगातार दफ्तर के चक्कर लगाता रहा, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। इसी दौरान विभाग में अकाउंटेंट पद पर पदस्थ शैलेन्द्र शर्मा ने आश्वासन दिया कि उसका पूरा काम करा दिया जाएगा और ग्रेच्युटी व पेंशन जारी हो जाएगी, लेकिन इसके बदले 25 हजार रुपए की मांग की। पीड़ित ने काम करवाने की उम्मीद में पहले ही 20 हजार रुपए दे दिए, फिर भी उसका काम नहीं हुआ।

20 हजार पहले लिए

शिकायत मिलने पर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर ने सत्यापन किया, जिसमें पुष्टि हुई कि आरोपी ने 25 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी और 20 हजार लेने के बाद भी भुगतान रोक रखा था। आरोपी रिटायर्ड सफाईकर्मी के फंड और पेंशन जारी करने के नाम पर उसे परेशान कर रहा था।

पेंशन दस्तावेज भी जब्त

17 फरवरी 2026 की दोपहर ट्रैप कार्रवाई करते हुए टीम ने आरोपी शैलेन्द्र शर्मा को नगर पालिका डोंगर परासिया कार्यालय में 5 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान प्रार्थी से संबंधित ग्रेच्युटी और पेंशन दस्तावेज भी जब्त किए गए। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7(ए) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

जहरीला सिरपः डॉ सोनी सहित 4 की जमानत याचिका खारिज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। छिंदवाड़ा में जहरीला कफ सिरप पीने से 30 बच्चों की मौत के चर्चित मामले में हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी डॉक्टर प्रवीण सोनी सहित चार आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत के फैसले के बाद सभी आरोपियों को अब जेल में ही रहना होगा। बता दें कि कफ सिरप से 30 बच्चों की मौत हुई थी। मंगलवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने बच्चों की मौत को

बेहद गंभीर मानते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी डॉक्टर ने सरकारी निर्देशों का पालन नहीं किया और 4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रतिबंधित फिक्स डोज कम्पाउंड दवा दी, जिसके चलते बच्चों की मौत हुई। सुनवाई में यह भी सामने आया कि डॉक्टर प्रवीण सोनी ने नागपुर के एक वरिष्ठ डॉक्टर की सलाह को भी नजरअंदाज कर बच्चों को कफ सिरप दिया था, जो मौत का कारण बना। छिंदवाड़ा पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को 5 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था, जहां से निचली अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया था। इसके बाद जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिसे अब खारिज कर दिया गया है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**